26 अक्टूबर 2024
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

कटिहार में 66 किलो चांदी के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

2

चक्रवाती तूफान दाना के कारण ओड़िशा व प. बंगाल में भारी बारिश

- चक्रवात दाना का कहर थमा, गुरुवार देर रात 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ओडिशा के तट से टकराया तूफान
- कई जगह पेड़ उखड़े, सड़क मार्ग बाधित, प. बंगाल में एक की मौत

एजेंसी/भुवनेश्वर

चक्रवाती तूफान दाना अब गुजर चुका है। चक्रवाती तूफान 'दाना' गुरुवार की देर रात 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ओडिशा के तट से टकराया। इसके चलते ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में तेज आंधी के साथ बारिश होती रही। कई जगह पेड़ उखड़ गए। सड़क मार्ग बाधित हो गया। दाना की वजह से पश्चिम बंगाल में एक मौत दर्ज की गई है। स्थिति के मद्देनजर पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने ओडिशा के सीएम मोहन माझी से फोन पर बात की और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वहीं बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और रात भर नबन्ना में ही रुकीं।

ओडिशा सरकार ने लगभग 4 लाख लोगों और पश्चिम बंगाल सरकार ने 2.82 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने चक्रवात दाना के आने के बाद राज्य की स्थिति की समीक्षा की। कहा कि चक्रवात के कारण 570 से अधिक परिवार अभी भी जलभराव की स्थिति में हैं। चक्रवात के कारण बिहार के 34 से अधिक जिलों में बादल छाए रहे और तापमान में 1-6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। आईएमडी के एक वैज्ञनिक ने बताया, दाना का बृहस्पतिवार देर रात 12 बजकर पांच मिनट पर पहुंचना शुरू हुआ और प्रक्रिया पूरा होने में करीब साढ़े आठ घंटे लगे। यह प्रक्रिया शुक्रवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे पूरी हुई। उन्होंने कहा कि 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पहुंचा दाना तूफान कमजोर होकर चक्रवाती तूफान बन गया है।

हवाई और ट्रेन सेवाएं शुरू

भुवनेश्वर में शुक्रवार को सुबह उड़ान और ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बताया कि यहां बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमानों का परिचालन बहाल हो गया है। चक्रवात दाना के मद्देनजर 24 अक्टूबर को शाम पांच बजे से हवाई सेवाएं निलंबित की गई थीं। वहीं पूर्व तटीय रेलवे ने कहा कि उसके अधिकार क्षेत्र में पहले रद्द की गई ट्रेन को छोड़कर, बाकी ट्रेन निर्धारित समय के अनुसार चलने लगीं। ईसीओआर ने एहतियात के तौर पर 203 ट्रेनों का परिचालन रद्द किया था।

भारत और चीन के बीच एलएसी पर बनी सहमति का असर, दोनों देशों की सेनाएं पीछे हटनी शुरू

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच लद्दाख के नजदीक वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 2020 में पैदा हुई सैन्य तनातनी का अब समाधान हो गया है। दोनों देशों के बीच राजनयिक और सैन्य स्तर पर हुई चचाओं के बाद सैन्य गश्त को लेकर सहमति बन गई है, जिसके बाद अब दोनों ओर से अग्रिम तैनाती खत्म होगी। इससे भारत और चीन दोनों की सेनाएं पीछे हटनी शुरू हो गई हैं। एलएसी एग्रीमेंट के बाद दोनों ही देश की तरफ से यह फैसला लिया गया है। डेमचोक और देपसांग मैदानों से भारत और चीन के सैनिक पीछे हटने की खबर है। विवाद के दौरान सबसे ज्यादा तनाव भी इन्हीं इलाकों को लेकर था, ऐसे में यहां सेनाओं का पीछे हटना एक बड़ी डेवलपमेंट माना जा रहा है। कुछ दिन पहले ही भारत और चीन के बीच में कई मुद्दों पर सहमति बनी है। उस सहमति के बाद ही ब्रिक्स समिट में पांच साल बाद पीएम मोदी और शी जिनपिंग के बीच में द्विपक्षीय बैठक भी देखने को मिली। यह अलग बात है कि चीन ने अपने जारी बयान में सीमा विवाद का कोई जिक्र नहीं किया, उसने पैट्रोलिंग प्वाइंट्स को लेकर कोई बयान नहीं दिया।

चीन की नीयत पर क्यों उठे सवाल

चीन ने जारी बयान में कहा कि दोनों ही पक्ष कुछ जरूरी मुद्दों पर समाधान खोजने में सफल रहे हैं, चीन इसे सकारात्मक रूप से लेता है। अब अगले चरण में चीन, भारत के साथ मिलकर काम करेगा और अपना सॉल्यूशन प्लान एक्शन में लाएगा। चीन का यही बयान बताने के लिए काफी है कि उसकी करनी और कथनी में फर्क हो सकता है। जानकारों का मानना है कि जब सहमति सीमा विवाद को लेकर बनी है तो उसके बारे में खुलकर चर्चा होना जरूरी है।

खबरें फटाफट

एनडीए सरकार सुरक्षा और शांति कायम करने में फेल: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर एनडीए सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि एनडीए सरकार की नीतियां सुरक्षा और शांति कायम करने में पूरी तरह फेल हैं। सरकार की इस पर जवाबदेही तय करनी चाहिए। इसके साथ ही सेना के जवानों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।
एक्स पर पोस्ट में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में सेना के वाहन पर कायरतापूर्ण हमले में हमारे बहादुर सैनिकों की शहादत की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसकी तुरंत जवाबदेही लेनी चाहिए और घाटी में जल्द से जल्द शांति बहाल करनी चाहिए। इसके साथ ही सेना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

शांति बाधित करने की कोशिश कर रहा पाकिस्तान: फारुक

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वह जम्मू-कश्मीर की शांति और भविष्य को बाधित करने की कोशिश कर रहा, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, हमारे कई साथी शहीद हो गए नापाक इरादे वाले लोग कश्मीर को पाकिस्तान से मिलाने की गलतफहमी में हैं। 1947 में कश्मीर के लोगों ने यह तय किया था कि वे पाकिस्तान नहीं जाना चाहते। उन्होंने कहा कि अगर यह स्थिति जारी रही, तो अंततः सभी की तबाही होगी।

वाराणसी कोर्ट ने हिंदू पक्ष के अतिरिक्त सर्वे की मांग को किया खारिज

हिंदू पक्ष को झटका... ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में न सर्वे होगा न ही खुदाई होगी

- वाराणसी के सिविल जज सीनियर डिविजन फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सर्वे की अपील पर दिया फैसला
- हिंदू पक्ष कोर्ट के फैसले से संतुष्ट नहीं, हाई कोर्ट में जाने की तैयारी

एजेंसी/वाराणसी

ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष को बड़ा झटका लगा है। हिंदू पक्ष की संपूर्ण ज्ञानवापी परिसर के अतिरिक्त सर्वे की अपील पर वाराणसी कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष के अतिरिक्त सर्वे की मांग को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद में न तो सर्वे होगा और न ही खुदाई होगी। ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे को लेकर वाराणसी के सिविल जज सीनियर डिविजन फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। एएसआई सर्वे होने के बाद अतिरिक्त सर्वे की जरूरत पर कोर्ट ने सवाल किया था। 8 महीने तक इस मामले की सुनवाई चली थी, जिसके बाद शुक्रवार को इस पर फैसला आ गया। हिंदू पक्ष अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं है और मामले को लेकर हाई कोर्ट में जाने की तैयारी में है।

क्या है हिंदू पक्ष का दावा

हिंदू पक्ष ने दावा किया है कि मुख्य गुंबद के नीचे 100 फुट का शिवलिंग मौजूद है और परिसर के शेष स्थल की खुदाई कराकर एएसआई सर्वे कराया जाना चाहिए। यह मामला 1991 में सोमनाथ व्यास द्वारा दाखिल किए गए वाद से जुड़ा है। हिन्दू पक्ष के वकील विजय शंकर रस्तोगी ने इस पर तफ्सील से जानकारी देते हुए बताया कि सिविल सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट वाराणसी में केस संख्या 610, वर्ष 1991 के अंतर्गत लंबित है वाद में एएसआई सर्वे पहले ही हो चुका था लेकिन इस केस में आज 08 अप्रैल 2021 को एक आदेश पारित हुआ है। उस आदेश के अनुपालन में कोई आदेश नहीं हुआ था, इसलिए मेरे द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया था कि संपूर्ण ज्ञानवापी परिसर का अतिरिक्त सर्वे कराया जाए। जो पूर्व के सर्वे में नहीं हुआ है वह कराया जाए।

हिंदू पक्षकार विजय शंकर रस्तोगी ने अपनी याचिका में दावा किया था कि मस्जिद के मुख्य गुंबद के नीचे भगवान आदि विश्वेश्वर का 100 फीट का विशाल शिवलिंग और अरघा है, जिसका पेनीट्रेटिंग राडार की मदद से सर्वे किया जाना चाहिए। वजूखाने और बचे हुए तहखानों के सर्वे की भी मांग की गई थी। मुस्लिम पक्ष ने इन मांगों का विरोध किया था।

मुस्लिम पक्ष ने कहा था सर्वे किया जाना उचित नहीं है

हिन्दू पक्ष के वकील ने कहा कि सुनवाई में मुस्लिम पक्ष इसके विपरीत कहता है। हिंदू जो भी कहेगा, वह बिल्कुल विपरीत ही कहेंगे। वह कह रहे थे कि सर्वे उचित नहीं है और सर्वे नहीं होना चाहिए। वह ऐसी बातें कर रहे थे जिसका कोई मतलब नहीं है। किस तरीके का सर्वे हो इस पर वह कहते हैं, 'हम ऐसा करना चाहते हैं एक सर्वेक्षण कि केंद्रीय गुंबद के नीचे, स्वयंभू ज्योतिर्लिंग का सौ फीट लंबा शिवलिंग है और अरघा सौ फीट गहरा है। उन्होंने इसे बड़ी सीमाओं और पट्टियों से ढक दिया है और इसे अस्तित्वहीन कर दिया है। हम इसे प्रकाश में लाना चाहते हैं। न तो एएसआई और न ही जीपीआर सिस्टम वहां काम कर रहा था। उन्होंने आगे बताया कि न तो एएसआई और न ही जीपीआर सिस्टम स्पष्ट आकार और नीचे की हर चीज की रिपोर्ट देने में सक्षम था। इसलिए मेरी अदालत से यही प्रार्थना थी कि इस संरचना से हटकर, इसे कोई नुकसान पहुंचाए बिना, 10 मीटर, 5 मीटर दूर गड्ढा खोदकर अंदर जाएं और उस स्तर पर देखें कि स्वयंभू विश्वेश्वर का ज्योतिर्लिंग, जिनके नाम से काशी जानी जाती है।

लालू प्रसाद को भारत रत्न देने की मांग पर गरमाई सियासत

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में राजद के प्रदेश कार्यालय के पास एक पोस्टर लगाया गया है। इसमें राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को भारत रत्न देने की मांग की गई है। अब इस पोस्टर के लगाए जाने के बाद बीजेपी और जदयू दोनों ने इस मामले पर तंज कसा है। बता दें कि राजद के राजधानी स्थित प्रदेश कार्यालय के पास अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव रंजीत रजक की तरफ से एक पोस्टर लगाया गया है, जिसमें यह मांग की गई है कि लालू प्रसाद को भारत रत्न दिया जाए। इस पोस्टर पर लालू प्रसाद, राबडी देवी, तेजप्रताप यादव और तेजस्वी यादव के साथ ही राजद के तमाम नेताओं की तस्वीर भी लगाई गई है।

इस पोस्टर पर बीजेपी के प्रवक्ता नीरज कुमार ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लालू प्रसाद के लिए भारत रत्न की बात करने से ज्यादा हास्यादपद कुछ नहीं हो सकता है। लालू प्रसाद को किस बात के लिए भारत रत्न देने की जरूरत है? क्या बिहार में अपहरण को उद्योग का दर्जा देने के लिए उन्हें भारत रत्न दिया जाए या फिर बिहार की कई पीढियों को गर्दिश में धकेलने के लिए उन्हें भारत रत्न दिया जाए। उन्होंने सवाल किया कि बिहार से बाहर उद्योगपतियों को

खदेडने या यहां हुए नरसंहार के लिए भारत रत्न उन्हें दिया जाए। लालू प्रसाद को भारत रत्न दिए जाने की मांग करना वास्तव में भारत रत्न जैसे सम्मान का अपमान करना है। इसे हास्यादपद कुछ नहीं हो सकता है। यह मानसिक दिवालियापन का परिचायक है।

भारत रत्न देने की मांग पर जदयू का तंज: वहीं, जदयू के के मुख्य प्रवक्ता सह एमएलसी नीरज कुमार सिंह ने कहा कि आज भारत रत्न जैसा महत्वपूर्ण पुरस्कार भी लज्जित हो गया होगा। लालू प्रसाद अनमोल रत्न हैं. वह होटवार जेल के कैदी नंबर 3351 रत्न हैं। वह बेउर जेल के रत्न, सीबीआई के रत्न, परिवारवाद के रत्न, कब्रिस्तान की घेराबंदी कार आरोप लगने वाली पार्टी के रत्न हैं। लालू प्रसाद ऐसे राजनीतिक नमूना हैं, जिसको देखकर के रत्न को भी शर्म आ जाता है। भारत रत्न तो बहुत बड़ी चीज है। अपनी तुलना जननायक कपूर्री ठाकुर से किया जाना, लालू प्रसाद अपनी जगहंसाई खुद करवा रहे हैं।

आप का आरोप... बीजेपी के कार्यकताओं ने की अरविंद केजरीवाल पर हमला करने की कोशिश

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल पर हमले की कोशिश हुई है। घटना विकासपुरी में हुई, जब केजरीवाल पदयात्रा कर रहे थे। आप का कहना है कि 'बीजेपी के कुछ कार्यकताओं ने उन पर हमला करने की कोशिश की।' आप का आरोप है कि 'बीजेपी के कार्यकर्ता केजरीवाल के करीब आ गए और पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की।' पार्टी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट लिखा, 'जब इडी, सीबीआई और जेल से भी बात नहीं बनी, तो अब बीजेपी वाले अरविंद केजरीवाल जी पर हमले करवा रहे हैं। अगर केजरीवाल जी को कुछ भी होता है, तो उसके लिए बीजेपी सीधे तौर पर जिम्मेदार होगी।

दिल्ली की सीएम आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि बीजेपी को पता है की वह केजरीवाल को चुनाव में हरा नहीं सकते हैं इसलिए वह उनकी जान लेना चाहते हैं। पहले बीजेपी ने अरविंद केजरीवाल की दवाई बंद कर दी ताकि उनकी जान चली जाए।' सीएम आतिशी ने कहा, 'दिल्ली वालों की जनता केजरीवाल जी से प्यार करती है। उनके काम रोककर दिल्ली की जनता को परेशान किया जा रहा है। अगर केजरीवाल जी को कुछ भी हुआ तो दिल्ली की जनता बीजेपी को छोड़ेगी नहीं। वो दिल्ली के लिए सिर्फ नेता नहीं बल्कि उनके बेटे हैं। उन पर जब भी हमला हुआ है उसके पीछे बीजेपी के लोग ही शामिल होते हैं।

27 विमानों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली। हाल के दिनों में, भारत में विभिन्न एयरलाइन कंपनियों के विमानों को बम से उड़ाने की धमकियाँ मिल रही हैं। शुरूआत में यह धमकियाँ कुछ ही विमानों तक सीमित थीं, लेकिन अब उनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। हाल ही में, 25 अक्टूबर को कुल 27 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। सुरक्षा एजेंसियाँ इस स्थिति को लेकर सतर्क हैं और सभी धमकियों की गहन जांच की जा रही है। हालांकि सभी धमकियाँ फर्जी पाई गई हैं।

योगी सरकार ने प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बनाने की दिशा में उठाया बड़ा कदम

मिनी नंदिनी योजना के जरिए दुग्ध क्रांति लाएगी योगी सरकार

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने एवं गौ पालकों को सशक्त बनाने के लिए उन्हे बड़ी सौगात दी है। योगी सरकार मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना लॉन्च कर योजना के तहत प्रदेश में आधुनिक डेयरी इकाइयों की स्थापना करेगी। इससे दुग्ध उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार होगा। इसके लिए योगी सरकार 1015 लाख रुपये खर्च करेगी। योगी सरकार ने प्रति पशु दुग्ध उत्पादन के राष्ट्रीय औसत को बढ़ाने के लिए मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना की शुरूआत की है। दरअसल, उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्यों में से एक है, लेकिन प्रति पशु दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से राज्य राष्ट्रीय औसत से पीछे है। राज्य में वर्तमान में प्रति गाय औसतन

3.78 लीटर दूध का उत्पादन होता है, जो कि राष्ट्रीय औसत से कम है। वहीं, योजना के तहत योगी सरकार ने उच्च गुणवत्ता वाली स्वदेशी नस्लों की गायों का चयन कर हाइटेक डेयरी इकाइयों की स्थापना का निर्णय लिया है। योजना के जरिये 10 गायों की क्षमता वाली हाइटेक डेयरी इकाइयों की स्थापना की जाएगी। हर इकाई पर लगभग 23.60 लाख का खर्च आएगा, जिसमें सरकार और लाभार्थी दोनों का योगदान होगा। इन इकाइयों में केवल गिर, थारपारकर और साहीवाल जैसी उच्च गुणवत्ता वाली देशी नस्लों की गायें की खरीदी जाएंगी, जिनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता अधिक होती है। योजना के तहत चुनी गई गायों की नस्ल का मूल्यांकन उनकी उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा, जिससे अधिक दुग्ध उत्पादन सुनिश्चित हो सके।

गौ पालकों को वैज्ञानिक पद्धतियों से कराया जाएगा परिचित

योजना के तहत कैटल शेड और अन्य आधारभूत संरचनाओं का निर्माण आधुनिक तकनीक से किया जाएगा। इन संरचनाओं में पफ पैनल का उपयोग किया जाएगा, जिससे मौसम के प्रतिकूल प्रभाव से पशुओं की सुरक्षा हो सकेगी और उनका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। इसके अलावा, गौ पालकों को आधुनिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे वे नए तकनीकी साधनों का उपयोग कर अपने पशुओं की देखभाल और प्रबंधन कर सकें। गौ पालन में तीन वर्ष का अनुभव रखने वाले योग्य किसानों का चयन किया जाएगा ताकि योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच सके। योजना से छोटे और सीमांत किसानों को सीधा लाभ होगा। साथ ही किसानों को वैज्ञानिक पद्धतियों से परिचित कराया जाएगा। इससे कम लागत में अधिक उत्पादन की संभावना बढ़ेगी। यह योजना सिर्फ दुग्ध उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य ग्रामीण समाज में सकारात्मक बदलाव भी लाना है। योजना के जरिए पशुपालकों को नए अवसर मिलेंगे।

विश्व शांति स्तूप की स्थापना समारोह में शामिल हुए सीएम नीतीश कुमार

◆ विश्व शांति स्तूप का निर्माण वर्ष 1969 में जापान के फियूजी गुरुजी ने कराया था

केटी न्यूज/गया

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को नालंदा जिले के राजगीर में विश्व शांति स्तूप की स्थापना के 55वें वार्षिक समारोह में शामिल हुए. समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने देश-विदेश खासकर जापान से आए अतिथियों का अभिनंदन और स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का राजगीर से काफी पुराना संबंध है। राजगीर में विश्व शांति स्तूप की स्थापना के 55वें वार्षिक समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इस विश्व शांति स्तूप का निर्माण वर्ष 1969 में जापान के फियूजी गुरुजी ने कराया था तथा इसका उद्घाटन 25 अक्टूबर, 1969 को तत्कालीन राष्ट्रपति वीवी गिरी ने किया था। तब से हर साल 25 अक्टूबर को यहां कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। वर्ष 2019 में विश्व शांति स्तूप के 50 साल पूरे हुये थे तब हमने तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को दिल्ली जाकर आमंत्रित किया और वे इस कार्यक्रम में आये थे, जो बहुत बड़ा कार्यक्रम हुआ था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विश्व शांति स्तूप की परिक्रमा की और भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने विश्व शांति स्तूप, राजगीर के 55वें वर्षगांठ के अवसर पर रोप-वे के निकट नवनिर्मित एकीकृत भवन का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर स्वच्छ राजगीर अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजगीर के पहाड़, जिन्हें पंच पहाड़ी कहते हैं, करोड़ों वर्ष पुराने हैं। पहले यहां पेड़-पौधे बहुत कम थे। हमने यहां पर वृक्षारोपण कराया है, अब पहाड़ों पर हरियाली काफी बढ़ी है। यहां जू-सफारी, नेचर सफारी एवं ग्लास ब्रिज का निर्माण कराया गया है।

बोले सीएम..... बुद्ध का राजगीर से काफी पुराना संबंध

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध का राजगीर से काफी पुराना संबंध है। वे वेणुवन में रहा करते थे और फिर यहां से गया चले गये थे, जहां उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई. तब से उस स्थान को बोधगया के नाम से जाना जाता है। भगवान बुद्ध ज्ञान प्राप्ति के बाद उत्तर प्रदेश के सारनाथ चले गये जहां उन्होंने पहला उपदेश दिया। उसके बाद वे पुनः राजगीर आये और यहीं पास के गृद्धकूट पर्वत पर उपदेश देने लगे। इसके बाद वे वैशाली एवं अन्य जगहों पर गये। अंत में वे बहुत बीमार हो गये थे और उत्तर प्रदेश के कुशीनगर पहुंचे जहां उनका महापरिनिर्वाण हो गया। सीएम ने कहा कि हमने राजगीर में भगवान बुद्ध से जुड़े सभी स्थलों का विकास कराया है। वेणुवन, जहां भगवान बुद्ध रहते थे, पहले वहां की स्थिति ठीक नहीं थी। इसके क्षेत्र को बढ़ाया गया है और इसका सौंदर्यीकरण कराया गया है। गृद्धकूट पर्वत पर आने-जाने के लिए रास्ता को ठीक कराया गया है। घोड़ा कटोरा में पानी के बीच में भगवान बुद्ध की 50 फीट ऊंची प्रतिमा लगायी गयी है। इसके अलावा पटना में बुद्ध स्मृति पार्क एवं बुद्ध स्तूप का निर्माण कराया गया है। वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय का निर्माण अंतिम चरण में है। बचपन से ही यहां आते रहे हैं उन्होंने कहा कि राजगीर से हमारा पुराना रिश्ता है। हम बचपन से ही यहां आते रहे हैं।

पैक्सों से हटाए गए एक लाख से अधिक सदस्यों की सदस्यता बहाल

केटी न्यूज/पटना

बिहार में पैक्सों से हटाए गए एक लाख से अधिक सदस्यों के मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हटाए गए सभी सदस्यों को फिर से बहाल करने का निर्देश राज्य सरकार को दिया। बिहार में अगले महीने होने वाले पैक्स चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला काफी अहम माना जा रहा है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के उस आदेश को पलट दिया जिसमें पैक्सों की सदस्यता से संबंधित नियम 7 (4) को असंवैधानिक करार देते हुए इसे नियमावली से हटाने को कहा था। शीर्ष अदालत के इस फैसले के बाद पैक्सों से हटाए गए एक लाख से अधिक सदस्यों की सदस्यता बहाल होने के बाद उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया जाएगा। कोर्ट के आदेश पर सहकारिता विभाग ने सभी सहायक निबंधक और जिला सहकारिता पदाधिकारी को आदेश जारी किया है। विभाग ने कहा है कि हाई कोर्ट के फैसले के बाद हटाए गए सदस्यों की सदस्यता को बहाल करें। सदस्यता बहाल किए जाने के बाद उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराया जाए।

नगर थाना क्षेत्र के राजेंद्र प्रसाद रोड स्थित कटिहार बोर्डिंग के पास से हुई कारवाई

कटिहार में 66 किलो चांदी के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/कटिहार

बिहार के कटिहार में धनतेरस और दिवाली से पहले पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने चांदी की बड़ी खेप के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त चांदी के जेवरातों का वजन 66 किलोग्राम से ज्यादा है। कटिहार में पुलिस ने लगभग 70 लाख रुपये की 67 किलोग्राम चांदी के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि यह चांदी धनतेरस से पहले बिना हॉलमार्क और बिना कागजात के जिले के बाजारों में खपत के लिए लाई गई थी।

एसडीपीओ अभिजीत सिंह ने बताया नगर थाना को सूचना मिली कि कटिहार बोर्डिंग होटल में चांदी के अवैध कारोबारी मौजूद हैं, वे इलीगल जेवरात के साथ आए हैं। इस सूचना के आधार पर एक विशेष टीम गठित की गई और वहां छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान शानू विश्वास, गौतम विश्वास, विजय विश्वास, और अजीत घोष को चांदी के जेवरात के साथ गिरफ्तार किया गया। उनके पास से कुल 66 किलोग्राम 194 ग्राम चांदी बरामद हुई। उन्होंने कहा कि यदि आज के बाजार भाव के अनुसार इसे शुद्ध माना जाए, तो इसकी अनुमानित कीमत 60 से 70 लाख रुपये के बीच है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के पास कोई वैध कागजात नहीं थे, जिससे पता चलता हो कि यह चांदी कहां से आई है या इसे कहा ले जाया जा रहा था। यह चांदी अवैध तरीके से लायी गई थी और धनतेरस के अवसर पर स्थानीय खुदरा व्यापारियों को बेचने की योजना बनाई गई थी। पुलिस चांदी बरामद कर इसकी सूचना आयकर और जीएसटी विभाग को दी है। चारों आरोपी पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के निवासी हैं, और इनमें से एक के बारे में जानकारी मिली है कि वह पहले भी इसी प्रकार के मामले में जेल जा चुका है। एसडीपीओ ने कहा कि पुलिस अब इस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। आरोपियों ने चार-पांच वर्षों से अवैध कारोबार में संलिप्त रहने की बात स्वीकार की है। जांच के दौरान, पुलिस नदिया जाकर वहां की स्थिति का भी अध्ययन करेगी। जैसे-जैसे अनुसंधान आगे बढ़ेगा, और नई जानकारी सामने आएगी, पुलिस उसे साझा करेगी। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस ने इस प्रकार के अवैध कारोबार पर नकेल कसने का संकल्प लिया है। इस मामले में आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। इस संदर्भ में आयकर व जीएसटी विभाग को भी सूचित कर दिया गया है।

गिरफ्तार चारों युवक पश्चिम बंगाल के रहने वाले

कटिहार एसडीपीओ अभिजीत सिंह ने प्रेस वार्ता कर मामले का खुलासा करते हुए बताया कि नगर थाना क्षेत्र के राजेंद्र प्रसाद रोड स्थित कटिहार बोर्डिंग के पास से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 7 बैग में चांदी आभूषण की बड़ी खेप बरामद हुई है, जिसे पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस ने धनतेरस से पहले भारी मात्रा में अवैध चांदी के साथ 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के रहने वाले है। बताया जा रहा है कि आरोपी धनतेरस से पहले इस चांदी को बाजार में खपाना चाहते थे.गिरफ्तार तस्करों के पास से 66.1945 किलोग्राम चांदी के जेवरात बरामद हुआ है। सदर डीएसपी ने इस उपलब्धि के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि, चांदी के इस खेप का अनुमानित मूल्य लगभग 60 से 70 लाख है और इससे जुड़ा हुआ कोई वैध कागज इन लोगो के पास नहीं मिला है। गिरफ्तार सभी लोग पश्चिम बंगाल के नदीया जिला से हैं। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

सौतेली मां से तंग महिला ने सहरसा एसपी कार्यालय में खाया जहर

केटी न्यूज/पटना

सहरसा में एक महिला ने एसपी कार्यालय पहुंचकर जहर खा लिया। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को इस बात की जानकारी मिलते ही एसपी कार्यालय में हड़कंप मच गया। आननफानन में पुलिसकर्मियों ने उस महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। मामला सदर थाना क्षेत्र के सोनबरसा कचहरी ओपी क्षेत्र के विशनपुर की है। महिला की पहचान विजय ठाकुर की पत्नी सिंकी नाई (35) के रूप में की गई है।

सौतेली सास बेच रही सारी संपति: पीड़िता का कहना है कि उसकी तीन बेटी और एक बेटा है। इसलिए परिवार को जिंदा रखने के लिए, उसके पति पटना में मजदूरी करते हैं और वह गांव में ही दुकान चला कर अपना और परिवार का जीवन यापन करती है। उसकी सौतेली सास सारा संपति बेच रही है। कुछ दिनों से गांव के ही विजय यादव और अन्य उस दुकान हटाने के लिए बोल रहे हैं। आज सुबह विजय यादव और अन्य लोग उसके साथ मारपीट भी किये। इसको लेकर उसने गांव के मुखिया सहित अन्य जन प्रतिनिधियों से भी गुहार लगाई लेकिन किसी ने उसकी नहीं सुनी।

साहब नहीं सुनते हैं मेरी फरियाद: हर जगह से निराश होने के बाद महिला सिंकी नाई सोनबरसा कचहरी ओपी पहुंची, लेकिन वहां भी किसी ने उसकी गुहार को नहीं सुना। पीड़िता ने आरोप लगाते हुए कहा कि चौकीदार अरुण पासवान आवेदन को रफा दफा कर देता है। थानाध्यक्ष भी नहीं सुनते। महिला ने कहा कि वह कई बार थाना गई लेकिन वहां के साहब नहीं सुनते हैं मेरी फरियाद।

पुलिसिया सिस्टम की हो रही किरकिरी: महिला ने आरोप लगाते हुए कहा कि थाना और ग्रामीणों से तंग होकर वह एसपी कार्यालय पहुंची, लेकिन वहां भी बात नहीं बनी। उसका कहना है कि एसपी कार्यालय एक -दो बार नहीं कई बार आई, लेकिन परिणाम शुन्य ही रहा। आज भी बुलाया गया था, लेकिन अब लड़ने की हिम्मत बाकी नहीं रही। इसलिए सिस्टम से तंग आकर महिला ने एसपी से मिलने से पूर्व बाहर ही साथ लाए एक बोतल से जहर पी लिया। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। डॉक्टर का कहना है कि उसकी स्थिति अभी गंभीर है। फिलहाल इस घटना से पुलिसिया सिस्टम की काफी किरकिरी हो रही है। महिला के जहर खाने के बाद सहरसा पुलिस और पुलिसिया सिस्टम की काफी किरकिरी हो रही है। इस संबंध में अब एसडीपीओ का बयान सामने आया है, जिसमें उनकी दलील पर भी सवाल उठने लगे हैं। पुलिस की साख बचाने के लिए एसडीपीओ आलोक कुमार यह कह रहे हैं कि पारिवारिक विवाद में एसपी कार्यालय के बाहर कोई सीटीसी नाम का जहर पीने की बात सामने आ रही है। एसडीपीओ आलोक कुमार का कहना है कि महिला न तो सीधे एसपी कार्यालय आईऔर न ही कभी सोनबरसा कचहरी थाना गई।

एक नजर

खाद-बीज दुकानदार को गोली मारने व अपराधी की पीटकर हत्या मामले में चार गिरफ्तार

गोपालगंज। गोपालगंज जिले में खाद बीज दुकानदार पवन कुमार सिंह पर हुए हमले और प्रतिशोध में अपराधी अभिषेक कुमार की पीट-पीट कर हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने एक देशी कट्टा, एक पिस्तौल और सात जिंदा कारतूस सहित चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि जमीन के कारोबार को लेकर पवन कुमार, अभिषेक कुमार और मनोरंजन उर्फ गड्डासी के बीच पुराना विवाद चल रहा था। इसी विवाद के कारण पवन कुमार की हत्या की योजना बनाई गई थी। हालांकि, मनोरंजन को पहले ही एक अन्य मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। जानकारी के मुताबिक, 21 अक्टूबर को अभिषेक ने अपने साथी अरुण कुमार और मनु के साथ पवन कुमार पर हमला किया। गोली मारने के बाद, जब अभिषेक भागने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान दुकानदारों ने उसे पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। फिलहाल पवन कुमार का इलाज पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में चल रहा है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। गोपालगंज के एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि यह घटना 21 अक्टूबर की है, जब थावे थानाक्षेत्र के जगदीशपुर में अपराधी अभिषेक कुमार ने पवन कुमार सिंह पर गोली चलाई थी। इस हमले के बाद नाराज दुकानदारों और ग्रामीणों ने अभिषेक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अरुण कुमार राय, मनु कुमार मांझी, प्रियांशु, और निपु कुमार शामिल हैं।

बिजली के शॉर्ट सर्किट से तीन घर जलकर राख

वैशाली। वैशाली जिले के जंदाहा थानाक्षेत्र के पीरापुर गांव में देर रात बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग में तीन घर जलकर खाक हो गए। आग की लपटों ने त्रिलोकी पासवान, जालिम पासवान और उदय पासवान के घरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे घरों में रखा सारा सामान राख में तब्दील हो गया। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट से बिजली के पोल से निकली चिंगारी ने सबसे पहले त्रिलोकी पासवान के घर में आग पकड़ ली, जो तेजी से फैलकर आस-पास के घरों तक पहुंच गई।

अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ पहुंचे स्कूल, खोजने लगे एमडीएम में अंडा

केटी न्यूज/जमुई

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ जमुई के सिमुलतला आवासीय विद्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने स्कूल का निरीक्षण किया। पटना से सड़क मार्ग से अपर मुख्य सचिव जमुई पहुंचे थे। इस दौरान अचानक झाझा के प्राथमिक विद्यालय औरैया एस स्कूल का निरीक्षण करने पहुंच गये। झाझा के औरैया स्थित एस स्कूल प्राथमिक विद्यालय में पहुंचने के बाद उन्होंने क्लास रूम में पहुंचकर बच्चों से बातचीत की। वहां मौजूद शिक्षकों से उन्होंने पूछा कि एक बच्चे ने अपना नोटबुक नहीं निकाला है। क्या यहां ऐसे पढ़ाई होती है। उन्होंने पूछा कि किस क्लास के बच्चे हैं? तब टीचर ने बताया कि 5वीं कक्षा से लेकर 7वीं कक्षा के छात्र हैं। उन्होंने फिर पूछा कि क्या ये लोग एक ही क्लास रूम में पढ़ते हैं? तब टीचर ने कहा कि सर अभी अपग्रेड हुआ है जमीन विवाद के कारण स्कूल भवन नहीं बन पाया है। जिसके बाद अपर मुख्य सचिव ने बच्चों को दिये जाने वाले मिड डे मील का जायजा लिया। स्कूल के मीनू के अनुसार शुक्रवार को पुलाव,लाल चना का छोला और अंडा बच्चों को दिया जाता है। लेकिन आज अंडा गायब था। तब एस सिद्धार्थ ने पूछा कि ई पुलाव है क्या? मेनू में तो अंडा लिखा हुआ है। अंडा कहां गया, वहां मौजूद टीचर ने कहा कि दिवाली को लेकर बहुत सारे बच्चे अंडा नहीं खाते हैं इसलिए नहीं दिया गया है।

अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार दंपति को रौंदा, पति की मौत

बेगूसराय। बेगूसराय में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दंपति को रौंद डाला, जिससे दोनों पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान पति की मौत हो गई जबकि मृतक की पत्नी गंभीर रूप से घायल है। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के जीरो माइल स्थित एनएच-31 की है। मृतक की पहचान सहरसा जिला अंतर्गत सदर थाना क्षेत्र के हकपाड़ा गांव के वार्ड- 6 निवासी उपेंद्र साह के करीब 39 वर्षीय पुत्र गांगों साह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दंपति गंगा स्नान करने जा रहे थे, तभी साहेब पुरकमाल के जीरो माइल पहुंचते ही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है।

जॉर्जिया में आयोजित वुशू चैंपियनशिप में भारत सहित नौ देशों के खिलाड़ियों ने लिया था हिस्सा

मुजफ्फरपुर में अंतरराष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी अपराजिता का हुआ जोरदार स्वागत, जीती थी हर विधा में पदक

◆ जॉर्जिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वुश प्रतियोगिता में बिहार के साथ देश का भी बढ़ाया है मान

केटी न्यूज/ मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले की बेटी और वुशू खिलाड़ी अपराजिता मिश्रा ने देश का गौरव बढ़ाते हुए जॉर्जिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर एक नया इतिहास रच दिया। शुक्रवार शाम जब अपराजिता अपने गृह नगर मुजफ्फरपुर लौटीं, तो रेलवे स्टेशन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों और जोरदार नारों के बीच बड़ी संख्या में लोगों ने माला पहनाकर और पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। इस स्वागत से अभिभूत अपराजिता ने भावुक होकर कहा कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। अंतराष्ट्रीय मंच पर बिहार की बेटी ने परचम लहराया था। जानकारी के मुताबिक, 17 से 23 अक्टूबर तक जॉर्जिया में आयोजित वुशू चैंपियनशिप में भारत सहित नौ देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की अपराजिता ने प्रतियोगिता में तीन पदक (एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य) जीतकर अपने प्रदेश और देश का मान बढ़ाया। खेलों में उनका यह उत्कृष्ट प्रदर्शन उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है, जिसने बिहार को गर्व का अवसर दिया है। जब अपराजिता मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचीं, तो वहां पहले से ही लोग उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में जुटे थे। ढोल-नगाड़ों की धुन पर उनके स्वागत में लोग नाच रहे थे और उनकी झलक पाने के लिए उत्साहित थे। स्थानीय लोग, खेल प्रेमी, वुशु संघ के खिलाड़ी और अधिकारीगण अपराजिता को बधाई देने के लिए वहां मौजूद थे। अपने स्वागत से अभिभूत अपराजिता ने इस प्यार और सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह स्वागत मुझे अपनी मेहनत और सपनों को और ऊंचाई पर ले जाने की प्रेरणा देता है।

जिलाधिकारी ने की लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के 15 मामलों की सुनवाई

केटी न्यूज/बक्सर

शुक्रवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम 2015 के तहत समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में द्वितीय अपील की शिकायतों की सुनवाई की एवं उसका निवारण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा लोक शिकायत से संबंधित कुल 15 मामलों की सुनवाई की गई। जिनमें चार मामलों का निष्पादन किया गया।

- लोक शिकायत के मामलों का त्वरित निष्पादन करने का अधिकारियों को दिया निर्देश
- लोक प्राधिकारों को तत्परता प्रदर्शित करनी होगी : डीएम

सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने लोक प्राधिकार को बताया कि लोक शिकायतों का ससमय तथा गुणवत्तापूर्ण निवारण करना अतिआवश्यक है। डीएम ने कहा कि लोक प्राधिकारों को तत्परता प्रदर्शित करनी होगी। उन्होंने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील एवं सक्रिय रहे। सुनवाई के क्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रखंड विकास पदाधिकारी चौसा, राजपुर, चौगाई, अंचलाधिकारी राजपुर, डुमरांव, ब्रह्मपुर, नावानगर एवं थानाध्यक्ष ब्रह्मपुर उपस्थित थे।

डीएम ने सभी अधिकारियों को लोक शिकायत निवारण से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया।

आज डुमरांव में आयोजित होगा डीएम का जनता दरबार

शनिवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल द्वारा डुमरांव प्रखंड कार्यालय परिसर में जनता दरबार को आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी का यह जनता दरबार सुबह 11 बजे से शुरू हो जाएगा। जिसके लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जनता दरबार में जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के अलावे, अपर समाहर्ता कुमारी अनुपमा, उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल, जिले के वरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी व कर्मी मौजूद रहेंगे। डीएम के जनता दरबार कार्यक्रम में डुमरांव प्रखंड के आम लोग अपनी समस्या जिलाधिकारी एवं वहां उपस्थित अन्य पदाधिकारियों के समक्ष रख सकते है, जिसका त्वरित निष्पादन किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का निराकरण करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। डीएम ने कहा कि यदि प्रथम अपील की सुनवाई से ही शिकायतकर्ता संतुष्ट हो जाएंगे तो उन्हें द्वितीय अपील में जाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोशिश करें कि प्रथम अपील की सुनवाई से ही परिवादी संतुष्ट हो जाए। उन्होंने कहा कि आम जनता को अधिकारियों को काफी उम्मीद रहती है। हमें लोगों के उम्मीदों पर खरा उतरना होगा।

जनता दरबार को सफल बनाने की कवायद में जुटे थे प्रखंड कर्मी : डीएम के जनता दरबार को ले डुमरांव प्रखंड कार्यालय के कर्मियों की कवायदें तेज हो गई है। शुक्रवार को पूरे दिन कर्मी इस जनता दरबार को सफल बनाने की कवायद में जुटे थे। खुद बीडीओ संदीप कुमार पांडेय इसकी मॉनिटरिंग कर रहे थे। वही दूसरी तरफ इसकी सूचना भी पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से दी गई है, ताकी अधिक से अधिक लोग जनता दरबार में आ डीएम के समक्ष फरियाद लगा सकें। डीएम के जनता दरबार के आयोजन की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में खुशी व्याप्त है। माना जा रहा है कि बड़ी संख्या में लोग इस जनता दरबार में अपनी फरियाद डीएम के समक्ष रखेंगे।

खबरें फटाफट

जनता दरबार में 25 मामलों की हुई सुनवाई

बक्सर। डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर शुक्रवार को उप विकास आयुक्त डॉ. महेंद्र पाल के द्वारा आम जनता से मुलाकात के क्रम में कुल 25 आवेदनों पर समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में सुनवाई की गई। उन्होंने बारी बारी से सभी फरियादियों से उनकी समस्याओं को सुना तथा त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को उनके आवेदनों सौंप एक सप्ताह में उसका निष्पादन करने को कहा। डीडीसी ने अधिकारियों को जनता की समस्याओं का ससमय निष्पादन करने को कहा।

31 लोगों ने दी दवा आपत्ति के लिए आवेदन

केसठ। पैक्स चुनाव को लेकर प्रखड में सरगर्मी बढ़ गयी है। चुनाव को लेकर कई स्तरों पर कार्य जारी है। वोटर लिस्ट के प्रारूप में गड़बड़ियों को लेकर दावा-आपत्ति लिये जा रहे हैं। प्रखंड के कतिकनार के 31 लोगों ने दावा-आपत्ति दर्ज कराया था। दवा-आपत्ति की अवधि 22 अक्तूबर को समाप्त हो गई थी। तीन दिनों में दावा-आपत्तियों में सुधार कर शुक्रवार को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया इस संबंध में जानकारी देते है निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने बताया कि 31 लोगों के द्वारा दवा आपत्ति जताई गई थी। जिसे जांच कर वोटर लिस्ट का अंतिम प्रारूप जारी कर दिया गया। साफ सुथरा और निर्भीक चुनाव हो इसको लेकर प्रखंड प्रशासन सक्रिय रूप से काम कर रही है।

चौसा में दीदी अधिकार केंद्र का हुआ उद्घाटन, जीविका दीदियों को कार्य करने में मिलेगी सुविधा

बक्सर जिले में सामाजिक परिवर्तन की अग्रदूत बनेंगी जीविका दीदियां: डीएम

केटी न्यूज/चौसा

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की उपस्थिति में बक्सर जिला का पहला दीदी अधिकार केंद्र का उद्घाटन चौसा में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उद्घाटन के बाद एसजीएसवाई के भवन को संस्कार सीएलएफ के संचालन के लिए भवन को जीविका दीदियों को हस्तांतरण किया गया। डीएम ने कहा कि जीविका दीदियां अब सामाजिक परिवर्तन की अग्रदूत बनेंगी। उन्होंने कहा कि दीदी अधिकार केन्द्र से जीविका दीदियों को बड़ी सहूलियत मिलेगी। इससे उन्हें कार्य करने के लिए एक जगह मिल गया है, जहां उन्हें सभी मुलभूत सुविधाएं मिलेंगी।

इस मौके पर जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा बताया गया कि यह चौसा की जीविका दीदियों के लिए अपनी सामाजिक लड़ाई को मजबूत करने का सबसे बड़ा उपहार है। साथ ही बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य लिंग आधारित हिंसा को रोकने तथा लैंगिक समानता को बढ़ावा देने हेतु ग्रामीण महिलाओं के लिए उनके आवाज को बुलंद करने तथा विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें अधिकारों तक पहुंच दिलवाना तथा उन्हें उचित परामर्श देना हैं। साथ हीं विभिन्न सहायक सेवा प्रदान करने वाले संस्थाओं जैसे महिला थाना, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण केंद्र एवं सखी वन स्टॉप सेंटर इत्यादि विभागों के साथ समन्वय करके महिलाओं को लाभ दिलाना है। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल, बक्सर एसडीएम धीरेन्द्र कुमार मिश्र, डीपीएम जीविका, आईबीसीबी, समाजिक प्रबंधक, क्षेत्रीय समन्वय एवं जीविका दीदी और जीविका कर्मी उपस्थित थे।

- उभवन के होने से जीविका दीदियों को मिलेगी सुविधाएं

रोजगार सह मार्गदर्शन मेला में छह को दिया गया नियुक्ति पत्र : दीदी अधिकार केन्द्र के उद्घाटन के बाद जीविका दीदियों के सहयोग से रोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया। जिसमें छह युवाओं को डीएम ने अपने हाथों नियोजन पत्र दिया। उन्होंने कहा कि इस जीविका स्किल के तहत रोजगार सह मार्गदर्शन मेले में कई ख्याति प्राप्त राष्ट्रीय और बहु राष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज कराई गई है। उम्मीद यही है की चौसा प्रखंड के होनहार छात्र व युवा-युवतियां है। उन्हें अधिक से अधिक संख्या में अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त हो ताकि जीवन में वे आगे बढ़े और अपनी परिवार को भी आगे बढ़ाए।

इस रोजगार मेले में बिहार एवं अन्य राज्यों के विभिन्न कंपनियों द्वारा सुरक्षा गार्ड, स्विंग मशीन ऑपरेटर, तकनीकी सहायक, सेल्स मेन, सुरक्षा गार्ड, मशीन ऑपरेटर, टेक्सटाइल एक्सपर्ट, डिलीवरी बॉय, हेल्थ केयर, जीडीए, एएनएम इत्यादि पदों के लिए कुल 12 काउंटर बनाया गया था। जिसमे क्षेत्र के विभिन्न जगहों से आये 460 लोगो ने रजिस्ट्रेशन हेतु आवेदन जमा किये गए। इस मेले में 186 युवाओं और युवतियों का चयन किया गया है। मेले में ही डीएम द्वारा छह युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दिया गया। इस कार्यक्रम में डीडीसी, सदर एसडीओ, प्रखंड प्रमुख, नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि डा. मनोज यादव, डीपीएम चन्दन कुमार सुमन, रोजगार प्रबन्धक मुरली नाथ पांडेय, बीपीएम शोभना गुप्ता के अलावे प्रखंड के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मत्स्य व्यवसाय से जुड़े लोगों को कैंप लगा दिया गया क्रेडिट कार्ड

- मछुआरों तथा मत्स्य विभाग से जुड़े लोगों को लोन उपलब्ध कराएगा विभाग

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मत्स्य कार्यालय बक्सर के द्वारा मत्स्य व्यवसाय से जुडे व्यक्तियों एवं मछुआरों के लिए शुक्रवार को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) कैम्प लगाया गया। साथ ही मत्स्य व्यवसाय से जुडे. व्यक्तियों के नेशनल फिसिंग डिजीटल प्लेटफॉर्म (एनएफडीसी) पर रजिस्ट्रेशन कराया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला मत्स्य पदाधिकारी ने बताया कि मत्स्य विभाग की योजनाओं का लाभ लेने के लिए मछुआरों तथा मत्स्य व्यवसाय से जुड़े लोगों को एनएफडीपी

पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है एवं किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से जुडे. मत्स्य कृषकों एवं व्यवसायी को सुदृढ़ करने तथा उन्हें व्यवसाय के आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए लोन दिया जा रहा है। कैंप में कुल 32 किसान क्रेडिट कार्ड आवेदन प्राप्त हुए है एवं कुल 17 व्यक्तियों का एनएफडीपी पर रजिस्ट्रेशन कराया गया।

एक नजर

डीबीजीबी एसोसिएशन की आम सभा में कार्यकारिणी का हुआ गठन

बक्सर। गुरुवार को दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन अरेबिया के भभुआ इकाई की आम सभा आयोजित की गई। बता दें कि अरेबिया के देश भर में ग्रामीण बैंकों का सबसे बड़ा संगठन है एवं हमारे संघर्ष और प्रयासों के फलस्वरूप ही ग्रामीण बैंक में पेंशन, अनुकंपा नियुक्ति, कंप्यूटर इंक्रीमेंट, स्केल पांच में प्रोन्नति आदि सुविधाएं ग्रामीण बैंक कर्मियों को प्राप्त हुई है। संगठन के शीर्ष नेतृत्वकताओं द्वारा संगठन के क्रियाकलापों एवं रणनीतियों पर कार्यक्रम में प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि संगठन के प्रयास से ही हम सभी साथियों को पेट्रोल भत्ता की सुविधा भी मिली है। इकाई की आम सभा में गुरूवार को भभुआ इकाई के प्रतिनिधियों का चयन भी सर्वसम्मति से किया गया। क्षेत्रीय सचिव आदित्य प्रकाश, क्षेत्रिय अध्यक्ष आनंद घनश्याम एवं कोषाध्यक्ष मिंटू कुमार को चुना गया। बक्सर जिला हेतु सचिव कुणाल कुमार सिंह, अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह एवं जिला उपाध्यक्ष मयंक शुक्ला, भभुआ जिला हेतु अध्यक्ष अमन कुमार, सचिव अमित कुमार को चुना गया. इकाई संरक्षक आशुतोष कुमार, संगठन सचिव मोहम्मद आसिफ, संयुक्त सचिव अंकित कुमार, उपाध्यक्ष मुकेश मीना और उपसचिव का अनिकेत कुमार को दायित्व दिया गया। अन्य सक्रिय सदस्यों को संगठन के कार्यकारिणी में शामिल किया गया। सभा में संगठन के महासचिव रणवीर आनंद, उप महासचिव दीपक कुमार सिंह, संगठन के कोषाध्यक्ष बबन सिंह, वरीय सदस्य इंदु भूषण ओझा, जय शंकर चौबे तथा अन्य सेवानिवृत तथा अरेबिया से जुड़े कर्मचारी साथी सहित लगभग एक सौ से अधिक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन संगठन के संरक्षक एवं अभिभावक इंदु भूषण ओझा के देख रेख में संपन्न हुआ। सभी ने मिलकर नये नेतृत्व को बधाई व शुभकामनाएं दी है।

वीर कुंवर सिंह सेतु पर शराब लदी मिनी पिकअप जब्त, 302.40 लीटर शराब बरामद

बक्सर। उत्पाद विभाग की टीम ने वीर कुंवर सिंह सेतु पर वाहन चेकिंग अभियान के दौरान शराब से लदी एक मिनी पिकअप वैन को जब्त किया है। हालांकि, शराब तस्कर मौके का फायदा उठा भागने में सफल रहे है। उत्पाद विभाग की टीम ने जब उक्त वाहन की तलाशी ली तो उसमें 35 पेटी में कुल 302.40 लीटर अंग्रेजी शराब मिली। इसके बाद उत्पाद विभाग की टीम ने उक्त पिकअप को जब्त कर लिया। बरामद शराब की कीमत लाखों रूपए बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को उत्पाद विभाग की टीम वीर कुंवर सिंह सेतु पर वाहन जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान बलिया की तरफ से एक टाटा कंपनी की एक मिनी पिकअप वैन आती दिखाई दी, लेकिन पिकअप में सवार चालक पुलिस टीम को देख कुछ दूर पहले ही वाहन रोक फरार हो गया। शक के आधार पर जब उत्पाद विभाग की टीम ने उसकी तलाशी ली तो उसमें शराब की पेटियां भरी मिली। उत्पाद विभाग की टीम वाहन नंबर के आधार पर तस्कर की पड़ताल में जुट गई है। गौरतलब हो कि वीर कुंवर सिंह सेतु पर आए दिन शराब की खेप बरामद हो रही है।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में उमड़े कार्यकर्ता

डुमरांव। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा का रामनगर जाने के दौरान भोजपुर कोठी के पास कार्यकताओं ने जमकर स्वागत किया। इस दौरान कुछ देर तक रूक प्रदेश अध्यक्ष ने उनके स्वागत को स्वीकार करते हुए खुशी जाहिर की। फिर उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी की मजबूति के लिए आपके साथ की हमें बेहद जरूरी है। मेरा हर कदम आपके साथ बढ़ेगा और पार्टी को मजबूत करेगा। अगले साल होने वाले विधान सभा के चुनाव एनडीए की सरकार ही बनेगी। उनको अभिनंदन करने के लिए पहुंच कार्यकताओं में आदिवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष नथुनी प्रसाद खरवार, प्रखंड अध्यक्ष अजय चंद्र लोदी, नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, विशोका चंद्र, मिथलेश कुमार, सत्यनारायण ठाकुर, सुग्रीव राम, महेन्द्र राम, विमलेश सिंह, वीरेन्द्र कुशवाहा, महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष प्रीति पटेल, आशा देवी, लक्ष्मण चौधरी, कुलदीप, रविराज, राघवेन्द्र, काजी अशफाक सहित अन्य कार्यकर्ता व नेता शामिल थे।

चलती ट्रेन से यात्री का मोबाइल चुरा कर भागता चोर गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

आरपीएफ द्वारा ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार के दिशा निर्देशन में उप निरीक्षक दिनेश चौधरी एवं आरक्षी संजीत कुमार सिंह, धनंजय कुमार आदि द्वारा रात्रि स्टेशन गस्त के दौरान चलती गाड़ी से एक व्यक्ति को उतरते हुए संदिग्ध रूप से पकड़ा गया। जिससे पूछताछ किया गया तो अपना नाम पिंटू कुमार ग्राम गज बाजार, थाना बहिया निवासी बताया। उसके पास से एक महंगा स्क्रीन टच मोबाइल फोन बरामद हुआ।

पूछताछ करने पर बताया कि उक्त मोबाइल फोन गाड़ी संख्या 15483अप में एक सोए हुए यात्री का चोरी कर लिया है और बक्सर स्टेशन पर उतर गया है। जिसके विरुद्ध नियमानुसार उचित कार्रवाई करते हुए अग्रिम कार्रवाई के लिए जीआरपी बक्सर को सुपुर्द किया गया।

चौगाई के प्रथम वर्गीय पशु अस्पताल तक जल्द से जल्द कराएं पहुंच पथ का निर्माण: जिलाधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने शुक्रवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला पशुपालन कार्यालय का निरीक्षण एवं संचालित योजनाओं की समीक्षा किया।

जिला पशुपालन पदाधिकारी को जिला अंतर्गत प्रथम वर्गीय चिकित्सालय की जांच एवं भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी के कार्यों का अनुश्रवण करने के लिए पूर्व में निर्देशित किया गया था, लेकिन इसका कार्यवाही प्रतिवेदन अब तक जिला पशुपालन पदाधिकारी ने डीएम को नहीं दिया है। साथ ही पशुपालन विभाग द्वारा आम जनों के लिए चलाए जा रहे योजनाओं का प्रचार प्रसार में भी रुचि नहीं लिया जा रहा है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने इस पर नाराजगी जताई तथा अविलंब कार्यवाही प्रतिवेदन देने तथा पशुपालन विभाग की योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। प्रखंड चौगाई में 85 लाख रूपए की लागत से निर्मित प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय तक पहुंच पथ नहीं बनने के कारण पशु चिकित्सालय आम जनों के लिए अनुपयोगी साबित हो रही है। साथ ही यह सरकारी राशि के दुरूपयोग को भी परिलक्षित हो रहा है। डीएम ने जिला पशुपालन पदाधिकारी को पहुंच पथ निर्माण के लिए शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान डीएम ने पाया कि पशुपालन वैन के द्वारा पशुओं के उपचार से संबंधित अब तक कोई कार्य योजना तैयार नहीं की गई है। जो जिला पशुपालन पदाधिकारी की उदासीनता, लापरवाही एवं अकर्मण्यता को प्रदर्शित करता है। एकीकृत कृषि पद्धति की योजना 2023-24 अब तक पूर्ण नहीं हो पाया है। डीएम ने इस पर जिला पशु पालन पदाधिकारी को फटकार लगाई।

डीएम के आदेश का नहीं हुआ है अनुपालन : पूर्व में जिला पशुपालन पदाधिकारी को समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना तथा समेकित मुर्गी विकास योजना में विगत वर्ष की पांच योजनाओं का स्थल निरीक्षण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था, लेकिन अब तक अनुपालन नहीं किया गया है।

पुरानी पेंशन बहाली, निजीकरण, निगमीकरण, आऊटसोर्सिंग व ठेकेदारी प्रथा के मुद्दे पर तेज होगा संघर्ष

ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाईज यूनियन की शाखा का हुआ गठन

- सभी विभागों के कर्मचारियों का फूल मालाओं से स्वागत किया

केटी न्यूज/बक्सर

शुक्रवार को ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाईज यूनियन संबद्ध आईआरईएफ के बैनर तले एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बतौर पर्यवेक्षक एसके शर्मा उपस्थित थे। जिनकी अध्यक्षता में बैठक हुई। इस बैठक में बक्सर शाखा का गठन किया गया।

इस बैठक में मुख्य अतिथि ईसीआरईयू के जोनल अध्यक्ष संतोष पासवान ने भाग लिया। ट्रैकमैन सहित सभी विभागों के कर्मचारियों ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में रेलवे कर्मचारियों की स्थिति बदतर हो गई है। रेलवे में निजीकरण, निगमीकरण, आऊटसोर्सिंग, ठेकेदारी प्रथा को दोनों मान्यता प्राप्त यूनियन के रिटायर्ड नेता लागू करने पर तुले हुए है। ये लोग रेल बेचने वाले कायाकल्प कमिटी में शामिल होकर मलाई खा रहे हैं। इन लोगों ने एनपीएस के साथ न केवल यूपीएस लाया बल्कि इसके लिए उन्होंने विजय जूलुस निकाला और मिठाई भी बांटे। इससे कर्मचारियों में बहुत आक्रोश है।

कर्मचारियों ने कहा कि इस बार रिटायर्ड नेताओं को मान्यता चुनाव में सबक सिखाया जाएगा और ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाईज यूनियन जिसमें रिटायर्ड नेता यूनियन के प्रमुख पदों पर नहीं है। उसको ही भारी मतों से विजयी बनाएंगे। क्योंकि यही यूनियन वास्तव में कर्मचारियों के विभिन्न मांगों से लेकर पुरानी पेंशन बहाली, निजीकरण, निगमीकरण, आऊटसोर्सिंग व ठेकेदारी प्रथा आदि तमाम सवालों पर सड़क लेकर संसद तक आवाज उठाने का काम करती है।

इस अवसर पर बक्सर शाखा का गठन किया गया। जिसमें नारायण राम को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावे कार्यकारी अध्यक्ष गिरिजेश यादव व दीपक कुमार गुप्ता को, उपाध्यक्ष राजकुमार को सचिव मनोज कुमार त्रिपाठी, संयुक्त सचिव अमरनाथ प्रसाद, सहायक सचिव संदीप सिंह, अरविंद कुमार, रणवीर कुमार, दीपक कुमार, संगठन सचिव श्रीराम, कोषाध्यक्ष शंभु शाह, नंदन कुमार, बीरबल यादव, विकास यादव, प्रकाश कुमार, श्याम सुंदर मंडल, अजय गोंड, राहुल कुमार, सोचन गोंड, अभय कुमार आदि को चुना गया। नये पदाधिकारियों व सदस्यों ने अपने हक की आवाज बुलंद करने तथा संघर्ष को तेज करने का निर्णय लिया। बैठक में कई अन्य कर्मी उपस्थित थे।

अपर समाहर्ता ने किया ब्रह्मपुर अंचल कार्यालय का निरीक्षण, अंचल अधिकारी को दिए निर्देश; कहा-

कार्यालय में आने के साथ जाने के समय भी कर्मी अनिवार्य रूप से बनाएं बायोमेट्रिक हाजरी

♦ सभी मामलों को ससमय निष्पादित कर जमाबंदी में सुधार कराना का दिया निर्देश

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को अंचल कार्यालय ब्रह्मपुर का औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ने पाया कि अंचल कर्मी बायोमेट्रिक सिस्टम से उपस्थिति दर्ज कर रहे है, लेकिन ऑनलाईन उपस्थिति का अवलोकन करने पर पाया गया कि कर्मियों द्वारा कार्यालय आगमन की प्रविष्टि तो की जाती है, परंतु कार्यालय छोड़ने की प्रविष्टि नहीं की जाती है। अंचलाधिकारी ब्रह्मपुर को निर्देश दिया गया कि बायोमेट्रिक सिस्टम में सुधार कराकर चेक आउट सिस्टम को लागू कराना सुनिश्चित करेंगे। अपर समाहर्ता ने परिर्माजन प्लस से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा की तथा अंचलाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी मामलों को ससमय निष्पादित कर जमाबंदी में सुधार कराना सुनिश्चित करेंगे।

वहीं, ई-मापी से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा के दौरान एडीएम ने पाया कि वित्तीय वर्ष 2018-19 में कुल 23 मामलें, वर्ष 2019-20 में कुल 10 मामलें, वर्ष 2020-21 में कुल 11 मामलें, वर्ष 2022-23 में कुल 19 मामलें एवं वर्ष 2023-24 में कुल 23 मामलें लंबित है। सभी लंबित मामलों को विशेष ध्यान देते हुए अंचलाधिकारी को शीध्र नियमानुसार कार्रवाई कर निराकरण करने का निर्देश दिया गया।

अभियान बसेरा-2 के सर्वेक्षित परिवारों को पर्चा देने का निर्देश : अभियान बसेरा-2 के निरीक्षण के दौरान एडीएम ने पाया कि कुल 336 सर्वेक्षित परिवारों के विरूद्ध कुल 43 परिवारों को ही पर्चा निर्गत किया गया है। उन्होंने इसे अंचल प्रशासन की लापरवाही मानी तथा सीओ को निर्देश दिया कि शेष सर्वेक्षित परिवारों को भी नियमानुसार जांचोपरांत भूमि का पर्चा शीघ्र निर्गत करें। उन्होंने कहा कि अभियान बसेरा-2 सरकार की अति महत्पवूर्ण योजना है, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अतिक्रमणवाद के लंबित मामलों पर लगाई फटकार : एडीएम ने निरीक्षण के दौरान बेदखली के संबंध में पूछने पर सीओ ने बताया कि इस अंचल में बेदखली के मामलें शून्य है। वही, अतिक्रमण वाद से संबंधित पंजी का अवलोकन करने पर एडीएम ने पाया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 12 मामलें, वर्ष 2022-23 में कुल 29 मामलें एवं वर्ष 2023-24 में कुल 11 मामलें लंबित है। उन्होंने इसे लापरवाही बताया तथा सीओ को फटकार लगाते हुए अतिक्रमणवाद के सभी लंबित मामलों में नियमानुसार कार्रवाई कर निष्पादन करने का निर्देश दिया।

लंबित मामलों का सात दिनों में करें निष्पादन

दाखिल-खारिज के मामलों के निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता को यह जानकारी मिली कि 75 दिनों से ज्यादा लंबित मामलें की संख्या 54 एवं 35 दिनों से ज्यादा लंबित मामलें की संख्या 47 है, जबकि जिला स्तरीय बैठकों में दाखिल खारिज के लंबित मामलों को विशेष रूचि लेते हुए मामलों का त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया जा चुका है। एडीएम ने कहा कि ऐसी लापरवाही नहीं चलेगी। उन्होंने अंचलाधिकारी को निर्देश दिया कि लंबित आवेदनों का निष्पादन एक सप्ताह में करते हुए अनुपालन प्रतिवेदित करेंगे। एडीएम के निरीक्षण के दौरान अंचल कर्मियों की मुश्किलें बढ़ी रही। बता दें कि अभियान बसेरा-2 तथा दाखिल खारिज व परिमार्जन के मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए कई बार डीएम तथा अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा बार बार अंचल प्रशासन को निर्देश दिया जाता है। बावजूद कई अंचलों में अभी भी सरकार के महत्वपूर्ण इन योजनाओं के क्रियान्वयन की रफ्तार तेज नहीं हो सकी है। शुक्रवार को ब्रह्मपुर अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान खुद एडीएम कुमारी अनुपमा सिंह ने इसे देखा तथा सीओ से कार्य संस्कृति में सुधार लाने का निर्देश दिया।

डीएम के औचक निरीक्षण में गायब मिले एसएनसीयू में तैनात डॉक्टर, पूछा शो-कॉज

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने शुक्रवार को सदर अस्पताल बक्सर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, पैथोलॉजी, दवा वितरण काउंटर, कैटिन काउंटर एवं विशेष नवजात देखभाल इकाई का बारीकि से निरीक्षण किया। विशेष नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू) के निरीक्षण के क्रम में चिकित्सक डॉ. दीनानाथ सिंह अनुपस्थित पाये गये।

सिविल सर्जन से पूछने पर बताया गया कि डॉ. दीनानाथ सिंह का रोस्टर के अनुसार सुबह आठ बजे से अपराह्व दो बजे तक ड्यूटि है। उक्त चिकित्सक के अनुपस्थिति के संबंध में पूछने पर कोई स्पष्ट जानकारी प्राप्त नहीं हुआ। डीएम ने इसे बड़ी लापरवाही बताते हुए सीएस को निर्देश दिया कि उक्त चिकित्सक से शो-कॉज करते हुए उनके जबाव मिलने पर उसका प्रतिवेदन दें। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने ओपीडी में रोस्टर वाइज ससमय चिकित्सकों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराने का निर्देश भी सीएस को दिया। कैटिन के निरीक्षण में साफ-सफाई का अभाव पाया गया। प्रबंधक को पर्याप्त साफ-सफाई कराने एवं अस्पताल में ईलाजरत मरीजों तथा उनके परिजनों को गुणवत्ता पूर्ण भोजन व अल्पाहार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया और कहा कि इस मामले में उन्हें शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। डीएम ने कहा कि कैटिन की साफ सफाई तथा मरीजों व उनके परिजनों को ताजा व पौष्टिक नाश्ता तथा भोजन मिलना चाहिए।

डुमरांव में 29 नवंबर को होगा पैक्स चुनाव, 23046 वोटर करेंगे मतदान

♦ 12 पैक्स के लिए वोटिंग बैलेट पेपर के माध्यम से होगा

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय प्रखंड में 12 पंचायत में पैक्स चुनाव 29 नवंबर को होगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होने के बाद पैक्स चुनाव में 23046 मतदाता वोटिंग करेंगे। प्रखण्ड निर्वाचन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडे ने बताया कि कुल 56 मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़ा है। इस प्रकार अब कुल मतदाता की संख्या 23046 हो गई है। इससे पहले मतदाता सूची के प्रारूप में कुल मतदाताओं की संख्या 22990 था। उन्होंने बताया कि कसियां पंचायत पैक्स में 3, कुशलपुर पंचायत पैक्स में 5 नंदन पंचायत पैक्स में 6 एवं छतनवार पंचायत पैक्स में 42 लोगों का नाम इस बार वोटर लिस्ट में जुड़ा है। 12 पैक्स के लिए वोटिंग बैलेट पेपर के माध्यम से होगा।

रंगीन होगा बैलट पेपर का रंग

पैक्स चुनाव में बैलट पेपर अलग-अलग रंगों का होगा। इससे पैक्स चुनाव में मतगणना को आसान बनाने के लिए हर पद के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्रों (बैलेट पेपर) का इस्तेमाल किया जाएगा। अध्यक्ष पद के लिए लाल, पिछड़ा वर्ग (एनेक्सर-2) से प्रबंध समिति सदस्य के लिए हरा, अति पिछड़ा वर्ग (एनेक्सर-1) से प्रबंध समिति सदस्य के लिए सफेद, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से प्रबंध समिति सदस्य के लिए आसमानी और सामान्य वर्ग से प्रबंध समिति सदस्य के लिए नारंगी रंग के मतपत्र होंगे। बैलट पेपर रंगीन होने से मतदाताओं को भी वोटिंग में आसानी होगी।

10 पदों में से 5 पद महिलाओं के लिए आरक्षित : बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार ने निर्वाचन अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। प्राधिकार ने चुनाव की तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए हैं। पैक्स में कुल 11 पदों के लिए चुनाव होने हैं। जिसमें अध्यक्ष और सचिव पद अनारक्षित हैं। बाकी 10 पदों में से 5 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। वहीं, अध्यक्ष पद के लिए लाल रंग के मतपत्र पर अपनी पसंद के उम्मीदवार के नाम के सामने स्वास्तिक चिन्ह वाली मुहर लगानी होगी।

चुनाव को लेकर तैयारी युद्धस्तर पर संचालित:

बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने कहा कि पैक्स चुनाव को लेकर तैयारी जोरों पर है। विभिन्न पैक्स पर आए दावा-आपत्ति का भी लगभग निष्पादन किया जा चुका है। अंतिम वोटर लिस्ट का भी प्रकाशन कर दिया गया है। आगे का कार्य वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर किया जा रहा है। **- संदीप कुमार पांडेय, बीडीओ डुमरांव।**

महिला प्रत्याशियों को नाम के सामने लगाना होगा मुहर

आरक्षित वर्गों के लिए निर्धारित रंगों वाले मतपत्रों पर एक महिला उम्मीदवार के नाम के सामने मुहर लगाना अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए हरे रंग के मतपत्र पर पिछड़ा वर्ग (एनेक्सर-2) से एक महिला उम्मीदवार और बाकी उम्मीदवारों में से किसी एक (पुरुष या महिला) के सामने मुहर लगानी होगी। इसी तरह सफेद और आसमानी रंग के मतपत्रों पर भी एक महिला उम्मीदवार के साथ-साथ किसी एक अन्य उम्मीदवार को वोट देना होगा।

बिना लाइसेंस ही सजने लगीं पटाखों की दुकानें

केटी न्यूज/डुमरांव

दीपावली को लेकर पूर्व की तरह इस बार भी अनुमंडल प्रशासन अलर्ट है। सरकार ने पटाखा बिक्री के लिए लाइसेंस अनिवार्य किया है। क्षेत्र में पटाखा बिक्री के लिए पहले अस्थायी लाइसेंस लेना अनिवार्य है। बिना लाइसेंस पटाखा बिक्री करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई का प्रावधान है। शहर में पटाखों के अवैध भंडारण पर कार्रवाई को लेकर पुलिस व अनुमंडल प्रशासन गंभीर नहीं दिख रहा है। अधिकारियों की लापरवाही से इस धंधे से जुड़े लोगों के हौसले बुलंद हैं और वे थोड़े से फायदे के लिए आम लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल रहे हैं।

दीपावली व छठ पूजा के मौके पर शहर में जमकर आतिशबाजी होती है। लोगों की गहरी रुचि को देखते हुए कारोबारी बिना लाइसेंस घनी आबादी के बीच घरों व दुकानों में चोरी छिपे पटाखों का भंडारण कर रहे हैं। शहर में दीपावली पर बिकने वाले ज्यादातर बम पर न तो फैक्ट्री का नाम होता व न लाइसेंस संख्या। सूत्रों की मानें, तो ज्यादा मुनाफा के चक्कर में कई पटाखा कारोबारी कम खर्च में शहर में ही पटाखे का निर्माण कर कई गुना अधिक दाम में पटाखे की बिक्री के चक्कर में लोगों की जान से खिलवाड़ करने से नहीं चूकते हैं।

शटर बंद कर होती है पटाखे बिक्री : पुलिस व प्रशासन से बचने के लिए दुकानों का शटर बंद रखा जाता है। शटर के बाहर से ही थोक व खुदरा पटाखों की सूची तैयार कर माल उपलब्ध करा दिया जाता है। इन दुकानों में अग्निशमन विभाग के दिशा निर्देश का भी पालन नहीं किया जा रहा है। अनुमंडल प्रशासन सभी पटाखे कारोबारी को पहले ही दिशा निर्देश देते हुए अस्थायी लाइसेंस लेने के बाद ही पटाखे की बिक्री करने का निर्देश दे चुका है।

होगी सख्त कार्रवाई : अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि कारोबारी अस्थायी लाइसेंस लेने के बाद ही पटाखे की बिक्री कर सकते हैं। जिन्होंने लाइसेंस नहीं लिया है और बिक्री कर रहे हैं उन पर कार्रवाई की जायेगी। अवैध भंडारण की सूचना मिलने पर भी कार्रवाई होगी।

पैक्स चुनाव : अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन के बाद प्रखंड के 14 पंचायतों में सरगर्मी तेज

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड के 14 पंचायतों मे होने वाले पैक्स के चुनाव के लिए मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन हो गई है। इसके साथ ही क्षेत्र में पैक्स चुनाव की सरगर्मी तेज हो गयी है।

प्रखंड कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिन पंचायतों में पैक्स चुनाव होनी है, वह है आथर, बाबुगंज इग्लिश, बेलहरी, बेलांव, भदार, सिकरौल, नावानगर, परमानपुर, कडसर, बरांव, सोनवर्षा, मणियां, वैना व रुपसागर पंचायत है। जबकि दो पंचायत अतिमी एवं भटौली पैक्स की समय अवधि अभी पूर्ण नहीं हुई है। जिससे इन दोनों पंचायत में पैक्स चुनाव नहीं होगी। बीडीओ मनोज कुमार ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन के अनुसार प्रखंड के 14 पंचायतों में कुल 27482 मतदाताओं का नाम प्रकाशन हुआ है। जबकि मतदान केन्द्रों की संख्या 46 है। उन्होंने बताया कि आगामी 30 अक्टूबर पैक्स चुनाव संबंधित सूचना प्रखंड कार्यालय से जारी किया जाएगा।

वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज के छात्रों ने अपनी सोच को विकसित करते हुए दिखाया हुनर

मधुमक्खी के छत्ते से निकले मोम से तैयार की मोमबत्ती

केटी न्यूज/डुमरांव

आजकल के छात्रों में कुछ कर गुजरने की नई सोंच विकसित होने लगे हैं। जो जिस क्षेत्र में पढ़ाई करता है, उस क्षेत्र में आगे बढ़ने सोंच रखता है। इसी के दौरान वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज के छात्रों ने अपनी सोच को विकसित करते हुए व्यवसायिक मधुमक्खी पालन के कोर्स के तहत मधुमक्खी के छत्ते से तैयार मोम से मोमबत्ती तैयार किया है। मालूम हो कि व्यवसायिक मधुमक्खी पालन कोर्स में छात्र-छात्राओं को व्यवसायिक रूप से पाठ्यक्रम के अनुसार उत्पाद तैयार कर उसका विपणन करना होता है। बीएससी-एजी कर रहे छात्रों में व्यवसाय के प्रति जिज्ञासा को उत्पन्न करने के लिए स्कील विकास का काम करता है।

इस वर्ष छात्रों ने अपने कंसेप्ट को डेवलॉप करते हुए लगभग 10 हजार मुधमक्खी के मोम से 15 प्रकार की मोमबत्ती को तैयार किया है। तैयार मोमबत्ती को व्यवसायिक बनाने के लिए उसे बाजार में भी उतारा है। इसका स्टॉल उनके द्वारा अपने कॉलेज से दो सौ मीटर की दूरी पर महरौरा मोड़ के पास शुक्रवार को लगाया गया। तैयार मोमबत्ती को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ ही देर में उनके द्वारा तैयार मोमबत्ती को ग्राहकों ने खरीद लिया। छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार मोमबत्ती के विषय में जानकारी भी दे रहे थे। पढ़ने वाले नौजवान उनकी बातों को सुन काफी उत्साहित होते हुए, उसकी तैयारी करने की जुगाड़ में लग गए। काउंटर लगाने वाले छात्रों ने बताया की उन्हें मेंटर के रूप में सपोर्ट करने वाले वैज्ञानिकों में डा. गौतम कुणाल, डॉ. चंद्रशेखर प्रभाकर, डॉ. सुदीपा कुमारी झा, विभागाध्यक्ष डॉ. रणजीत कुमार व प्राचार्य डॉ. रियाज अहमद का कार्य काफी सराहनीय रहा। वैज्ञानिकों ने बताया कि मधुमक्खी का मोम एक प्रकृति उत्पाद है, इसके जलने से प्रकृति को काई नुकसान नहीं होता।

पैराफीन मोम की मोमबत्ती से निकलता है अधिक धुआं : आजकल जो बाजार में पैराफीन मोम की मोमबत्ती उपलब्ध है, इससे पेट्रालियम उत्पाद है, जिसका धुआं बहुत ही नुकसानदायक होता है। छत्रों को पर्यावरण बचाव के साथ बाजार का ज्ञान एवं उत्पाद बनाने के जरूरी कला-कौशल इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बताया गया। इधर बिक्री के लिये स्टॉल लगाने वाले छात्रों ने बताया की लोग नेचुरल तरीके से इसके उत्पाद को जानकर काफी खुश हो रहे थे। कई ने बताया की बाजार में इसका स्टॉल लगता तो बिक्री और बढ़ जाती। इस पर उन्हें छात्रों ने समझाया की इसको विकसित किया जाएगा, जिससे अगले साल आपकी डिमांड पूरा हो सके।

एक नजर

एक पेड़ मां के नाम के तहत विश्व कलाकार दिवस पर आयोजित हुई पेंटिंग प्रतियोगिता

डुमरांव। विश्व कलाकार दिवस के अवसर पर माई भारत पोर्टल व एक पेड़ मां के नाम के तहत मेरा युवा भारत द्वारा नेहरू युवा केंद्र एवं नेहरू युवा विकास समिति, डुमरांव के सहयोग से आर्यभट्ट कंप्यूटर सेंटर, डुमरांव के प्रांगण में पेंटिंग प्रतियोगिता कराया गया। जिसमें विभिन्न क्लबों के 25 युवा एवं युवतियों ने भाग लेकर अपनी कलाकारी दिखाई। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान आने वाले प्रतिभागियों को मोमेंटो, डायरी, लेखनि सहित 10 प्रतिभागियों को संतवान पुरस्कार पिंकी पाठक, भाजपा महिला मोर्चा के सदस्य, अजय कुमार, आर्यभट्ट कंप्यूटर सेंटर के निर्देशक, सुधीर कुमार, योग प्रशिक्षक एवं डॉ संजय कुमार सिंह भूगोल व्याख्याता,इंटर कॉलेज, डुमरांव द्वारा सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम-मुस्कान साह, द्वितीय-अंशु कुमारी तथा तृतीय-ब्यूटी गुप्ता रहे। वही सांत्वना पाने वालों में ज्योति कुमारी, तनु कुमारी, पवन कुमार, कीर्ति कुमारी, बलजीत कुमार, प्रिया कुमारी, प्रिया पांडे, संजना कुमारी गुप्ता रहे। मौके पर सीनू कुमारी, रिया सिंह, संकल्प कुमार, बलजीत गुप्ता, खुशी कुमारी, प्रिया कुमारी, मुस्कान, प्रीति कुमारी, पिंकी कुमारी, कीर्ति कुमारी, ब्यूटी कुमारी, पवन कुमार, प्रीति कुमारी सिंह, नंदनी कुमारी, सोनाली कुमारी, सोनम कुमारी, शांति कुमारी, ज्योति कुमारी, पायल कुमारी ,राम जी कुमार, श्याम जी कुमार, महताब अंसारी, अंशु कुमारी, सोनी कुमारी, मंजू कुमारी सहित प्रखंड के कई क्लबों के सदस्य शामिल रहे।

निरीक्षण में उर्दू विद्यालय में सोई थी शिक्षिका, ऑनलाइन हाजिरी बना गायब थे पांच शिक्षक

डुमरांव। जिले के स्कूलों के खुलने, बंद होने के साथ शिक्षकों की उपस्थिति के लिए जो नियम बनाए गए हैं, उसका अमल सही से नहीं हो रहा है। आए दिन ऑलाइन हाजिरी बनाकर शिक्षक गायब हो जाते हैं। इतना ही नहीं कुछ स्कूलों की यह भी शिकायत मिलती है कि बच्चे वर्ग कक्षा में नहीं रहकर घुमते रहते है तो शिक्षक स्कूल में सोए रहते या आपस में बैठ गप्पे मारते रहते हैं। कुछ इसी तरह का नाजार गुरूवार को बीआरपी अविनाश कुमार के निरीक्षण के दौरान डुमरांव नगर के उर्दू मध्य विद्यालय में देखने को मिला। निरीक्षण में बीआरपी ने पाया की शिक्षिका जीनू जहां वर्ग कक्षा में सोई हुई मिली। फिर स्कूल से शिक्षक मो. जुनैद खां, मसूदा बानो, अनिका सदफ, नगमा खातून, पप्पु कुमार शर्मा स्कूल से अनुपस्थित थे। बीएओ ने उनसे स्पष्टीकरण पुछा है कि शिक्षिका सोए रहने और पांच शिक्षक के स्कूल से गायब होने से यह लगता है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को विद्यालय में शतप्रतिशत लागू करने में कोताही बरती जा रही है। साथ ही इस बात का भी खुलासा किया गया है कि पूर्व में भी निरीक्षण के दौरान शिक्षक अनुपस्थित पाए गए थे। बीआरपी ने सभी से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने के लिए आदेशित किया है। ससमय स्पष्टीकरण नहीं देने पर उनके विरूद्ध निलंबन के लिए वरीय अधिकारियों को लिखने की बात कही गई है। बीआरपी के इस कार्रवाई से शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

अवैध पटाखा बिक्री पर चला प्रशासन का डंडा, एक सौ टन पटाखे बरामद, दो दुकान व दो मकान सील

बक्सर। अवैध रूप से पटाखा बिक्री के खिलाफ बक्सर प्रशासन ने कारोबारियों पर डंडा चलाया है। डीएम अंशुल अग्रवाल व एसपी शुभम आर्य के निर्देश पर एसडीओ धीरेन्द्र कुमार मिश्र व सदर डीएसपी धीरज कुमार के नेतृत्व में नगर थाने की पुलिस द्वारा चलाए गए छापेमारी अभियान में गोला बाजार स्थित दो दुकानों तथा दो मकानों को सील किया गया। इस दौरान उक्त दुकानों से करीब एक सौ टन पटाखा बरामद किया गया। सदर एसडीएम धीरेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि किसी भी दुकानदार के पास पटाखा बिक्री का लाइसेंस नहीं था। उन्होंने कहा कि हर दिन अवैध पटाखा बिक्री करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। वही इस मामले में सदर अंचल के सीओ प्रशांत शांडिल्य के बयान पर एफआईआर दर्ज कराया गया है। सील किए गए दुकानों में महिला थाना के सामने चश्मा घर स्थित गली में लाली की दुकान, गोला बाजार-2 के श्रद्धानंद की दुकान, गोला रोड स्थित अस्कामनी मंदिर के पास लाल बाबू के मकान एवं दीपक केसरी के मकान शामिल हैं।

जनसुराज से रामगढ़ से सुशील सिंह कुशवाहा व तरारी से किरण सिंह ने किया नामांकन

♦ कार्यवाहक अध्यक्ष मनोज भारती की मौजूदगी में हजारों समर्थकों के साथ किया जनसंपर्क किया

केटी न्यूज/कैमूर

जन सुराज पार्टी के रामगढ़ विधानसभा से प्रत्याशी सुशील सिंह कुशवाहा ने नामांकन दाखिल करने के बाद मुंडेश्वरी गेट से अनुमंडल कार्यालय तक पदयात्रा कर शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके साथ जन सुराज पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष मनोज भारती, पूर्व क्द्दर आर. के मिश्रा भी मौजूद रहे। पदयात्रा के दौरान उनके साथ हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे और उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर जन सुराज का समर्थन किया। पूरे शहर को जन सुराज के नारों से इन्होनें गुंजायमान करते हुए जन सुराज को एक ठोस संगठन के रूप में जनता के सामने दशार्या। हर जगह लोगों के बीच जन सुराज पार्टी के प्रत्याशियों को एक नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है। खासकर युवाओं और महिलाओं में जन सुराज पार्टी और उसके प्रत्याशी के प्रति एक नई उत्साह और उम्मीद है। जनता आरजेडी और जदयू दोनों ही पार्टियों से ऊब चुकी हैं और जन सुराज को सही विकल्प के रूप में स्वीकार करना चाहती है। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की जनता ने भाई-भतीजावाद और जातिवाद को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है।

सुशील सिंह कुशवाहा ने पदयात्रा कर जन सभा को किया संबोधित: सुशील सिंह कुशवाहा ने अपनी जीत का दावा करते हुए कहा कि रामगढ़ की जनता भाई-भतीजावाद से तंग आ चुकी है। एक ही परिवार के लोग रामगढ़ से विधायक और सांसद बन रहे हैं। लेकिन जब रामगढ़ के विकास की बात आती है तो यह परिवार रामगढ़ को ही भूल जाता है। रामगढ़ से जन सुराज पार्टी का संकल्प बेहतर शिक्षा देना और पलायन रोकना है, मेरी प्राथमिकता भी बेहतर शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाली 23 नवंबर को रामगढ़ की पूरा विश्वास करते हुए यहां से जीत दर्ज करायेगी।

तरारी में गरजे प्रशांत किशोर

पीरो। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने आज पीरो नगर परिषद क्षेत्र में तरारी विधानसभा से जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी श्रीमती किरण सिंह के पक्ष में पदयात्रा कर नामांकन रैली में भाग लिया और जनता से जनसंवाद किया। प्रशांत किशोर पीरो हाई स्कूल मैदान से अनुमंडल कार्यालय तक हजारों की संख्या में आए लोगों के साथ पदयात्रा की और अपने प्रत्याशी का नामांकन करवाया। इसके पूर्व उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जनता अब लालू जी के जंगल राज और नीतीश कुमार के अफसर राज से तंग आ चुकी है और उन्हें उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि जिस व्यक्ति को भाजपा ने तरारी से अपना उम्मीदवार बनाया है, वह पहले जदयू में था। वही जदयू जिसके नेता मुख्यमंत्री पलटू नीतीश कुमार हैं। मुख्यमंत्री की अपनी कुर्सी बचाने के लिए उन्होंने जनता के विश्वास के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने जनता को टोपी पहना दी है, इसलिए आप भाजपा को वोट देंगे तो फिर से मुख्यमंत्री पलटू कुमार ही बनेंगे। प्रशांत किशोर कहा कि भाजपा प्रत्याशी दबंग है, बदमाश है बदमाश की कोई जाति नहीं होती। इसलिए इस बार माफिया राज को खत्म करने के लिए जाति से ऊपर उठकर अपना वोट तरारी की बेटी और महिला सशक्तिकरण की नेत्री किरण सिंह को दें।

खबरें फटाफट

दीपावली पर्व की तैयारी में जुट गए हैं लोग

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में सभी लोग दीपावली पर्व की तैयारी में युद्ध स्तर पर जुट गए हैं । लोग अपने घरों की साफ–सफाई और पेंटिंग करने व कराने में लगे हुए हैं । दुकानदार भी अपनी दुकानों की पेंटिंग कराने में जुट गए हैं । शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में दीपावली की तैयारी चल रही है। पेंट की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ काफी उमड़ रही है । ग्राहक अपने पसंद के कलर बनवा कर मकान पेंट करवाने के लिए पेंट ले जा रहे हैं। लोग पेंटर से दुकान और मकानों की पुताई करवा रहे हैं।

सेमरा ओपी पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान

दिनारा। वरीय पदाधिकारी के दिशा निर्देश पर सेमरा ओपी की पुलिस ने वाहन जांच अभियान चलाया । थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के बैरीपुर पुल के समीप पुलिस पदाधिकारी ने वाहन जांच अभियान चलाया । वाहन जांच के क्रम में वाहन चालकों का जूता, हेलमेट, डिक्की,ड्राइविंग लाइसेंस, प्रदूषण जांच सहित अन्य बिंदुओं पर बारीकी से जांच की गई । श्री सिंह ने बताया कि वाहन जांच के क्रम में पुलिस पदाधिकारी द्वारा करीब आठ हजार रुपए का ऑनलाइन चालान काटा गया। उन्होंने बताया कि वाहन जांच की प्रक्रिया निरंतर चलते रहेगा।

विद्युत प्रवाह तार की चपेट में आने से किसान की मौत

नोखा। नोखा थाना के खैराडीह में पटवन में लगे विद्युत प्रवाहित तार के संपर्क में आने से 30 वर्षीय भोला राम की हुई मौत के उपरांत ग्रामीणों के द्वारा आज अहले सुबह उचित मुआवजे एवं दोषियों के ऊपर कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क जाम कर बवाल काटा। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष रोहता अमित पासवान अपने दल बल के साथ पहुंच पीड़ित परिवार के पक्ष से उनके मांग पर अमल करने हेतु वरीय पदाधिकारी एवं थानाध्यक्ष से वातार्लाप किया और ग्रामीणों को समझा बुझाकर घंटों से बाधित सड़क जाम को मुक्त कराया।

रोहतास के शिवसागर थाना क्षेत्र में हुई घटना, भागने में सफल रहे अपराधी

बाइक चोरों का विरोध पड़ा भारी, बदमाशों ने स्वास्थ्य कर्मी को गोली मारकर की हत्या

♦ बाइक चुरा कर भाग रहे थे सभी अपराधी, पीछा करने के दौरान मारी पांच गोलियां

केटी न्यूज/शिवसागर

रोहतास जिले में एक युवक की बाइक चुराकर भाग रहे बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात शिवसागर थाना इलाके में हुई। मृतक की पहचान कैमूर जिले के सकरी निवासी भानु प्रताप सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि भानु प्रताप बाइक चोरी कर भाग रहे अपराधियों का सकरी से अपनी कार से पीछा कर रहे थे। तभी उन्होंने कार से टक्कर मारकर अपराधियों को रोड पर गिरा दिया। जब वह चोरों को पकड़ने लगे तो बदमाशों ने बंदूक निकालकर फायर कर दिया। गोली लगने से युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार यह घटना रात के डेढ़ बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल पर पड़ी बाइक को अपने कब्जे में लिया। जांच के लिए एफएसएल की

टीम को भी बुलाया गया। पुलिस अपराधियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। अभी तक बदमाशों का सुराग नहीं लग पाया है। मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि भानु प्रताप के परिवार ने बाइक चोरों को देख लिया था। इसके बाद भानु और एक दूसरे व्यक्ति ने कार से बाइक चोरों का पीछा करना शुरू किया. पीछा करते-करते कुदरा थाना क्षेत्र से शिवसागर थाना क्षेत्र तक पहुंच गए। इस दौरान एक गड्ढे को देख बाइक चोरों ने गाड़ी की गति को कम किया तो पीछे से कार से इन लोगों ने धक्का मार दिया। इतना होने पर बाइक सवार चोर गिर पड़े। बाइक चोरों की संख्या दो बताई जा रही है। चोरों के गिरने के बाद भानु कार से उतरकर जैसे ही चोरों के पास गया तो उन लोगों ने उस पर दो गोली चला दी। कार चलाने वाला दूसरा शख्स उतरा तो बदमाश बाइक छोड़कर हथियार के बल पर फरार हो गए। परिजन और स्थानीय लोगों ने भानु को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के चचेरे भाई का कहना है कि इस दौरान आसपास के थाना को लगातार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई संपर्क नहीं हो सका। एसपी रौशन कुमार भी मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। मामले की जांच की जा रही है।

ट्रक ने दवा लेकर घर वापस लौट रहे बुजुर्ग को मारी टक्कर, मौत

आरा। आरा-पटना नेशनल हाईवे पर जिले के गीधा थाना क्षेत्र के गीधा लाइन होटल के समीप ट्रक ने दवा लेकर घर वापस लौट रहे बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मृतक गीधा थाना क्षेत्र के गीधा गांव निवासी स्व.रामदेव साह के 60 वर्षीय पुत्र जैनेंद्र साह है एवं वह पैसे से मजदूर थे। इधर मृतक बुजुर्ग की साली शोभा देवी बताया कि उनकी नातिन लाखों कुमारी की तबीयत खराब थी। जिसको लेकर वह अपनी साली शोभा देवी एवं नातिन लखो कुमारी के दवा लेने के लिए गीधा बाजार आए थे। दवा लेने के बाद वह जब वह तीनों वापस घर लौट रहे थे। लौटने के क्रम में लाइन होटल के समीप उनकी नातिन व साली कुछ बढ़ी और सड़क पार कर रहे थे। तभी विपरीत दिशा से आ रही किसी ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजन अपनी समीक्षा से शव का बिना पोस्टमार्टम कराए ही वापस गांव ले गए। बताया जाता है कि मृतक बुजुर्ग अपने चार भाइयों में छोटे थे। उनके परिवार में पत्नी लीलावती देवी तीन पुत्र चिंटू ,पिंटू ,विशाल व दो पुत्री पूजा देवी एवं प्रियंका देवी है। घटना के बाद मृतक बुजुर्ग के घर में हाहाकार मच गया है। इस घटना के बाद मृतक बुजुर्ग की पत्नी लीलावती देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं दूसरी ओर चालक अपना वाहन लेकर भागने में सफल रहा। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी कैमरा के आधार पर आरोपी की धड़पकड़ का प्रयास किया जा रहा है।

सीसीटीवी में कैद हुई बाइक चोरी की घटना

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट थाना क्षेत्र में चोरों का गिरोह सक्रिय है। आयदिन थाना क्षेत्र में बाइक चोरी की घटना सुनने को मिलते रहती हैं । एक माह में औसत करीब दर्जनों वाहनों की चोरी हो रही है। आश्चर्य की बात तो यह है कि जो चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हैं, उसे भी पुलिस तलाशने में विफल है। यही वजह है कि वाहन चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। वाहन चोरी की घटनाओं के लिहाज से गोडारी, काराकाट व करूप बाजार बेहद संवेदनशील हैं। जहां आयदिन वाहन की चोरी घटना को चोर अंजाम देते है। थाना क्षेत्र में सक्रिय वाहन चोरों का गिरोह अपने पांव पसार चुका है। पूर्व में कई ऐसे मौके आए जब वाहन चोरों को ग्रामीणों द्वारा पकड़ कर पुलिस के हवाले किया गाय । फिर भी चोरों की सक्रियता को लेकर पुलिस सजग नहीं है। वाहन चोर गिरोह पर पैनी नजर न होने के कारण वाहन चोरी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। थाना क्षेत्र के संसार डिहरी गांव निवासी कृपा शंकर पासवान ने काराकाट पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी बाइक दिनदहाड़े चोरी कर ली गई। बाइक चोरी की पूरी घटना पास के दुकान में लगी सीसीटीवी कैमरे में कैद है। बताया की गोडारी बाजार स्थित पवन ड्राई फ्रूट दुकान के पास बाइक खड़ी कर सब्जी खरीदने बाजार चले गए । जब वापिस आया तो देखा की बाइक नही है। आस पास काफी खोजने पर जब बाइक की कही पता नही चल सका तो ड्राई फ्रूट की दुकान में लगी सीसीटीवी कैमरा में देखा गया की किसी अज्ञात ने बाइक में अपना चाभी लगाकर आराम से चलता बना। जिसके बाद थाना में सीसीटीवी फुटेज के साथ लिखित आवेदन दिया ।

छपरा सदर अस्पताल में चारों तरफ दिखा कचरे का अंबार, भड़के डीडीसी

♦ एडीएम व डीडीसी ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

♦ ऑक्सीजन प्लांट में लगातार हो रही है चोरी की घटनाएं, गार्ड रखने का दिया गया निर्देश

केटी न्यूज/छपरा

छपरा सदर अस्पताल में कुव्यवस्था को लेकर मरीज की शिकायत पर सदर एसडीएम लक्ष्मण तिवारी व डीडीसी कुमार यतेंद्र कुमार पाल औचक निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने अस्पताल की कमियों को एक सप्ताह के अंदर दुरुस्त करने की सख्त हिदायत दी। उस दौरान उन्होंने ओपीडी, ऑक्सीजन प्लांट, इमरजेंसी, दवा काउंटर आदि विभागों की गहनता से जांच की। ओपीडी में मरीज की शिकायत पर डेंटल व ऑर्थो विभाग में जाकर चिकित्सक से जानकारी ली। इसके बाद साफ-सफाई व नालों की समुचित व्यवस्था को लेकर अस्पताल प्रबंधक राजेश्वर प्रसाद को इन व्यवस्थाओं को जल्द सही करने का निर्देश दिया। पूरे अस्पताल परिसर में इमरजेंसी से लेकर ओपीडी तो कचरे का अंबार देखा गया। कहीं पर भी साफ सफाई की व्यवस्था सही नहीं पाई गई। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को साफ-सफाई को लेकर प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने का भी निर्देश दिया। परिसर में लगे जल जमाव व उसमें पड़े कीड़ों को देखकर नाराजगी जताई, वही ऑक्सीजन प्लांट में जाकर वार्डो मे होने वाले सप्लाई की व्यवस्था पर जानकारी ली। इसके साथ ही ऑक्सीजन प्लांट में लगातार चोरी की घटना से बचने के लिए नियमित तौर पर गार्ड की प्रतिनियुक्ति का भी निर्देश दिया। अस्पताल प्रबंधक को निर्देश दिया गया कि अपनी कार्य प्रणाली में बदलाव लाए।

भारोत्तोलन (बालिका) के विभिन्न आयु वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता का डीएम ने किया उद्घाटन

राज्य स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में भोजपुर की नंदनी ने जीता सोना

♦ 14 जिलों की भारोत्तोलक खिलाड़ी (बालिका) अपना दिखाएंगी दमखम

केटी न्यूज/जहानाबाद

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन जहानाबाद के संयुक्त तत्वावधान में 25 अक्टूबर से लेकर 27 अक्टूबर तक भारत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन डीएम अलंकृता पांडे ने किया। यह प्रतियोगिता खेल भवन सह व्यायामशाला, गांधी मैदान में आयोजित हुई। एक बड़े अंतराल के बाद जिला को राज्य स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता के किसी खेल विधा में मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है एवं डीएम के नेतृत्व में इसके सफल आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण में ही पूर्ण कर ली गई थी एवं 25 अक्टूबर से शुरू हो रहे हैं तीन दिवसीय भरतोलन प्रतियोगिता में मेजबान जिला जहानाबाद सहित 14 जिलों की भारोतोलक खिलाड़ी (बालिका) अपना दमखम दिखाएंगी। डीएम सहित अन्य वरीय पदाधिकारियों ने प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ विजेता जिला, अंडर 17 एवं अंडर 19 आयु वर्ग में विजेता के ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया। इस बार राज्य स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता के इस आयोजन का मैस्कॉट शक्ति का भी विधिवत अनावरण डीएम ने किया।

कोच की सहायता के बिना नहीं मिल सकती ट्राफी

डीएम ने इस आयोजन में शामिल होने आए विभिन्न जिला के खिलाड़ियों एवं प्रबंधको, तकनीकी टीम का स्वागत किया गया। डीएम ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि आप में से कुछ ही खिलाड़ी होंगे जिनके हाथ में ट्रॉफी आएगी और वह विजेता बनेंगे, लेकिन विभिन्न स्तरों पर कोच की उपलब्धता, वेटलिफ्टिंग सेंटर जैसी समुचित व्यवस्था न होने के बावजूद बड़ी मात्रा में आपका राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहुंचना, आपकी क्षमता एवं समर्पण दोनों को दिखाता है। आप हमारी मैस्कॉट शक्ति की तरह पूरी तरह से सक्षम है।

विभिन्न आयु वर्ग में खिलाड़ियों ने जीता पदक

जिला पदाधिकारी ने राज्य स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता (बालिका) भारोतोलन के ओपनिंग की घोषणा कर दी गई है। उप विकास आयुक्त, धनंजय कुमार ने उद्घाटन सत्र के समाप्ति पर सभी को इस आयोजन में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया गया। उद्घाटन सत्र में माननीय सांसद जहानाबाद के प्रतिनिधि धर्मपाल यादव, बिहार वेटलिफ्टिंग संगठन के प्रेसिडेंट, अरुण कुमार केसरी एवं सचिन उपेंद्र कुमार, जिला कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष भी उपस्थित थे। जिला पदाधिकारी के द्वारा प्रतियोगिता के ओपनिंग की घोषणा के साथ ही प्रतियोगिता शुरू हो गई एवं देर शाम होते हुए अंडर 17 अंदर–19 दोनों आयु वर्ग में बालिकाओं में विजेताओं की घोषणा भी शुरू हो गई। अंडर–17 आयु वर्ग में, 40 किलोग्राम वर्ग में नंदनी कुमारी,भोजपुर जिला, स्वर्ण पदक, गुंजा कुमारी सीतामढ़ी जिला, रजत पदक, झांसी कुमारी सारण जिला, कांस्य पदक अंडर–17 आयु वर्ग 45 किलोग्राम भार वर्क में रिंकी देवी नवादा जिला स्वर्ण पदक, सोनाली कुमारी भोजपुर जिला रजत पदक, प्रतिज्ञा कुमारी जहानाबाद जिला कांस्य पदक अंडर–19 आयु वर्ग में, 45 किलोग्राम भार वर्ग में कुमकुम कुमारी जहानाबाद जिला स्वर्ण पद, अनुष्का कुमारी, सारण जिला रजत पदक श्वेता कुमारी नवादा जिला कांस्य पदक हासिल किया।

एक नजर

एसपी ने लिया सोनपुर मेला क्षेत्रों का जायजा, दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

छपरा। आगामी कार्तिक मास में लगने वाले विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला-2024 से संबंधित मेला क्षेत्रों का पुलिस अधीक्षक ने जायजा लिया तथा कई दिशा-निर्देश दिए गए ।निरीक्षण के दौरान अनुमंडल दंडाधिकारी, सोनपुर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सोनपुर भी रहें मौजूद पुलिस अधीक्षक द्वारा पहलेजा थाना एवं हरिहरनाथ थाना क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकरी एवं अंचल पुलिस निरीक्षक उपस्थित रहे। उक्त थाना के निरीक्षण के दौरान थाना भवनों के साथ ही थाना के सभी अभिलेखों एवं पंजीयों की जाँच कर अभिलेखों व पंजीयों के संधारण में मिली त्रुटियों के सुधार करने, लंबित कांडो का समीक्षा कर त्वरित निष्पादन करने एवं थाना में साफ-सफाई रखने सहित कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही महिला हेल्प डेस्क में प्रतिनियुक्त महिला पुलिस पदाधिकारी-कर्मी को महिला परिवादी से शालिनता पूर्वक व्यवहार करने तथा उनके समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक विधि-सम्मत कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिया गया। थाना निरीक्षण के बाद पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा कार्तिक पूर्णिमा स्नान से प्रारंभ हो कर अगले एक माह तक चलने वाली आगामी हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला-2024 के दृष्टिगत मेला क्षेत्रों, पहले जा घाट, हरिहरनाथ थाना क्षेत्र एवं स्नान घाटों का निरीक्षण किया गया। मेला के दौरान श्रद्धालुओं के सुविधा व सुरक्षा हेतु, मेला के दौरान भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन, घाटो को बैरीकेडिंग व एनडीआरएफ टीम की तैनाती, पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति का जायजा लिया गया एवं इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

ऑर्केस्ट्रा संचालक के चंगुल से दो नाबालिग लड़कियों को छुड़ाया

छपरा। जनता बाजार पुलिस, बाल कल्याण समिति व चाइल्ड हेल्प लाइन की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर दो नाबालिग लड़कियों का सुरक्षित छुडाने में सफलता पाई। दोनों नाबालिगों को अलग-अलग ऑर्केस्ट्रा संचालक के आवास से बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से एक ऑर्केस्ट्रा संचालक को गिरफ्तार किया है जबकि दूसरे ऑर्केस्ट्रा ग्रुप का संचालक फरार हो गया। गिरफ्तार ऑर्केस्ट्रा संचालक लहलादपुर गांव का मुकेश प्रसाद बताया गया है। पुलिस ने दोनों नाबालिग लड़कियों के बारे में उनके परिजनों को सूचित किया है। नाबालिग लड़कियों में एक पंजाब के जालंधर की है जबकि दूसरी नाबालिग लड़की कोलकाता के मंगरा हाट की बतायी गयी है। नाबालिगों ने पुलिस को बताया कि ऑर्केस्ट्रा संचालक जबरन अश्लील गानों पर डांस करवाते हैं। अश्लील डांस करने के लिये शारीरिक व मानसिक यातनायें देते हैं। जानकारी के मुताबिक जनता बाजार, नदिया पार आदि जगहों पर संचालित कई ऑर्केस्ट्रा संचालक के आवास पर टीम ने छापा डाला। हालांकि पुलिस टीम की छापेमारी की सूचना पहले ही लीक हो गयी जिससे बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी। छापेमारी की सूचना मिलने के बाद अधिकतर संचालकों ने आवास में मौजूद लड़कियों को दूसरे जगह पर शिफ्ट कर दिया था। पुलिस ने पॉस्को एक्ट व अन्य संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया है।

डीएम ने किया जनता दरबार का आयोजन

सासाराम। डीएम उदिता सिंह ने शुक्रवार को अपने कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिमसें 115 आम नागरिकों से लोक साक्षात्कार किया गया। उक्त जनता दरबार में अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी, रोहतास, जिला बंदोबस्ती पदाधिकारी, रोहतास, सासाराम, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, रोहतास, एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। जिला जनता दरवार में मनोज पासवान, प्रखंड कोचस के द्वारा भूमि विवाद, ओमप्रकाश आजाद, प्रखंड विक्रमगंज के द्वारा मकान खाली कराये जाने, बेदामी देवी, कोरान सराय, सासाराम के द्वारा धमकी एवं जबरन हस्ताक्षर कराये जाने, अनोज कुमार ग्राम कुशडिहरा प्रखंड तिलौथू के द्वारा अतिक्रमण से मुक्त कराये जाने आदि के संबंध में आवेदन दिया गया है। इस तरह से कुल 115 मामलों जैसे भूमि बंदोबस्ती, लाल कार्ड, अतिकमण एवं भूमि परिमार्जन आदि मामलों को निष्पादन करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को समुचित कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया।

छठ महापर्व को देखते हुए शौच से मुक्ति हेतु चला जागरूकता अभियान

काराकाट। काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत देव मार्कण्डेय निज ग्राम स्थित सूर्य मंदिर एवं गांव में भ्रमण कर शौच से मुक्ति हेतु लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया । जिस अभियान में काराकाट प्रखंड समन्वयक आलोक आनंद एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक कन्हैया कुमार सिंह के द्वारा लोगों को जागरूक किया गया । मौके पर ग्राम पंचायत देव मार्कण्डेय के मुखिया प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह,शिक्षक आनंद कुमार सिन्हा , छठ पूजा समिति के सदस्य,वार्ड सदस्य सहित सैकड़ो की संख्या में स्थानीय ग्रामीण लोग मौजूद थे ।

मुरहारा में गला दबाकर विवाहिता की हत्या

जहानाबाद। शकूराबाद थाना क्षेत्र के मुरहारा गांव में दहेज को लेकर शुक्रवार को एक और विवाहिता की हत्या कर साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से दहेज दरिंदों ने शव को धान के खेत में छुपा कर रख दिया ।जहां से पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल जहानाबाद भेजा। बताया जाता है कि शकूराबाद थाना क्षेत्र के मुरहारा गांव में एक विवाहिता की हत्या गला दबाकर कर दी गई। मृतका उपेंद्र दास की पत्नी 22 वर्षीय प्रमिला कुमारी बताई जाती है। घटना के संबंध में मृतका के भाई सह गया जिले के खिजरसराय थाना अंतर्गत मंडई गांव निवासी चंदन कुमार ने बताया कि मेरी बहन की शादी जून 2022 में हिंदू रीति रिवाज के साथ किया गया था ।शादी के समय औकात से बढ़ चढ़ कर दान दहेज भी दिया था। शादी के कुछ समय तक सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था। इधर छह माह पहले मेरे बहनोई के द्वारा सिपाही में बहाली के लिए 5 लाख रुपये बतौर दहेज की मांग किया जा रहा था । पैसे देने में हम लोग असमर्थता जता रहे थे जिससे ससुराल वाले बौखलाए हुए थे। दो दिन पहले मैं अपनी बहन से बात करने के लिए फोन किया था लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ शुक्रवार की दोपहर बहन के गांव में ही मेरे एक और रिश्तेदार रहते हैं ।उनके द्वारा सूचना दिया गया कि तुम्हारी बहन की हत्या कर शव को जलाने के उद्देश्य धान के खेत में छुपा कर रख दिया गया है ।घटना की सूचना मिलते ही हम लोग आनन-फानन में मुरहारा गांव पहुंचे जहां घर के सभी परिजन फरार थे पुलिस पहुंची हुई थी ।पुलिस के द्वारा शव को कब्जे में लेकर थाना लाया गया जहां से पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल जहानाबाद भेज दिया गया।

चक कटने के तत्काल बाद कब्जा परिवर्तन कराएं: डीएम

- जिलाधिकारी ने की चकबंदी विभाग बलिया के चकबंदी प्रक्रियाधीन ग्रामों की प्रगति की समीक्षा
- गांवों में चौपाल लगा लोगों की चकबंदी से जुड़ी समस्या को सुनकर निस्तारित करें

केटी न्यूज/बलिया

बलिया के जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार की शाम चार बजे चकबंदी विभाग बलिया के चकबंदी प्रक्रियाधीन ग्रामों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उप संचालक चकबंदी धनराज यादव ने जनपद में किए जा रहे चकबंदी कार्यों एवं चकबंदी न्यायालयों में संबंधित ग्राम के वादों के निस्तारण की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान कहा कि गांवों में चौपाल लगाकर लोगों की चकबंदी से संबंधित समस्याओं को सुनकर निस्तारित किया जाय। चक कटने के तत्काल बाद कब्जा परिवर्तन कराई जाए, उसमें विलम्ब न किया जाए। चकबंदी से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को समय से कार्ययोजना व मानक कारगुजारी के अनुसार पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

उन्होंने चकबंदी वाद लंबित पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी चकबंदी अधिकारियों को मानक के अनुसार वादों के निस्तारण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में कम मुकदमे हैं,उन गांवों को फाइनल कर उनके अगले स्तर की कार्रवाई किया जाय। उन्होंने कहा कि लेखपाल अपने पास डायरी रखें तथा प्रतिदिन कर रहे कार्यों को डायरी में अंकित करें। बैठक में उपसंचालक चकबंदी धन राज यादव, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी सचेंद्र कुमार सिंह व नरेंद्र सिंह सहित विभाग के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक के विचारों से अवगत हो किसान अपनी आय बढ़ाएं: डीएम

- जनपद स्तरीय रबी गोष्ठी सह प्रदर्शनी का डीएम ने किया शुभारंभ, स्टॉलों का किया अवलोकन
- किसानों की समस्याओं को सुना एवं उनके निस्तारण के लिए किया आश्वस्त

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने कम्युनिटी हाल नगर पालिका परिषद में आयोजित जनपद स्तरीय रबी गोष्ठी/प्रदर्शनी का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने गोष्ठी में महिलाओं की सहभागिता की सराहना की तथा गोष्ठी के आयोजन के उद्देश्यों से वहां पर उपस्थित किसानों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि गोष्ठी के दौरान प्राप्त जानकारी एवं सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं को जानते हुए किसान इसका अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने किसानों से संबंधित योजनाओं एवं बेहतर कृषि उत्पादकता हेतु किसानों को जागरूक करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने किसानों द्वारा उठाई गई समस्याओं को भी सुना एवं उनके निस्तारण हेतु आश्वस्त किया। जिलाधिकारी ने उपस्थित वैज्ञानिक एवं कृषि तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को कृषि उत्पादन से जुड़े महत्वपूर्ण जानकारी को किसानों के साथ साझा करने तथा किसानों को अधिकतम लाभ मिले, यह भी सुनिश्चित करने को कहा। कार्यक्रम के शुभारंभ के पूर्व जिलाधिकारी ने कृषि तथा अन्य संबंधित विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों अवलोकन भी किया। इस दौरान कृषि उपनिदेशक सत्येंद्र सिंह चौहान, जिला कृषि अधिकारी सोम प्रकाश गुप्ता, जिला उद्यान अधिकारी संदीप गुप्ता तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला किसान उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

गैंगस्टर एक्ट मामले में तीन वर्ष के कारावास की सजा

बलिया। गैंगस्टर एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए सिविल कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोषी को शुक्रवार की शाम चार बजे तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही पांच हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया। दोषी का नाम सन्तोष कुमार शुक्ल पुत्र स्वर्गीय श्रीकान्त शुक्ल निवासी धनिधरा थाना सुखपुरा है। दोषी के खिलाफ सुखपुरा थाना में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद साक्ष्यों के न्यायिक परिसलन के उपरांत दोषी को तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही पांच हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया।

पांच के खिलाफ जानलेवा हमला का मुकदमा दर्ज

बलिया। बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के उधोदवनी गांव में बीती रात एक परिवार के उपर हुए जानलेवा हमले के मामले में शुक्रवार की शाम पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। आरोपियों का नाम होमगार्ड पारस यादव, शिवजी यादव, विश्वामित्र यादव, आशा यादव, मुकेश यादव उर्फ दारोगा है। पुलिस आरोपियों की धरपकड़ में जुट गई है। उधर घटना की सूचना मिलते ही कुशवाहा सभा के जिलाध्यक्ष बड़े लाल मौर्य व वरिष्ठ समाजसेवी प्रेम वर्मा जिला अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों का हालचाल लिया।

यूपी हेल्थ डैशबोर्ड की जारी रैंकिंग में मऊ को प्रथम स्थान

मऊ। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा यू पी हेल्थ डैशबोर्ड की सितंबर माह की जारी रैंकिंग में जनपद मऊ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश स्तरीय जारी इस रैंकिंग में जनपद ने 0.78 अंक प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान पर 0.75 अंक प्राप्त कर श्रावस्ती एवं तृतीय स्थान पर 0.74 अंक प्राप्त कर प्रयागराज है। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने स्वास्थ्य विभाग से जुड़े समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनपद के प्रदेश में प्रथम स्थान पाने पर बधाई दी। साथ ही लगातार मेहनत कर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु प्रयास करने को भी कहा।

महराजगंज में 940 करोड़ की 505 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

नागरिक सुविधाओं का विस्तार कर रोजगार सृजन करें निकाय और पंचायतें : सीएम योगी

- सीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को किया सम्मानित, युवाओं को वितरित किए नियुक्ति पत्र
- बोले- भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए पूरी जिम्मेदारी से कार्य कर रही केंद्र व राज्य सरकार

केटी न्यूज/महराजगंज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को विकास और विरासत से जोड़ने का आह्वान करते हुए वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सरकार युद्ध स्तर पर काम कर रही है। पर, स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायतों तथा आम नागरिकों के लिए भी विचारणीय आत्मावलोकन का अवसर है कि विकसित भारत के निर्माण में उनकी क्या भूमिका होनी चाहिए। आवश्यकता है कि नगर पंचायत और स्थानीय निकाय विकास के उन आयामों से जुड़ें जो नागरिक सुविधाओं का विस्तार करने के साथ ही रोजगार सृजन भी करें।

सीएम योगी शुक्रवार को महराजगंज के चौक बाजार में 940 करोड़ रुपये की 505 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास तथा नगर पंचायत चौक बाजार के नवनिर्मित कार्यालय भवन का उद्घाटन करने के बाद यहां आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्राम्य विकास विभाग, एमएसएमई, कृषि विभाग, उद्यान विभाग की लाभार्थीपरक योजनाओं समेत मुख्यमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना, दिव्यंगविजन सशक्तिकरण योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मत्स्य संपदा योजना के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, चाबी, प्रमाण पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत युवाओं को टैबलेट वितरित किए। इस अवसर पर सीएम योगी ने राजस्व विभाग, युवा कल्याण विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, होमगार्ड तथा समाज कल्याण विभाग में नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने इन सभी लोगों को दीपावली का उपहार भी प्रदान किया। लोकार्पण और शिलान्यास की परियोजनाओं में सड़क, शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा स्वास्थ्य, निराश्रित गोवंश, स्ट्रीट वेंडर के लिए वेंडिंग जोन, पेयजल, पर्यटन विकास, पुलिस, अग्निशमन आदि से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

सीएम योगी ने कहा कि आज ग्राम पंचायतें पांच प्रकार से रोजगार देने के केंद्र भी बन रही हैं। पहला ग्राम सचिवालय से आय, जन्म, मृत्यु, निवास जैसे अनेक प्रमाण पत्र बनाए जाने से वहां सहायक के रूप में कंप्यूटर ऑपरेटर की तैनाती की गई है। इससे लोगों को प्रमाण पत्रों के लिए तहसील या मुख्यालयों पर नहीं जाना पड़ रहा है और साथ ही एक युवा को नौकरी भी मिल गई है। ग्राम पंचायत में दूसरी जॉब सार्वजनिक शौचालय के निर्माण से मिल रही है। इसके संचालन के लिए ग्राम पंचायत द्वारा एक महिला को नौकरी दी जाती है जिसका वेतन यूजर चार्ज से दिया जाता है। गांव में तीसरी नौकरी बीसी सखी के रूप में मिल रही है। बीसी सखी ग्रामीणों को बैंकिंग लेनदेन की सुविधा उपलब्ध कराती है और इसके लिए उसे मानदेय तथा इंसेंटिव मिलता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 42 हजार बीसी सखी कार्यरत हैं। ग्राम पंचायत में चौथा जॉब कन्वेंशन सेंटर से मिलेगा। गांव में कन्वेंशन सेंटर होने से लोगों को शादी विवाह आदि के आयोजनों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके रखरखाव के लिए जॉब मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत में पांचवा जॉब कोटे की दुकान पर मिलेगा। कोटे की दुकान पर अब राशन के साथ ही सामान्य उपभोक्ता के लिए उपयोगी सामानों की भी बिक्री की जा सकेगी। इसके लिए सरकार गोदाम बनवाएगी, जहां गांव के ही एक व्यक्ति को जॉब मिल जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन प्रयासों से सरकार की योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने का काम तो होगा ही, आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना में पंचायतों की आत्मनिर्भरता का विजन भी सरकार हो पाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में बहुत कम पैसा आता है वह यदि आय के अतिरिक्त स्त्रोत सृजित करेंगी तो सरकार भी उनकी भरपूर मदद करेगी। ऐसी पंचायतों में पैसे की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

ग्राम सचिवालय की तर्ज पर हो नगर पंचायत सचिवालय का स्वरूप

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ काम कर रही है। कहीं पर बड़े-बड़े हाईवे बन रहे हैं, एयरपोर्ट बन रहे हैं, मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, स्कूल कॉलेज बन रहे हैं। तो इसके साथ ही उद्योग और रोजगार को लेकर भी अनेक कार्य आगे बढ़ाए जा रहे हैं। सरकार के इस काम में साथ देने के लिए स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायत और नागरिकों को भी अपनी भूमिका पर विचार करना होगा। मुख्यमंत्री ने ग्राम सचिवालय की तर्ज पर नगर पंचायत के सचिवालय का स्वरूप तय करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार ग्राम सचिवालय नागरिकों की सुविधा के साथ रोजगार सृजन के केंद्र बने हैं वैसे ही नगर पंचायत के सचिवालय को भी विकसित किया जा सकता है।

एक नजर

नही रहे दिव्यांग बच्चों के मसीहा चन्द्रशेखर यादव, लंबी बीमारी के कारण निधन

मऊ। बेसिक शिक्षा विभाग के समेकित शिक्षा में दिव्यांग बच्चों को विशेष शिक्षा देने के लिए स्पेशल एजुकेटर के पद पर कार्यरत चंद्रशेखर यादव का लम्बी बीमारी के कारण देहांत हो गया' वे कैंसर से पिछले 2 वर्षों से पीड़ित थें।वे श्रवण बाधित बच्चों के विशेषज्ञ थे उनको स्पेशल शिक्षा देते थे। उनका दिव्यांग बच्चों से विशेष लगाव था।वे मऊ के मुंशीपुरा में अपना आवास बनाकर रहते थे। उनका एक ही लड़का है।घर पर परिजनों का रो रो के बुरा हाल है। उनके निधन की सूचना पर समेकित शिक्षा के जिला समन्वयक अमित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक शोक सभा आयोजित कर उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उनके साथी विशेष शिक्षक अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि स्व. चंद्रशेखर यादव नेक दिल इन्सान थे। ईश्वर मृत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा इस दुख की घड़ी में परिवार को सहनशक्ति दें। शोक सभा मे में प्रमुख रूप से राजेन्द्र चौहान, राजकिशोर यादव, मंजू यादव, सुधाकर राय, प्रीति राय अमरनाथ गुप्त सहित समस्त स्पेशल एजुकेटर्स उपस्थित रहे। विदित हो कि उत्तर प्रदेश सरकार का दिव्यांग बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान नही देने की वजह से बेसिक शिक्षा विभाग का समेकित शिक्षा की पूरी व्यवस्था ही संविदा पर ही संचालित है।जिससे कार्यरत कर्मचारियों के लिए मात्र अल्प मानदेय के अलावा कोई भी सुविधा नही है। जिससे कर्मियों की आकस्मिक मृत्यु के बाद सरकार की ओर से कोई भी सहयोग राशि प्राप्त नही होती है जिससे परिवार के लोगों के सामने और समस्या खड़ी हो जाती है। वैसे ही चंद्रशेखर यादव का परिवार उनकी दवा कराते कराते टूट चुका था अब तो परिवार के सामने आर्थिक संकट उतपन्न हो जाएगा। जनपद के सभी स्पेशल एजुकेटर ने सरकार से मांग की है कि संविदा कर्मियों के लिए भी उनके विकट परिस्थितियों में परिवार जनों के लिए राज्यकर्मियों की तरह सहयोग मिलता रहे।

बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में सेवायोजित करने हेतु रोजगार मेले का आयोजन 28 को

मऊ। जिला सेवायोजन अधिकारी आशुतोष प्रसाद ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय आई०टी०आई० मऊ, के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 28 अक्टूबर 2024 को प्रातः 10:30 बेरोजगार अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र में सेवायोजित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन राजकीय आईटीआई० कैम्पस सहादतपुरा मऊ में किया जायेगा। रोजगार मेले में हिन्डालको इन्डस्ट्रीज द्वारा दो वर्षिय अप्रेन्टिस हेतु पुरुष अभ्यर्थी, आई०टी०आई० उत्तीर्ण फिटर, वेल्डर, टर्नर, ए०सी० मैकेनिक एवं मशीनिष्ट, उम्र 18-28 वर्ष, वेतन-12500 जॉब लोकेशन रेनूकोट सोनभद्र एवं अपोलो टायर्स लि० द्वारा अप्रेन्टिस ट्रेनी आपरेटर हेतु पुरुष अभ्यर्थी, आई०टी०आई० उत्तीर्ण सभी ट्रेड, उम्र 18 से 23 वर्ष, वेतन-15500, जॉब लोकेशन आन्ध्र प्रदेश कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से चयन की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी, हिन्डालको में 2 वर्ष की अप्रेन्टिश के उपरान्त अभ्यर्थियों को नियमित किया जायेगा। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in) पर sign up/log in मेन्यू मे जाकर Campus Students/General jobseeker ऑप्शन का चयन कर अपनी आई०डी० एवं पासवर्ड बनाते हुए अभ्यर्थी अपना पंजीयन पूर्ण करने के बाद मेले मे प्रतिभाग कर अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार प्राप्त कर सकेगें।

साइबर फ्रॉड से जुड़े चार अभियुक्त गिरफ्तर

वाराणसी। वाराणसी पुलिस को बड़ी कामयाबी तब हाथ लगी जब साइबर फ्राड से जुड़े चार अभ्युक्त इनके हत्थे चढ़े। पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि यहां पूरा नेटवर्क सक्रिय है और इस नेटवर्क का मास्टर माइंड दुबई में बैठकर गैंग को चला रहा है। पुलिस को जानकारी मिली है कि ये साइबर अपराध के आरोपी बेहद शातिर ढंग से पहले ये ग्रामीण लोगों को जोड़कर उनके खाते खुलवाते थे। फिर साइबर अपराध का पैसा उसमें मंगा लेते थे। इतना ही नहीं दूर देश में बैठा शातिर पूरी गतिविधि पर अपनी नजर रखता था और वहां पर एक एकाउंट के माध्यम से पैसे को निकाल रहा था। पुलिस अब इनसे राजफाश करवा रही है। डीसीपी क्राइम / गोमती जोन प्रमोद कुमार ने बताया कि ये अपराधी बेहद शातिर हैं। पुलिस को इनके पास से सात मोबाइल और सिमकार्ड मिले हैं। बताया कि अलग अलग जगहों पर इन्होने 125 एकाउंट खोल रखे हैं। पुलिस अब एकाउंट खोलने में इन्होंने किन कागजातों का इस्तेमाल किए जाने की जांच कर रही है।

खाद्य विभाग की टीम ने 41 बोरी बेसन को किया सीज, 14 किलो को किया नष्ट

केटी न्यूज/बलिया

दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग के मंडलीय व बलिया टीम ने शुक्रवार को संयुक्त अभियान में 41 बोरी बेसन जिसका मूल्य लगभग पैसठ हजार छःसौ रुपए है को सीज कर दिया। टीम ने 14 किलो खोया जो मानव उपभोग हेतु अनुपयुक्त था को पकड़ा। जिसे मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। इसके अलावा टीम ने खोया, बूंदी, बेसन व चना के नव नमूने लिए।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ के आदेश पर दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज पर्व को लेकर मण्डलीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुहम्मद साकिब व सहायक आयुक्त द्वितीय वेद प्रकाश मिश्र के नेतृत्व संयुक्त टीम ने शुक्रवार को विशेष अभियान चलाया। जिसमें खोया मण्डी बलिया से खोया के चार, बूंदी के दो नमूनें संग्रहित किये गये। इसी दौरान संयुक्त टीम ने लगभग 14 किलो खोवा पकड़ा जो मानव उपभोग हेतु अनुपयूक्त था। जिसे मौके पर ही नष्ट कराया गया। टीम ने बालेश्वर घाट रोड वैभव गुप्ता की चक्की से बेसन एवं बेसन में प्रयुक्त चना की दाल की जांच की। बेसन में मिलावट व रंग के प्रयोग की संभावना को देखते हुए 41 बोरी बेसन को सीज कर खाद्य कारोबारकर्ता के अभिरक्षा में रखा गया। यहां से बेसन , बेसन में प्रयुक्त चना के दाल तथा बेसन मे प्रयोग हेतु अपमिश्रक सहित तीन नमूने लिये। टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश कुमार राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार, अखिलेश कुमार मौर्या, सतीश कुमार सिह ओम प्रकाश यादव धर्मराज शुक्ला राकेश कुमार थे।

वर्तमान अध्यक्ष पति पर लगा पोखरे पर अवैध कब्जा करने का आरोप

नगर पंचायत बेल्थरा रोड का मामला

केटी न्यूज/बलिया

नगर पंचायत बेल्थरारोड के पूर्व चेयरमैन एवं वार्ड नंबर 10 निवासी अशोक कुमार मधुकर के नेतृत्व में पूर्व चेयरमैनों ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें नगर के बीचोबीच 186 एकड़ भूमि में बने तालाब पर वर्तमान अध्यक्ष के पति एवं पूर्व अध्यक्ष द्वारा जमीन कब्जा करने की नीयत से अवैध रूप से निर्माण किया जा रहा है। जिसका मुकदमा राजस्व परिषद लखनऊ न्यायालय में विचाराधीन है। जिसकी अग्रिम तारीख 28 अक्टूबर 2024 को निर्धारित है। ऐसे में मौके पर यथास्थिति बनाए रखने के लिए थानाध्यक्ष उभांव को आदेशित करने की मांग की।

ज्ञापन में उल्लेख किया है कि प्रार्थी नगर के बीचोबीच स्थित 1.86 एकड़ भूमि में रजिस्टार वायनामा 21 जनवरी 1901 के आधार पर संक्रमणी भूमिधर है। उक्त आराजी से संबंधित एवं राजस्व परिषद न्यायालय लखनऊ में विचाराधीन है। बावजूद विपक्षी नगर पंचायत बेल्थरारोड के वर्तमान अध्यक्ष के पति एवं पूर्व अध्यक्ष द्वारा दबंगई व गुंडई के बल पर अपने सहयोगी को लेकर भूमि पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। हम लोगों द्वारा मना करने पर गालीगुप्ता देते हुए मारपीट करने आमादा हो जाया करते हैं। ऐसी स्थिति में मौके पर यथास्थिति कायम किए जाना निमांत आवश्यक है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में किया निमार्णाधीन आयुष विश्वविद्यालय का निरीक्षण

दिसंबर में आयुष विश्वविद्यालय के भव्य उद्घाटन की है योजना : मुख्यमंत्री

केटी न्यूज/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार शाम भटहट के पिपरी में बन रहे प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया कि 30 नवंबर तक सभी बचे काम हर हाल में पूरा करें ताकि दिसंबर माह के आयुष विश्वविद्यालय का भव्य उद्घाटन कराया जा सके। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि इस समय सीमा तक कोई कोताही हुई तो निर्माण कराने वाली एजेंसी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निरीक्षण के दौरान सबसे पहले आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण की भौतिक प्रगति की जानकारी ली। इस संबंध में आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से बातचीत करते हुए वह प्रशासनिक भवन पहुंचे। कुलपति ने बताया कि प्रशासनिक भवन में हॉस्पिटल भी अवस्थित है। मुख्यमंत्री ने जब इस भवन की पूर्णता को लेकर सवाल किए तो उन्हें बताया गया कि अभी इसमें लिफ्ट लगने और कुछ हद तक फाइनल फिनिशिंग का काम शेष है। इस पर सीएम योगी ने कहा कि आयुष विश्वविद्यालय का उद्घाटन दिसंबर में कराने की योजना है। इसलिए 30 नवंबर तक निर्माण और फिनिशिंग से बचे सभी काम खत्म हो जाने चाहिए।

अन्यथा की दशा में कड़ी कार्रवाई के लिए रहें तैयार: निरीक्षण करने के बाद सीएम योगी ने आयुष विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में विश्वविद्यालय के निर्माण की प्रगति और संचालन को लेकर भावी कार्ययोजना पर समीक्षा बैठक की। बैठक में भी उन्होंने लोक निर्माण विभाग और निर्माण कराने वाली एजेंसी को चेतावनी दी कि 30 नवंबर तक की समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्माण कार्य हर हाल में पूर्ण हो जाना चाहिए। अन्यथा की दशा में कड़ी कार्रवाई का सामना करने को तैयार रहें। बैठक में निर्माण की पूर्णता को लेकर सीएम ने जो सवाल पूछे उसे लेकर निर्माण कराने वाली एजेंसी से जुड़े लोगों के पसीने छूटने लगे थे।

आयुष विश्वविद्यालय के संचालन को लेकर उन्होंने कुलपति और आयुष विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से सवाल किया कि इसे लेकर उनकी क्या तैयारी है। जानकारी लेने के बाद सीएम योगी ने कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्णतः संचालन के लिए जितने भी पदों के सृजन की आवश्यकता है, उसकी प्रक्रिया अगले दस दिन में जरूर पूरी कर ली जाए। इसके साथ ही परिनियमावली बनाने का काम भी जल्द से जल्द फाइनल कर लिया जाए।

ग्रीन कैम्पस वाला बने आयुष विश्वविद्यालय

सीएम योगी ने प्रशासनिक भवन के हाल और कमरों का अवलोकन किया और उसके बाद खुले परिसर में आ गए। उन्होंने परिसर में खाली पड़े हिस्सों में पौधरोपण कर इसे ग्रीन कैम्पस के रूप में विकसित करने और लैंड स्केपिंग के निर्देश दिए। उन्होंने यह हिदायत भी दी कि अभी से ऐसी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित करें जिससे भविष्य में कभी भी परिसर में वाटर लॉगिंग न हो।

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुआ पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

केटी न्यूज/मऊ

उप्र खेल निदेशालय के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय, मऊ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय जूनियर बालक/बालिका एथेलेटिक्स एवं जिम्नास्टिक तथा जूनियर बालक क्रिकेट प्रतियोगिताओं में फुटबॉल तथा हैण्डबाल प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि जितेन्द्र सिंह प्रशिक्षु क्षेत्राधिकारी तथा विशिष्ट अतिथि राजेश तिवारी सभासद नगर पालिका परिषद् मऊ द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि का स्वागत डीपी सिंह, क्रीडाधिकारी मऊ द्वारा पुष्प गुच्छ तथा बैज लगा कर किया गया। उक्त फुटबाल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला नवयुवक फुटबाल एकेडमी तथा स्टेडियम मऊ के मध्य खेल गया जिसमे स्टेडियम की टीम ने मुकाबले को 03 - 00 से जीत लिया साथ ही हैण्डबाल प्रतियोगिता में स्टेडियम अ तथा स्टेडियम ब के मध्य खेला गया जिसमे स्टेडियम अ ने 05 - 03 से मुकबला जीत लिया। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन ओमेन्द्र सिंह द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर संजय सिंह (सचिव जिला हांकी संघ), संजय सिंह (जिला हैण्डबाल संघ), हांजी मुनौउर (सचिव जिला फुटबाल संघ), राजीव जायसवाल, अखिलेश खरवार, भूपेंद्रनाथ, रीमा यादव, मोईन खान, रितेश कुमार दास, मनोज यादव, सोनिया कुमारी, दिवाकर (लेखाकार जिला खेल कार्यालय) आदि लोग उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

चडरी तालाब से सरला बिरला स्कूल के छात्र का शव बरामद

रांची। कोतवाली थाना क्षेत्र के चडरी तालाब से शुक्रवार की सुबह सरला बिरला स्कूल के छात्र का शव बरामद हुआ है. स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. छात्र की मौत नशे की हालत में पानी में डूबने से हुई है या फिर हत्या कर उसके शव को पानी में फेंका गया है, पुलिस इसकी जांच कर रही है. मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा.

तोपचांची में टेंपो से 200 लीटर देसी शराब जब्त, 2 गिरफ्तार

धनबाद। तोपचांची थाना पुलिस ने गुरुवार को दो टेंपो से करीब 200 लीटर अवैध देसी (महुआ) शराब जब्त किया. पुलिस ने शराब के अवैध धंधे में लिप्त दो लोगों को गिरफ्तार किया है. थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों टेंपो पर गैलन व प्लास्टिक के बोतलों में शरार रखी हुई थी. पकड़े गए दोनों लोग इसे सप्लाई के लिए ले जा रहे थे. पुलिस ने दोनों टेंपो को भी जब्त कर लिया है. थाना प्रभारी ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा.

राजमहल से भाजपा के अनंत ओझा, झामुमो के एमटी राजा व निर्दल सुनील यादव ने भरा पर्चा

साहिबगंज। झारखंड में दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन गुरुवार को साहिबगंज जिले की राजमहल सीट से भाजपा प्रत्याशी अनंत ओझा, झामुमो के एमटी राजा व निर्दलीय सुनील यादव ने नामांकन दाखिल किया. प्रत्याशियों ने राजमहल अनुमंडल कार्यालय में निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीओ कपिल कुमार के समक्ष नामजदगी का पर्चा दाखिल किया. इस मौके पर अनुमंडल कार्यालय के बाहर प्रत्याशियों के समर्थकों की भीड़ लगी रही.

गावां पुलिस ने 50 लीटर महुआ शराब नष्ट की

गिरिडीह। गावां थाना पुलिस गुरुवार को अवैध महुआ शराब के धंधे के खिलाफ अभियान चलाया. पुलिस की टीम ने बरमसिया में छापेमारी कर 50 लीटर महुआ शराब जब्त कर उसे नष्ट कर दिया. थाना प्रभारी महेश चंद्र ने बताया कि बरमसिया गांव में अवैध शराब चुलाई की शिकायत मिल रही थी. इसके बाद वहां एक घर में छापेमारी कर घर से कुछ दूरी पर गैलन में रखी 50 लीटर शराब बरामद की गई. पुलिस को देख धंधेबाज भाग निकले.

यात्रियों से भरा ऑटो पुल से नीचे गिरा, 5 लोग घायल

साहिबगंज। बोरियो–बोआरीजोर मुख्य मार्ग पर हिमालियन स्कूल के समीप गुरुवार को यात्रियों से भरा ऑटो अनियंत्रित होकर पुल के नीचे नाले में गिर गया. हादसे में ऑटो पर सवार 5 लोग घायल हो गए. घायलों में ललमटिया के बाबूपुर कासी टोला निवासी संतोष मुर्मू, बिहारी मुर्मू, सुहागिनी बास्की, शिला बास्की व बाजे टुडू शामिल हैं. सभी अपने घर से ऑटो पर सवार होकर बोरियो के डुमरिया मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे. इसी दौरान हिमालियन स्कूल की छुट्टी होने पर बच्चे स्कूल से बाहर निकल रहे थे. बच्चों को बचाने के क्रम में ऑटो अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गया. सभी घायलों को इलाज के लिए बोरियो सीएचसी ले जाया गया. डॉ. रोहित कुमार मंडल ने गंभीर रूप से घायल संतोष मुर्मू व बाजे टुडू को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल साहिबगंज रेफर कर दिया.

खूंटी और तोरपा विधानसभा सीट से तीन-तीन प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन पत्र

खूंटी। पिछले 25 वर्षों से खूंटी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे वर्तमान विधायक नीलकंठ सिह मुंडा तोरपा सीट से इसी पार्टी के प्रत्याशी और विधायक कोचे मुंडा और झामुमो के सुदीप गुड़िया के अलावा अन्य दो प्रत्याशियों ने गुरुवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। खूंटी विधानसभा सीट से नीलकंठ सिंह मुंडा के अलावा एपीआई के सामुएल पूर्ती और निर्दलीयं दुर्गावती ओडेया ने नामांकन प्रपत्र भरा। इसके साथ ही सात अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन प्रपत्र खरीदा। तोरपा विधानसभा क्षेत्र (59) से भाजपा के कोचे मुण्डा के अलावा झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुदीप गुडिया और, स्वतंत्र उम्मीदवार शिवराज बड़ाईक ने नामजदगी के पर्चे भरे। इस सीट से एक अभ्यर्थी ने नामांकन पत्र खरीदा।

नामांकन के दौरान भाजपा और झामुमो ने दिखाई अपनी राजनीतिक ताकत : आगामी 13 नवंबर को होनेवाले चुनाव को लेकर खूंटी और तोरपा सीट से नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान भाजपा और झामुमो ने अपनी राजनीतिक पकड़ का प्रदर्शन किया। खूंटी सीट से नामांकन के दौरान कचहरी मैदान में मेले सा दृश्य नजर आया। हजारों कार्यकर्ता छोल-नगाड़े और फूलमालाओं के साथ कचहरी मैदान में जमा हुए। अनुमंडल कार्यालय से नामांकन करने के बाद जैसे ही नीलकंठ सिंह मुंडा बाहर निकले भाजपा कार्यर्क्ताओं और समर्थकों ने उन्हें फूलमालाओं से लाद दिया। नामांकन के बाद खुली जीप से नीलकंठ सिंह मुंडा ने रोड शो किया। भाजपा कार्यकर्ताओं का काफिला जुलूस के रूप मं पतरा मैदान पहुंचा और सभा में तब्दील हो गया। इधर तोरपा सीट से भाजपा प्रत्याशी कोचे मुंडा अपने सैकड़ां समर्थकों के साथ समाहरणालय पहुंचे और नामजदगी का पर्चा दाखिल किया। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं सैकड़ों वाहनों में कोचे मुंडा के समर्थ्रन में खूंटी पहुंचे थे।

झामुमो ने भी दिखाई राजनीतिक पकड़ : तोरपा सीट से झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार सुदीप गुड़िया के नामांकन के दौरान पार्टी कार्यकताओं की भारी भीड़ के बहाने झामुमों ने भी गांव-देहात के मतदाताओं में अपनी कपड़ का प्रदर्शन किया। झामुमो और कांग्रेस के हजारों समर्थक नामांकन के पहले कचहरी मैदान में जमा होकर ढोल-नगाडों और नृत्य मंडली के साथ समाहरणालय पहुंचे। झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा सहित कई नेता नाामंकन के दौरान मौजूद थे।

मुझे मतदाताओं पर पूरा भरोसाः नीलकंठ सिंह मुंडा : भाजपा प्रत्याशी नीलकंठ सिंह मुडा ने कहा कि 2000 से से 2019 तक के सभी पांच विधानसभा चुनावों में खूंटी क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद मुझे मिलता रहा। उनके स्नेह और समर्थन से मै पिछले पांच चुनावों से खूंटी क्षेत्र का विधायक बनता आया हूं। उन्होंने कहा कि अपने 25 वर्षों के कार्यकाल में खूंटी विधानसभा क्षे के हर गांव तक विकास योजनाओं को पहुंचाया। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई गांव नहीं है, जहां, बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी सुविधा न पहुंची हो।

भारी भीड़ देख गदगद नजर आये नीलकंठ और उनके समर्थक : बनामांकन के दौरान उमड़ी समर्थकों की भारी भीड़ देख भाजपा प्रत्याशी नीलकंठ सिंह मुडा और उनके समर्थक गदगद नजर आये। भजपा के एक समर्थक ने कहा कि भीड़ को देखकर ही लगता है कि इस बार भी खूंटी में कमल ही खिलेगा। उन्होंने दावा किया नीलकंठ सिंह मुडा छठी बार विधायक चुने जायेंगे।

तोरपा क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद मुझे मिलेगा : कोचे मुडा : नामांकन के बाद तोरपा सीट से भाजपा प्रत्याशी कोचे मुडा ने कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव में क्षेत्र की जनता ने मुझ पर भरोसा जताकर मुझे विधायक बनाया था। इसके पहले भी क्षेत्र की जनता के समर्थन से वे दो बार विधानसभा भेजा था। कोचे मुंडा ने कहा, मुझे विश्वास है कि इस बार भी मतदाताओं का समर्थन और स्नेह उन्हें मिलेगा।

भाजपा को जनता देगी जवाब : सुदीप गुड़िया : तोरपा सीट से झामुमो के उम्मीदवार सुदीप गुड़िया ने कहा कि अपने कार्याकाल के दौरान विधायक ने जनता की उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार से जनता काफी खुश है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के मतदाता भाजपा को उसकी नकारात्मक राजनीति का जवाब देंगे।

सीपी सिंह, महुआ माझी, अजय नाथ शाहदेव, नवीन जायसवाल सहित कई नेताओं ने किया नामांकन

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर गुरुवार को रांची से भाजपा प्रत्याशी सीपी सिंह, हटिया से भाजपा प्रत्याशी नवीन जायसवाल और महागठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी अजयनाथ शाहदेव ने नामांकन किया। अजय नाथ शाहदेव ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार और सीपी सिंह ने सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार गुप्ता के समक्ष अपना पर्चा भरा। इसके अलावा खिजरी से कांग्रेस प्रत्याशी राजेश कच्छप और कांके से भाजपा प्रत्याशी जीतू चरण राम ने भी पर्चा भरा। वहीं रांची से महागठबंधन से जेएमएम प्रत्याशी महुआ माजी ने भी नामांकन किया। झारखंड में विधानसभा चुनाव दो चरणों में होने वाले हैं। पहला चरण 13 नवंबर को होगा। रांची जिले में पहले चरण में पांच विधानसभा क्षेत्रों (तमाड़, रांची, हटिया, कांके व मांडर) में और दूसरे चरण में दो विधानसभा क्षेत्रों (सिल्ली और खिजरी) में चुनाव होंगे। पहले चरण के नॉमिनेशन की अंतिम तारीख 25 अक्टूबर और दूसरे चरण के नॉमिनेशन की अंतिम तारीख 29 अक्टूबर होगी।

बीकेएस तिवारी गिरोह का सक्रिय सदस्य बुढ़मू से गिरफ्तार

रांची। लेवी के लिए हाइवा में आगजनी व गोलीबारी करने वाले बीकेएस तिवारी गिरोह के सक्रिय सदस्य अर्जुन मुंडा उर्फ डॉन को पुलिस ने बुढ़मू से गिरफ्तार किया है. रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बुढ़मू थाने की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नक्सली संगठन बेकेएस तिवारी के सरगना रामेश्वर महतो उर्फ पहाड़ी ग्रुप के सक्रिय सदस्य अर्जुन मुंडा उर्फ डॉन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. पुलिस को सूचना मिली थी कि अर्जुन मुंडा उर्फ डॉन बुढ़मू थाना क्षेत्र के कोठा गांव आया हुआ है. इसके बाद डीएसपी रामनारायण चौधरी के नेतृत्व में टीम गठित कर कोठा गांव में छापेमारी कर उसे दबोच लिया गया. हाल ही रामेश्वर महतो उर्फ पहाड़ी ने टीएसपीसी से अलग होकर बीकेएस तिवारी ग्रुप बनाया था. पुलिस की पूछताछ में अर्जुन मुंडा ने बताया कि 21 जून 2020 को बुढ़मू थाना क्षेत्र के कंडेर मोड़ पर संतोष लोहरा की हत्या में रामेश्वर महतो के साथ वह भी शामिल था. पांच नवंबर 2021 को सिरम जंगल में हुई लूटपाट में राहुल गंझू उर्फ खलील, दिनेश, मनोज मुंडा और अनीश अंसारी के साथ भी वह शामिल था.

मैं अपने वायदों को पूरा करता हूं: प्रकाश राम

लातेहार। लातेहार विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी प्रकाश राम ने कहा कि संगठन ने उन पर विश्वास कर एक बार फिर टिकट दिया है. यह सब आप सब जनता और कार्यकर्त्ता के स्नेह के कारण संभव हुआ है. राम नामांकन करने जाने से पूर्व पुराना पुलिस लाइन मैदान मे सभा को संबोधित कर रहे थे. मंत्री व स्थानीय विधायक बैद्यनाथ राम का नाम लिये बिना कहा कि लातेहार के लिए सौभाग्य की बात थी कि क्षेत्र को तीन-तीन बार मंत्री मिले. लेकिन मंत्री मिलने के बाद भी क्षेत्र का कोई विकास नहीं हुआ. आज भी लातेहार की समस्या जस की तस है. उन्होंने अपने कार्यकाल में लातेहार में दो डिग्री कॉलेज की स्वीकृति दिलायी, भवन का निर्माण भी हो गया, लेकिन आज तक उसमें पढ़ाई शुरू नहीं हुआ.

राम ने कहा कि जिले में जमीन सर्व में काफी गड़बड़ी हुई. इसके लिए पूर्व की रघुवर दास की सरकार ने मिनी सर्वे कराने के लिए लातेहार में पदाधिकारियों की नियुक्ति करायी. लेकिन हेमंत सोरेन की सरकार आते ही यहां से पदाधिकारियों को हटा दिया गया. भाजपा की सरकार ने गैर मजरूआ

जमीन का रसीद काटना और ऑनलाइन करने का कार्य शुरू कराया, लेकिन भाजपा सरकार जाते ही ऐसे जमीन का रसीद कटना बंद हो गया.

हेमंत सोरेन के कार्यकाल में पूरे प्रदेश में अपराध बढ़ गया है. अपराधी हत्यायें व अपराध कर भाग जाते हैं, लेकिन पुलिस अपराधियों को पकड़ नहीं पाये. जिले में भी कई हत्यायें हुई और अपराधी पकड़े नहीं गये हैं. चुनाव जीतने के बाद वे उन परिवारों को न्याय दिलायेगें. उन्होंने कहा कि चुनाव के एक महीने पहले हेमंत सोरेन सरकार को प्रदेश की माता-बहनों का ख्याल आया. उन्होंने चुनाव से ठीक पहले मइयां सम्मान योजना ला कर उन्हें ठगने का काम किया गया.

रामने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर प्रदेश की माता व बहनों को 25 सौ रूपये दिया जायेगा. महिलाओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनायेंगे. हर प्रखंड में डिग्री कॉलेज खुलवाने का वह प्रयास करेंगे. उन्होंने कहा कि मैं जो वायदा करता हूं, उसे पूरा करता हूं. कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जोखन साहू, अविनाश कुमार सिंह, मुकेश रंजन सिन्हा, जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, जिप अध्यक्ष पूनम देवी, कल्याणी पांडेय, असीम कुमार बाग, कुंति देवी, अमलेश कमार सिंह, पवन कुमार, पवन कुमार साहू, अमरजीत सिहं, विशाल चंद्र साहू, राजीव कुमार गुप्ता, गोविंद प्रसाद, वंशी यादव, रविराज, प्रदीप अग्रवाल, रामू प्रसाद, विष्णु देव गुप्ता, अनिल सिंह आदि मौजूद थे. इसके बाद एक जुलूस की शक्ल में प्रकाश राम नामांकन करने के लिए अनुमंडल कार्यालय पहुंचे.

बीजेपी जुमलेबाज, झामुमो जो कहता है उसे करता है: हेमंत सोरेन

साहिबगंज। बोरियो से झामुमो प्रत्याशी धनंजय सोरेन ने गुरुवार को नामांकन किया. इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मौजूद थे. नामांकन के बाद डुमरिया मैदान में आयोजित सभा में हेमंत सोरेन ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा. कहा कि भाजपा जुमलेबाज पार्टी है. जबकि झामुमो जो कहता है, उसे कर दिखाता है. काम में हमारा विस्वास है.

अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना लाई, जिससे महिलाएं स्वावलंबी हो रही हैं. महिलाओं के खाते में तीन किस्त की राशी भेज दी गई है. सरकार ने गरीबों को तीन कमरे वाला आबुआ आवास देने का काम किया है. लोगों को 200 यूनिट फ्री बिजली मिल रही है. बकाया बिजली बिल भी माफ कर दिया गया है. इसके ठीक उलट भाजपा साजिश के तहत विकास कार्यों को रोकने की कोशिश में लगी रही. इससे जनता को सावधान रहने

की जरूरत है. उन्होंने लोगों से झामुमो प्रत्याशी धनंजय सोरेन को विजयी बनाने की अपील की. इससे पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया. उन्हें बुके व शॉल ओढ़कर सम्मानित किया गया. मौके पर बोरियो से झामुमो प्रत्याशी धनंजय सोरेन सहित बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे.

पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी में पिस्टल के साथ शातिर अपराधी समेत 3 गिरफ्तार

गिरिडीह। विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही गिरिडीह जिला पुलिस एक्शन मोड में है. एसपी डॉ विमल कुमार ने आर्थिक अपराध के खिलाफ मुहीम तेज कर दी है. इसी कड़ी में अहिल्यापुर, बेंगाबाद, पचंबा, मुफ्फसिल, लोकाई नयनपुर, निमियाघाट, नवडीहा ओपी व भेलवाघाटी थाना क्षेत्र में सदर एसडीपीओ जितवाहन उरांव के नेतृत्व टीम गठित कर विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया. अहिल्यापुर थाना क्षेत्र से ऑटोमेटिक पिस्टल, कट्टा, मैगजीन व जिन्दा कारतूस एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया. वहीं, बेंगाबाद थाना क्षेत्र में एक किराना के दुकान से भारी मात्रा में गांजा व नकद 55 हजार रुपए के साथ एक धंधेबाज़ को गिरफ्तार किया गया. पचंबा थाना क्षेत्र में भी एक ठिकाने पर छापेमारी कर गांजा के साथ बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त की गई. वहीं, साइबर डीएसपी आबिद खान ने छापेमारी कर एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया. एसपी डॉ विमल कुमार ने कहा कि जिले में किसी भी हालत में आर्थिक अपराध पनपने नहीं दिया जायेगा. जरूरत पड़ी तो ड्रोन कैमरे से निगाहबानी की जाएगी.

जेसोवा दिवाली मेला: श्रृंगार से परिधान तक, सब कुछ आकर्षक

रांची। मोरहाबादी मैदान में पांच दिवसीय जेसोवा दिवाली 2024 मेला आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. मेले के दूसरे दिन खराब मौसम को चुनौती देते हुए रांची एवं आसपास से लोग मेले में पहुंचे और जमकर खरीदारी की. ट्रेडिशनल ज्वैलरी, खादी के कपड़े, कश्मीरी पश्मीना खूब डिमांड में है. स्टाइलिश फैशन के साथ-साथ होम डेकोर के प्रोडक्ट लोगों को आकर्षित कर रहे हैं.

मेला घूमने आई प्राची ने बताया कि दिवाली मेले में आकर को वो बहुत खुश है. यहां घर सजाने से लेकर कपड़े सब कुछ मिल रहे हैं. कश्मीर, मैसूर सहित देश विदेश के प्रोडक्ट के प्रति लोगों का रुझान देखा गया. साथ ही हैंडलूम प्रोडक्ट और

हैंडीक्राफ्ट के उत्पादों के प्रति लोगों ने विशेष उत्सुकता दिखाई दी.

खादी और झारक्राफ्ट स्टॉल पर भीड़

स्वदेशी प्रोडक्ट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेले में झारक्राफ्ट और खादी के उत्पादों के स्टॉल पर ग्राहकों की काफी भीड़ देखी गयी. अफगानी ड्रायफ्रूट के स्टॉल पर तरह-तरह के स्वास्थ्यवर्धक ड्राई फ्रूट मिल रहे हैं. दिवाली मेले में सबसे ज्यादा भीड़ फूड कोर्ट में रही. फूड कोर्ट में करीब अनेक प्रकार के व्यंजन उचित दाम पर परोसे जा रहे हैं. कोर्ट में भोला लिट्टी, आइसक्रीम स्टॉल, चाइनीज फूड और विभिन्न तरह के हेल्थी जूस के स्टॉल लगाए गए हैं.

राजद नेत्री रानी कुमारी ने रांची से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में भरा पर्चा

रांची। झारखंड प्रदेश राजद महिला प्रकोष्ठ की पूर्व अध्यक्ष रानी कुमारी ने गुरुवार को रांची विधानसभा सीट से बतौर निर्दलीय प्रत्याशी नामांकन दाखिल किया. वह नारी शक्ति सेना (गुलाबी गैंग) की महिलाओं के साथ रांची समाहरणालय पहुंचीं और नामजदगी का पर्चा दाखिल किया. रानी कुमारी पिछ्ले करीब 3 दशक से राजद से जुड़ी रहीं. इस दौरान उन्होंने पार्टी के कई महत्वपूर्ण पदों पर रहकर काम किया है. इस बार विधानसभा चुनाव में रांची सीट से उन्होंने अपनी दावेदारी पेश की थी. उनके मुताबिक पार्टी सुप्रीमो से उन्हें ग्रीन सिग्नल भी मिल गया था. लेकिन अंतिम समय में उन्हें पार्टी का टिकट नहीं मिल सका और रांची सीट से इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी डॉ महुआ माजी (झामुमो) को टिकट दे दिया गया. इससे नाराज होकर रानी कुमारी ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर निर्दलीय प्रत्याशी

के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया. इस मौके पर मीरा देवी, गंगा देवी, गीता देवी, सुषमा देवी, अनीता देवी, कबूतरी देवी, सुषमा कुमारी, चिंता देवी, सुनीता देवी, बेबी देवी, प्रमिला देवी, खुशबू देवी, सरिता देवी, ज्योति देवी सहित अन्य महिलाएं मौजूद थीं.

सुभाषितम्

चतुराई और चालबाजी दो चीजें हैं, एक में ईश्वर की प्रेरणा होती है और दूसरा हमारी फितरत से पैदा होता है। - सुमन सिन्हा

अमेरिकी डॉलर के एकाधिकार को ब्रिक्स देशों की चुनौती से हड़बड़ाया अमेरिका

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स सम्मेलन में एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। ब्रिक्स सम्मेलन में अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देने के संकेत दिए हैं। यह कदम वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। कई दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर का वर्चस्व बना हुआ है। रूस की आर्थिक नीतियों तथा दुनिया के कई अन्य देश जो ब्रिक्स में शामिल हैं, पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की दादागिरी और अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते वैकल्पिक मुद्रा पर विचार करना शुरू कर दिया है। वैश्विक आर्थिक सत्ता एवं मुद्रा के लेन-देन में संतुलन बनाने के लिए बदलाव के प्रयास तेज हो गए हैं। रूस पहले से ही पश्चिमी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। ईरान और अन्य देश भी इससे प्रभावित हैं। अब रूस अन्य छोटे-बड़े देशों के साथ मिलकर एक नया आर्थिक तंत्र विकसित करने की तैयारी कर रहा है। यह कदम चीन, भारत और ब्रिक्स देशों के साथ निकट आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में बहुत बड़ा बदलाव होगा। पुतिन ने स्पष्ट किया है, उनकी योजना डॉलर के प्रभाव को कम करने, रूबल तथा अन्य देश की स्थानीय मुद्राओं के लेनदेन को बढ़ावा देने पर आधारित है। दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमेरिका प्रथम स्थान पर है, जबकि चीन, जर्मनी, जापान और भारत सबसे बड़ी 5 अर्थव्यवस्था हैं। डॉलर मुद्रा को चुनौती देने का सबसे पहला और महत्वपूर्ण कारण यह है, अमेरिकी डॉलर का वर्चस्व लेनदेन तक सीमित नहीं रहा। डॉलर मुद्रा का उपयोग राजनीतिक तथा अलगाव और युद्ध होने की दशा में हथियारों से भी ज्यादा खतरनाक हो गया है। वैश्विक मंच पर अमेरिका अपनी आर्थिक ताकत का उपयोग कर अन्य देशों पर प्रतिबंध लगाने और दबाव डालने में समर्थ होता है। रूस को आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों ने रूस सहित कई अन्य देशों को डॉलर के विकल्प को बनाने की दिशा में अग्रसर कर दिया है। ब्रिक्स सम्मेलन के इस निर्णय का उद्देश्य अमेरिका की दादागिरी से अन्य देशों को बचाना है। ब्रिक्स देशों को अमेरिका की डॉलर मुद्रा से स्वतंत्र कराकर आत्मनिर्भर बनाना है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त करना है। आयात और निर्यात के कारोबार में डॉलर की निर्भरता कम से कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। वैश्विक व्यापार में दुनिया के अन्य देश खुलकर अमेरिका एवं यूरोपीय देशों का मुकाबला कर पाएं, इससे ब्रिक्स सम्मेलन में आए सभी देश सहमत थे। ब्रिक्स सम्मेलन के इस निर्णय के दीर्घकालिक परिणामों को लेकर चिंता भी व्यक्त की जा रही है। रूस और ब्रिक्स में शामिल अन्य देश वास्तव में एक स्थायी वैकल्पिक अर्थतंत्र और डॉलर के विकल्प के रूप में नई मुद्रा विकसित कर पाएंगे, या यह अस्थायी कोशिश बनकर रह जाएगी। वैश्विक स्तर पर डॉलर की पकड़ कमजोर करना वर्तमान में आसान नहीं है। लेकिन रूस, चीन, भारत और खाड़ी के देश इसमें शामिल होने से अमेरिका को बहुत बड़ी चुनौती मिलने जा रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है। ब्रिक्स देशों की यह कोशिश अमेरिकी वित्तीय एकाधिकार तथा वैश्विक वित्तीय संगठनों को चुनौती देने का साहसिक प्रयास है। रूस और ब्रिक्स देशों का यह कदम न केवल उनके आर्थिक हितों की रक्षा करेगा। वैश्विक व्यापार संधि के अंतर्गत सारी दुनिया के देश बड़ी मात्रा में आयात और निर्यात स्थानीय जरूरत के अनुसार कर रहे हैं। ब्रिक्स संगठन के देश यदि नई मुद्रा चलन में लाते हैं तो यह अमेरिका और उसके मित्र देशों की तुलना में कई गुना ज्यादा होगी। नई मुद्रा अमेरिका और डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने वाली बड़ी वैश्विक रणनीति का हिस्सा है। यूरो मुद्रा का प्रभाव कम देशों के आर्थिक लेनदेन तक सीमित था। ब्रिक्स संगठन में चीन, रूस, खाड़ी के देश और भारत जैसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश शामिल हैं। ऐसी स्थिति में आने वाले समय में, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका भारी प्रभाव पड़ना तय है। अमेरिका डॉलर मुद्रा के बल पर विश्व की अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और अन्य देशों पर अभी जो दबाव बनाकर रखता था, प्रतिबंध के नाम पर डराता और धमकता था, वह ताकत अमेरिका के हाथ से निकल जाएगी। यूरो मुद्रा की तरह डॉलर मुद्रा भी अलग-थलग पड़ जाएगी। यदि ऐसा हुआ, तो अमेरिका और पश्चिम के देश अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। जिससे सारी दुनिया के देशों में अशांति पैदा हो सकती है।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।

विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शाछ्राह में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

चीन से समझौता अहम, लेकिन भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

ललित गर्ग

गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी है। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था। लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं।

द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं।

चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भड़काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं? ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये, ऐसा पहले भी हो चुका है। भारत को चीन से संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ने के पहले इसकी पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं वह फिर से वैसी हरकत तो नहीं करेगा, जैसी डोकलाम, गलवन, देपसांग आदि में की है। यह ध्यान रहे कि अतीत में चीन ने अपने अति महत्वाकांक्षी एवं अतिक्रमणकारी रवैये को तभी छोड़ा है, जब भारत ने यह जताने में संकोच नहीं किया कि वह बहुपक्षीय सहयोग के ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठनों को अपेक्षित महत्व देने से इन्कार कर सकता है। अब चीन को झुकना उसकी विवशता बन गयी है, क्योंकि उसे यह आभास हुआ कि भारत का असहयोग उसके आर्थिक हितों पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। ऐसा हुआ भी है कि भारत ने चीन को अपने देश में बाजार नहीं बनने दिया, जिसका बड़ा खामियाजा उसे भुगतना पड़ा है। चीन की अर्थ-व्यवस्था में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। निःसंदेह संबंध सामान्य होने से चीन के आर्थिक हित सधेंगे, लेकिन भारत को अपने आर्थिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। वैसे यह उम्मीद करना जल्दबाजी ही होगी कि भारत-चीन सीमा पर जमीनी हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। क्योंकि भारतीय जमीन पर चीनी सेना के अतिक्रमण की वजह से ही दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तनाव के कारण दूरियां काफी बढ़ गयी थी। इन दूरियों के दंश को मिटाने में समय, समझ एवं सूझबूझ की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री मोदी एक परिपक्व राजनेता के रूप में पिछले पांच बरसों से राष्ट्रपति चिनफिंग से इसलिए नहीं मिले कि चीन जब तक अपनी सेना पीछे नहीं करेगा, तब तक दोनों की मुलाकात नहीं हो सकती। कजान में हुई बातचीत में जिस तरह रिश्तों को सामान्य बनाने पर जोर दिया गया है, उसके मद्देनजर भारत का जोर इस बात पर भी रहेगा कि एलएसी के पीछे के इलाकों से दोनों देश अपनी सैन्य तैनाती पूरी तरह खत्म कर दें। दोनों देशों को एलएसी पर पूरी तरह परस्पर भरोसे का माहौल कायम करना होगा। भारत के लिए राहत की बात यह है कि देपसांग और डेमचोक पर भी सहमति बनी है। लेकिन भारतीय जनमानस के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि दोनों देशों ने सीमा पर जो 50 हजार सैनिक तैनात कर रखे हैं, उन्हें कब वापस लाया जाएगा? ताजा घटनाक्रम की सफलता एवं सार्थकता तभी संभव है जब एक दूसरे के प्रति आदर, विश्वास, भरोसा और संवेदनशीलता होगी। रूस के कजान शहर में एक अच्छी शुरूआत जरूर हुई है लेकिन आगे का रास्ता तभी खुलेगा जब कुछ हद तक चीन अपना रवैया बदलेगा।

भारत से सीखा परोपकार सारे विश्व ने

आर.के. सिन्हा

रतन टाटा के निधन के पश्चात उनके परोपकारी कामों की विस्तार से चर्चा हो रही है। वैसे, जरा गौर करें तो न केवल टाटा समूह, बल्कि भारत के हरेक छोटे-बड़े लाखों कारोबारी या उद्योगपति अपने स्तर पर कुछ न कुछ परोपकार से जुड़े कामों में लगे हुए ही मिल जायेंगे। यह कहना सरासर गलत होगा कि परोपकार की भावना हमने यूरोप से सीखी है। यह कुछ नासमझ अज्ञानियों का प्रचार भर है। भारत में परोपकार की परंपरा प्राचीन काल से ही गहरी जड़ें जमाए हुए है। हम सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया में विश्वास करने वाले हैं। अभी भी आपको पहली रोटी गौ माता को में विश्वास करने वाले लाखों लोग मिल जायेंगे। धर्म, संस्कृति और समाज के हरेक पहलू में दान, सेवा और परोपकार का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है। वेद और उपनिषद जैसे ग्रंथों में परोपकार को दान और सेवा के रूप में वर्णित किया गया है। हिन्दू धर्म में दान और सेवा का बहुत बड़ा महत्व है। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यासः इन चार आश्रमों में से वानप्रस्थ और संन्यास आश्रमों में परोपकार को ही जीवन का मुख्य लक्ष्य माना गया है। जैन धर्म में दान को अहिंसा के सिद्धांत के साथ जोड़ा गया है। भारत भूमि की देन बौद्ध धर्म में भी दान का खासा महत्व है जो सभी प्राणियों के कल्याण के लिए होता है। भगवान बुद्ध ने अपने जीवनकाल में दान, सेवा और अहिंसा का मार्ग दिखाया। गांधी जी ने सर्वोदय के सिद्धांत पर बल दिया और ग्रामीणों की सेवा और विकास के लिए जीवन भर काम किया। मदर टेरेसा ने भी गरीबों, बीमारों और जरूरतमंदों की सेवा करके मानवता की सेवा की। रतन टाटा की तरह बिड़ला समूह, अजीम प्रेमजी, नंदन नीलकेणी, शिव नाडार जैसे सैकड़ों उद्योगपति परोपकार से जुड़े कार्यों के लिए हर साल हजारों करोड़ रुपया दान देते हैं। भारत के कारोबारियों के डीएनए में समाज सेवा है। टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि से स्थापित इस समूह ने शुरू से ही समाज सेवा को अपने कार्यों का अभिन्न अंग बनाया है। जमशेद जी के परोपकार के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद थे, जिसे अब उनकी तीसरी पीढ़ी भी निभा रही है इसी तरह जिस फक्कड़ संन्यासी के आशीर्वाद से घनश्याम दास बिड़ला ने अपना उद्योग जमाया, उस संन्यासी के आशीर्वाद से करनी और बरनी का काम आज भी बिड़ला समूह अपना रहा है। यह अपने धर्मार्थ कार्यों के माध्यम से भारत में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालता है, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। जमशेदजी टाटा को यह प्रेरणा स्वामी विवेकानंद जी से ही प्राप्त हुई थी। शिकागो के सर्व धर्म सम्मेलन में जाने के पूर्व जब वे दक्षिण भारत का भ्रमण कर रहे थे तो उन्हें यह बात खली कि दक्षिण भारत में विज्ञान की उच्चतर शिक्षा प्रदान करने वाला कोई संस्थान नहीं है। तब उन्होंने विचार किया कि इस काम में टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा उपयुक्त व्यक्ति होंगें और उन्होंने शिकागो जाने के पूर्व उन्हें एक पत्र लिखा स्वामीजी ने टाटा को लिखा कि आप बिहार के जमशेदपुर से अच्छा पैसा कमा रहे हो। मेरी शुभकामना है कि और ज्यादा धन अर्जित करो और ज्यादा लोगों को रोजगार दो। लेकिन, विज्ञान की उच्चतर शिक्षा से वंचित दक्षिण भारत की भी थोड़ी चिंता करो और दक्षिण भारत में कहीं भी विज्ञान की ऊँची पढाई और रिसर्च का कोई बढ़िया संस्थान स्थापित करो। मैं जानता हूँ कि तुम यह कर सकते हो और विश्वास ही कि तुम ऐसा ही करोगे। स्वामी विवेकानंद जी की इस प्रेरक चिट्ठी पढ़ने के बाद जमशेदजी इतने प्रेरित हुए कि उन्होंने बैंगलुरु में तत्काल ही एक विज्ञान का बढिया संस्थान शुरू कर दिया जो आज इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस के नाम से विश्व विख्यात हैं और जो प्रतिभाशाली बच्चे वैज्ञानिक बनाना चाहते है, या रिसर्च या अध्यापन कार्य में अपना करियर बनाना चाहते हैं वे किसी भी आईआईटी में जाने से ज्यादा आईआईएस में जाना ज्यादा पसंद करते हैं। महात्मा बुद्ध, गुरु नानक, और अन्य संतों ने भी परोपकार पर जोर दिया। मध्ययुगीन भारत में, राजाओं और धनिकों द्वारा अनेक धर्मार्थ संस्थानों की स्थापना की गई, जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, और गरीबों की सहायता के लिए समर्पित थे। आपको हरेक गांव, कस्बे, शहर वगैरह में गैर सरकारी प्रयासों से चल स्कूल, कॉलेज, धर्मशालाएं, लंगर और प्याऊ वगैरह मिल जाते हैं। स्वामी विवेकानंद ने दीन-दुखिया जन के लिए सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया। उनका मानना था कि सामाजिक सेवा ही सच्चा धर्म है। विवेकानंद ने सर्वधर्म समभाव और मानवतावाद का संदेश देते हुए, हर व्यक्ति के कल्याण के लिए काम किया। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जो आज भी भारत में विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सेवाएं प्रदान करता है। अभी कुछ दिन पहले शारदीय नवरात्र समाप्त हुए। इस दौरान देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के तमाम शहरों में भंडारे चलते रहे। आप कह सकते हैं इस दौरान भंडारों की बहार थी। सब भंडारे के प्रसाद को प्रसन्नता पूर्वक ग्रहण कर रहे थे। भंडारों में समाज वादी व्यवस्था वास्तव में बहुत प्रभावशाली होती है। भंडारों में प्रसाद के रूप में बंटते हैं छोले, कुलचे, हलवा, पूढ़ी-आलू, ब्रेड पकोड़ा आदि। कुछ भंडारों में खीर का प्रसाद भी वितरित होता है। देश की राजधानी दिल्ली भंडारों की भी राजधानी है। कहने वाले कहते हैं कि कैसेट किंग गुलशन कुमार ने भंडारा संस्कृति का पुनर्जागरण किया था। उन्होंने वैष्णो देवी में भंडारे का आयोजन शुरू किया था। तब दिल्ली वाले वैष्णो देवी में जाकर गुलशन कुमार की तरफ से चलने वाले भंडारे में भोग अवश्य लगाया करते थे। यहां से ही भंडारा संस्कृति न पैर जमाए थे। भंडारे के प्रसाद की बात ही अलग होती है। इसका स्वाद अतुल्नीय होता है। ये भंडारे की महिमा ही मानी जाएगी। भंडारा अपने आप में जात-पात और वर्ग की दीवारों को तोड़ता है। इसमें सब प्रेम से प्रसाद लेते हैं। भंडारे का प्रसाद पूरे अनुशासन से लिया जाता है। कनॉट

महान गणितज्ञ फर्डिनेंड जॉर्ज फ्रोबेनियस

संजय गोस्वामी

फर्डिनेंड जॉर्ज फ्रोबेनियस (26 अक्टूबर 1849 - 3 अगस्त 1917) एक प्रमुख जर्मन गणितज्ञ थे, जिन्हें दीर्घवृत्त (दीर्घवृत्त एक बंद अण्डाकार वक्र है), अंतर समीकरणों, संख्या सिद्धांत और समूह सिद्धांत में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। अपोलोनियस ने दीर्घवृत्त का नाम दियाउन्हें विशेष रूप से उनकी प्रसिद्ध निर्धारक पहचान के लिए जाना जाता है, जिसे फ्रोबेनियस-स्टिकेलबर्गर नियम कहा जाता है, जो अण्डाकार कार्यों से संबंधित है, साथ ही द्विघात रूपों के सिद्धांत को विकसित करने के लिए भी जाना जाता है। परिमित फ्रोबेनियस रिंग्स रिंग्स के एक बड़े वर्ग के रूप में सामने आए हैं जिन्हें कोडिंग सिद्धांत के लिए वर्णमाला के रूप में नियोजित किया जा सकता है, इस अर्थ में कि मैकविलियम्स पहचान और मैकविलियम्स विस्तार प्रमेय को उन वर्णमालाओं वाले कोड के लिए सिद्ध किया जा सकता है इसके अलावा, वह कार्यों के तर्कसंगत सन्निकटन की अवधारणा को पेश करने वाले पहले व्यक्ति थे, जिसे अब धान सन्निकटन के रूप में जाना जाता है, और केली-हैमिल्टन प्रमेय का पहला पूर्ण प्रमाण प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, आधुनिक गणितीय भौतिकी में कुछ विभेदक-ज्यामितीय वस्तुएं, जिन्हें फ्रोबेनियस मैनिफोल्ड्स के नाम से जाना जाता है, उनके नाम पर हैं। फर्डिनेंड जॉर्ज फ्रोबेनियस का जन्म 26 अक्टूबर, 1849 को बर्लिन-चालोटेंनबर्ग, प्रशिया (अब जर्मनी का हिस्सा) में हुआ था। उन्होंने बे समीकरणों, ज्यामिति और संख्या सिद्धांत के परिणामों को एकीकृत किया, जिससे अमूर्त समूहों, समूह प्रतिनिधित्व सिद्धांत और समूहों के लिए सिद्धांत के विकास में योगदान मिला। जॉर्ज फ्रोबेनियस प्रोटेस्टेंट पादरी क्रिश्चियन फर्डिनेंड फ्रोबेनियस और क्रिस्टीन एलिजाबेथ फ्रेडरिक के पुत्र थे। उनका जन्म बर्लिन के चालोटेंनबर्ग जिले में हुआ था, जो 1920 के दशक तक शहर का हिस्सा नहीं बना था। लगभग ग्यारह साल की उम्र में, उन्होंने 1860 में जोकिमस्थल जिम्नेजियम में जाना शुरू किया और 1867 में वहां अपनी पढ़ाई पूरी की। उसी वर्ष, उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए गौटिंगेन विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, लेकिन बर्लिन लौटने से पहले केवल एक सेमेस्टर के लिए रुके। समूह सिद्धांत अपने करियर के उत्तरार्ध में फ्रोबेनियस के लिए रुचि का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र था। उनके शुरूआती योगदानों में से एक अमूर्त समूहों के लिए साइलो के प्रमेयों को सिद्ध करना था, जबकि पहले के प्रमाण क्रमविनिमेय समूहों पर केंद्रित थे। साइलो समूह के अस्तित्व को स्थापित करने वाला साइलो प्रमेय का उनका पहला प्रमाण आज भी सबसे उद्धत प्रमाणों में से एक है। फ्रोबेनियस ने एक मौलिक प्रमेय भी स्थापित किया, जिसमें कहा गया है कि फ्रोबेनियस ने निम्नलिखित मौलिक प्रमेय को भी सिद्ध कियाः यदि एक परिमित समूह में एक सकारात्मक पूर्णांक ल्ल ऋ भाग देने पर, ऋमें समीकरण ७ल्ल = 1 के समाधानों की संख्या किसी धनात्मक पूर्णांक ' के लिए 'ल्ल के बराबर होती है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन लाभ और महत्वाकांक्षा से भरा होगा और आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं।	**तुला** आज भाग्य का साथ मिल रहा है और आपके सुख के साधनों में वृद्धि होगी।
वृषभ आज कारोबारियों से बिना वजह की अनबन हो सकती है। सावधान रहें।	**वृश्चिक** आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका दिन दूसरों की मदद करने में बीतेगा।
मिथुन आज राजनीतिक गतिविधियों में भी लाभ होगा और आपके करियर में तरक्की होगा।	**धनु** आज करियर में कमाई के योग बन रहे हैं और आपके परिवार में सुख शांति का माहौल रहेगा।
कर्क आज दिन सफलता से भरा होगा और आपका दिन भाग्योदयकारक है।	**मकर** आज दिन शुभ है और आपको कारोबार में किसी नई डील से अचानक धन का लाभ होगा।
सिंह मिश्रित फलकारक है और आपको करियर में लाभ होगा। समाज में स्वच्छ छवि का निर्माण होगा।	**कुंभ** आज करियर के मामले में सफलता प्राप्त होगी और भाग्य आपका साथ दे रहा है।
कन्या आपके लिए उत्तम संपत्ति प्राप्ति के योग बन रहे हैं। आपकी मान-प्रतिष्ठा में निश्चित रूप से वृद्धि होगी।	**मीन** आज भाग्य साथ दे रहा है और आपको कारोबार में सफलता प्राप्त होने से मन में काफी खुशी होगी।

राजकाज

भारत में गृह युद्ध जैसी स्थिति

1947 के पहले भारत में हमेशा से राजशाही का राज रहा है। हजारों वर्षों की राजशाही के अंतर्गत गुलामी में रहने की हमारी आदत थी।1947 के बाद भारतीय संविधान ने लोकतंत्र की स्थापना की। जिसमें जनता राजा बनी। जनता अपने वोट से राजा चुनने लगी। लेकिन हजारों वर्षों की गुलामी पीछा नहीं छोड़ रही है। भारत में जिस तरह बटोगे तो कटोगे, दो विचारधाराओं को लेकर बांटो और राज करो की नीति पर जिस तरह से सत्ता संघर्ष शुरू हुआ है। उसने एक बार फिर गुलामी की यादें ताजा कर दी है। संघ और मोदी परिवार जिस तरह से रात दिन हिंदू मुस्लिम, काटो बांटो, डर और भय की जो राजनीति कर रही है। उसमें बहुसंख्यक होते हुए भी सत्ता में बैठे लोगों द्वारा जिस तरह से हिंदुओं को डराया जा रहा है। जिस तरह भारत में जगह-जगह धर्म के नाम पर झगड़ा हो रहे हैं। उसने सभी की चिंता बढ़ा दी है।

झारखंड में वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्री के सभी रिश्तेदार चुनाव मैदान में

अगले महीने झारखंड विधानसभा चुनाव का मतदान होना है। झारखंड के 24 साल के इतिहास में 7 मुख्यमंत्री बने हैं।जब से झारखंड राज्य बना है। उसके बाद से जो भी मुख्यमंत्री रहा है। उसके रिश्तेदार चुनाव मैदान में अपना भाग्य जरूर आजमाते हैं। भाजपा और झामुमो के जो भी मुख्यमंत्री बने हैं। उन सभी के रिश्तेदार चुनाव मैदान में इस बार भी चुनाव लड़ रहे हैं। कितने चुनाव जीतेंगे और कितने हारेंगे कहना मुश्किल है। झारखंड का यह इतिहास अन्य राज्यों से भिन्न है। इसलिए झारखंड हमेशा चचाओं में बना रहता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1524 स्पेनियों ने मिलान फ्रांसीसियों के हवाले कर दिया। 1850 ताइपिंग विद्रोह में हुंग सियु लुएन ने अपने को शंहशाह घोषित किया। 1896 इथोपिया से इटली का संरक्षण समाप्त हुआ। 1977 ब्राजील ने जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1934 गांधीजी के नेतृत्व में अखिल भारतीय ग्रामीण उद्योग संघ का गठन हुआ। 1942 द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सोलोमन द्वितीय के पास अमरीकी युद्धवाहक पोत हार्नेट डूबो दिया गया। 1955 दक्षिण वियतनाम गणराज्य घोषित हुआ। 1962 चीन के आक्रमण के बाद देश में आपात स्थिति की घोषणा की गई। 1969 चांद पर पहली बार उतरने वाले अंतरिक्ष यात्री आर्मस्ट्रांग और एल्ड्रिन भारत आए। 1975 मिस्त्र के राष्ट्रपति अनवर सादात आर्थिक और सैन्य सहायता के लिए अमरीका गए। 1979 दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति पार्क चुंग हो की हत्या केसीआईए मुख्यालय में हुई।

दैनिक पंचांग

26 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

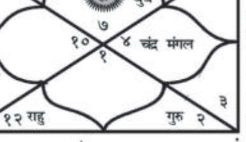

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.41 ब.से
चंद्र	कन्या में	धनु	09.57 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	12.02 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.49 बजे से
गुरु	वृष में	मीन	15.22 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	मेष	16.52 बजे से
शनि	कुंभ में	वृष	18.32 बजे से
राहु	मीन में	मिथुन	20.30 बजे से
केतु	कन्या में	कर्क	22.44 बजे से
		सिंह	01.00 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		कन्या	03.12 बजे से
		तुला	05.23 बजे से

शनिवार 2024 वर्ष का 300 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि दशमी 05.24 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 09.46 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 05.57 बजे प्रातः को समाप्त।
करण वणिज 16.20 बजे तदनन्तर विष्टि 05.24 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 23.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 32'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872144
जूलियन दिन 2460609.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

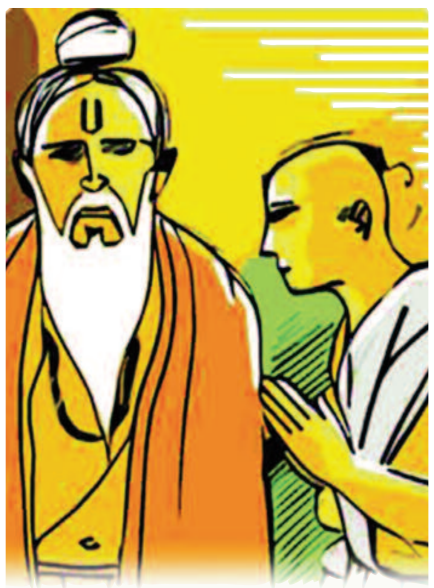

पुजारी और पंडित में क्या होता है अंतर

जब भी आप मंदिर दर्शन के लिए जाते होंगे तो वहां आपको पुजारी अवश्य मिलते होंगे। वहीं, मंदिरों में पंडित भी दिख जाते होंगे। ज्यादातर लोग यही मानते हैं कि पंडित और पुजारी एक ही होते हैं जब कि दोनों में बहुत बड़ा अंतर है। इसी अंतर के बारे में आपको हमारे एक्सपर्ट ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स आज इस लेख में बताने वाले हैं। तो चलिए जानते हैं कि आखिर कैसे पुजारी पंडित से अलग होते हैं।

कौन होते हैं पुजारी

पुजारी उन्हें कहा जाता है जो मंदिर में सेवा करते हैं। पुजारी का काम होता है मंदिर में स्थापित भगवान की पूजा-अर्चना करना, उनकी सेवा करना, उन्हें समय-समय पर भोग लगाना, उनकी आरती करना आदि यानी कि पुर्णतः भगवान के कामों के लिए समर्पित रहना। इसके अलावा, पुजारी मंदिर की देखभाल और भगवान के दर्शनों के लिए मंदिर में आए भक्तों तक भगवान का प्रसाद पहुंचाने का काम भी करते हैं। पुजारी मंदिर के दायरे तक सीमित होते हैं और मंदिर के गर्भगृह से जुड़े तमाम कार्यों में उनकी सहभागिता होती है।

कौन होते हैं पंडित

पंडित वो होते हैं जो सिर्फ भगवान के कामों के लिए प्रतिबद्ध नहीं होते हैं। पंडित भगवान की पूजा से लेकर सांसारिक कार्यों जैसे कि गृह प्रवेश, विवाह, मुंडन संस्कार, जनेऊ संस्कार आदि तक को करने के लिए जाने जाते हैं। विभिन्न पाठों, यज्ञ-अनुष्ठानों को भी पंडित करवाते हैं। पंडित का एक धर्म यह भी होता है कि मृत्यु के बाद की जो भी परिक्रियाएं होती हैं उन्हें भी संपन्न कराना। पंडित को इन सभी कार्यों को करने के एवज में दक्षिणा भी मिलती है जबकि पुजारी को किसी भी प्रकार की दक्षिणा लेना वर्जित माना गया है। एक और बड़ा अंतर है इन दोनों में।

पहले के समय में पुजारी गृहस्थ नहीं हुआ करते थे। मंदिर की सेवा के लिए जो भी पुजारी के रूप में नियुक्त होता था उसे विरक्त दीक्षा लेनी पड़ती थी। हालांकि अब के समय में पंडित हो या पुजारी दोनों ही गृहस्थ जीवन का निर्वाह करते हैं और सांसारिकता से जुड़े हुए हैं।

28 अक्टूबर को है कार्तिक मास की पहली एकादशी

हिन्दू धर्म में रमा एकादशी हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है. यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है. रमा एकादशी को बहुत शुभ माना जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है. इसके अलावा जीवन में आने वाली बाधाएं खत्म होती हैं और घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है. इस दिन भक्त भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और भजन-कीर्तन करते हैं. रमा एकादशी एक पवित्र व्रत है. इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-शांति आती है.

पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 27 अक्टूबर दिन रविवार को सुबह 05 बजकर 23 मिनट पर शुरू होगी. वहीं, इस तिथि का समापन 28 अक्टूबर को सुबह 07 बजकर 50 मिनट पर होगा. उदयातिथि के अनुसार, रमा एकादशी का व्रत 28 अक्टूबर दिन दिन सोमवार को किया जाएगा. रमा एकादशी के अगले दिन यानी 29 अक्टूबर को सुबह 06 बजकर 31 मिनट से लेकर 10 बजकर 31 मिनट के मध्य पारण किया जा सकता है.

रमा एकादशी पूजा विधि

- रमा एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर साफ कपड़े धारण करें
- फिर घर के मंदिर की साफ-सफाई करें और एक चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं.
- चौकी पर दीपक जलाएं और विष्णु भगवान की प्रतिमा स्थापित करें.
- भगवान विष्णु की मूर्ति का गंगा जल से अभिषेक करें.
- श्री हरि को पुष्प, फल और तुलसी दल अर्पित करने के बाद व्रत का संकल्प लें.
- अंत में आरती करके भोग लगाएं और पूजा का समापन करें.
- पूजा खत्म होने के बाद गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न और प्रसाद वितरित करें.

रमा एकादशी की कथा

रमा एकादशी की कथा राजा मुचुकुंद से जुड़ी है. राजा मुचुकुंद एक बहुत ही धार्मिक राजा थे. उन्होंने अपने पूरे राज्य में एकादशी का व्रत रखने का आदेश दिया था. उनके राज्य में सभी लोग एकादशी का व्रत करते थे. एक बार राजा मुचुकुंद के पुत्र शोभन की मृत्यु हो गई. उनकी पत्नी चंद्रभागा ने अपने पति के शरीर को दाह संस्कार के लिए तैयार किया, लेकिन जब वह शव को अग्नि में डालने जा रही थी, तो उसने सोचा कि अगर वह भी अपने पति के साथ चली जाएगी तो उसे मोक्ष मिल जाएगा. इसीलिए उसने भी अग्नि में कूदने का निश्चय कर लिया. तभी एक ब्राह्मण ने उसे रोककर एकादशी व्रत का महत्व बताया. ब्राह्मण ने कहा कि अगर वह एकादशी का व्रत करेगी तो उसे मोक्ष मिल जाएगा. चंद्रभागा ने ब्राह्मण की बात मान ली और एकादशी का व्रत करना शुरू कर दिया. कुछ समय बाद उसे स्वप्न में भगवान विष्णु दर्शन हुए और उन्होंने उसे वरदान दिया कि वह अपने पति के साथ स्वर्ग में जाएगी.

रमा एकादशी का महत्व

मान्यता है कि रमा एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु की कृपा से लोगों के सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है. यह व्रत मन को शांत करता है और आध्यात्मिक विकास में मदद करता है. साथ ही इस व्रत को करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है. रमा एकादशी का व्रत रखने से साधक के जीवन में खुशियों का वास होता है. इसके अलावा पैसों की कमी और पापों से छुटकारा मिलता है.

रमा एकादशी का धार्मिक महत्व

दिवाली से पहले आने वाली रमा एकादशी मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए लाभदायक है. इससे सुख, सौभाग्य, सृमद्धि में वृद्धि होती है.

- एकादशी के दिन श्रीहरि विष्णु की पूजा का आशीर्वाद प्राप्त होता है लेकिन दिवाली से पहले आने वाली रमा एकादशी करने से आर्थिक संकट दूर होता है और व्यक्ति को किसी चीज कमी नहीं होती. वह राजयोग जैसा सुख पाता है.
- कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की रमा एकादशी 28 अक्टूबर 2024 को है. पुराणों के अनुसार रमा एकादशी व्रत कामधेनु गाय को घर में रखने के समान फल देती है. ये चातुर्मास की आखिरी एकादशी होती है.
- कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी 27 अक्टूबर 2024 को सुबह 05.23 पर शुरू होगी और 28 अक्टूबर 2024 को सुबह 07.50 पर समाप्त होगी. इस दिन विष्णु जी की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 09.18 - सुबह 10.41 तक है.
- रमा एकादशी का व्रत पारण 29 अक्टूबर 2024 को सुबह 06.31 से सुबह 08.44 के बीच किया जाएगा.
- रमा एकादशी के दिन एकाक्षी नारियल घर लाना और उसकी पूजा करना बहुत शुभ फलदायी होता है. मान्यता है इससे मां लक्ष्मी घर में वास करती हैं.
- मान्यता है कि रमा एकादशी के दिन माता लक्ष्मी के रमा स्वरूप के साथ भगवना विष्णु के पूर्णावतार केशव स्वरूप की पूजा की जाती है. इससे धन लाभ होता है.

भगवान गणेश को क्यों कहते हैं गणपति बप्पा?

सनातन धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूजनीय देवता माना जाता है। इनकी पूजा विधिवत रूप से करने से सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

भगवान गणेश, जिन्हें गणपति, विनायक, और गणेशजी के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक हैं। उन्हें बुद्धि, समृद्धि, और भाग्य का देवता माना जाता है। गणेशजी को नए आरंभों, यात्रा, और किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत में पूजा जाता है। गणेश चतुर्थी का त्योहार उनके सम्मान में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। गणेश की पूजा विशेष रूप से उन अवसरों पर की जाती है जब कोई नया कार्य या योजना शुरू की जाती है, क्योंकि उन्हें नए आरंभों और बाधाओं को हटाने वाला माना जाता है। गणेश का वाहन एक चूहा होता है, जो उनकी विनम्रता और सभी बाधाओं को पार करने की क्षमता का प्रतीक है। बता दें, गणेश चतुर्थी के दिन गणेश जी के सिद्धि विनायक स्वरूप की पूजा विशेष रूप से करने की मान्यता है। अब ऐसे में भगवान गणेश को बप्पा क्यों कहा जाता है।

क्यों कहा जाता है गणपति बप्पा?

गणपति बप्पा यह नाम भगवान गणेश के लिए एक प्रिय और लोकप्रिय संबोधन है, जो भारत में विशेष रूप से गणेश चतुर्थी के दौरान अत्यधिक उपयोग किया जाता है। गणपति यह शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है - गण और पति। गण का अर्थ है समूह या समुदाय, और पति का अर्थ है स्वामी या प्रभु। अतः गणपति का शाब्दिक अर्थ होता है सभी गणों के स्वामी। यह भगवान गणेश की सर्वोच्च स्थिति और उनके ज्ञान का प्रतीक है। बप्पा एक मराठी शब्द है, जिसका अर्थ है पिता या पिताजी। यह शब्द भगवान गणेश के प्रति एक व्यक्तिगत और घनिष्ठ संबंध को दर्शाता है। यह एक ऐसा शब्द है जिसे बच्चे अपने पिता को बुलाते हैं और यह भगवान गणेश की करुणा और दयालु स्वभाव को दर्शाता है। मोरया शब्द के पीछे कई कहानियां और व्याख्याएं हैं। एक लोकप्रिय मान्यता के अनुसार, यह शब्द मोरया गोसावी से जुड़ा हुआ है, जो एक संत थे। कहा जाता है कि मोरया गोसावी ने ही सबसे पहले भगवान गणेश को बप्पा मोरया कहा था। कुल मिलाकर, गणपति बप्पा नाम भगवान गणेश के ज्ञान, शक्ति, दयालु स्वभाव और उनके भक्तों के प्रति प्रेम का प्रतीक है। यह नाम भगवान गणेश को एक ऐसे देवता के रूप में दर्शाता है जो न केवल पूजनीय हैं, बल्कि एक पिता, मित्र और मार्गदर्शक भी हैं। गणेश चतुर्थी के दौरान, भक्तों द्वारा गणपति बप्पा मोरया का जयकारा लगाया जाता है। यह जयकारा भगवान गणेश के प्रति भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है।

दिन के इस विशेष समय पर करें इस मंत्र का जाप, पाप होंगे नष्ट और होगी भगवान श्री कृष्ण की कृपा

ज्योतिष शास्त्र में मंत्रों का अत्यधिक महत्व है। ज्योतिष के अनुसार, ग्रहों, नक्षत्रों और राशियों की ऊर्जा का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। मंत्रों का जाप करके हम इन ग्रहों, नक्षत्रों और राशियों की अनुकूल ऊर्जा को प्राप्त कर सकते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

जन्म कुंडली में यदि किसी ग्रह की स्थिति कमजोर या अशुभ हो तो उस ग्रह से संबंधित मंत्रों का जाप करके ग्रहों के दोषों को दूर किया जा सकता है। यदि आप जीवन में किसी विशेष क्षेत्र में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, जैसे कि शिक्षा, करियर, विवाह, स्वास्थ्य आदि, तो उस क्षेत्र से संबंधित मंत्रों का जाप करके आप अपनी इच्छाओं को पूरा कर सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में नकारात्मक ऊर्जा, बाधाओं या संघर्षों का सामना कर रहे हैं, तो रक्षा कवच या शांति स्त्रोत प्रदान करने वाले मंत्रों का जाप करके आप इन नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर कर सकते हैं। विभिन्न ग्रहों से संबंधित मंत्रों का जाप करके हम उन ग्रहों की अनुकूल ऊर्जा को प्राप्त कर सकते हैं, जिससे हमारे जीवन में समृद्धि, खुशी और सफलता आ सकती है। अब ऐसे में भगवान श्रीकृष्ण का ऐसा शक्तिशाली मंत्र है। जिसका जाप करने से व्यक्ति को सभी कष्टों से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही आरोग्य की भी प्राप्ति हो सकती है।

भगवान श्रीकृष्ण के शक्तिशाली मंत्र का करें जाप

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के इस मंत्र का जाप करना बेहद शुभ और उत्तम साबित हो सकता है। ऐसी मान्यता है कि इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति को सभी कष्टों से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। इस मंत्र पवित्रता, शुद्धता, सफलता और आरोग्य का कारक माना जाता है।

कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने॥
प्रणतः क्लेशनाशाय गोविंदाय नमो नमः॥

इस मंत्र का करें 108 बार जाप

अगर आप भगवान श्रीकृष्ण के इस शक्तिशाली मंत्र का जाप कर रहे हैं, तो 108 बार करें। इससे शुभ शीघ्र लाभ मिलने की संभावना होती है। साथ ही इस मंत्र का विधिवत रूप से जाप करें।

इस मंत्र का जाप किस विधि से करें

अगर आप भगवान श्रीकृष्ण के इस मंत्र का जाप कर रहे हैं, तो स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनकर जाप कर सकते हैं। इस मंत्र का जाप आसन पर बैठकर करें। इस मंत्र का जाप विशेष रूप से रात में सोने से पहले करें। इससे उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

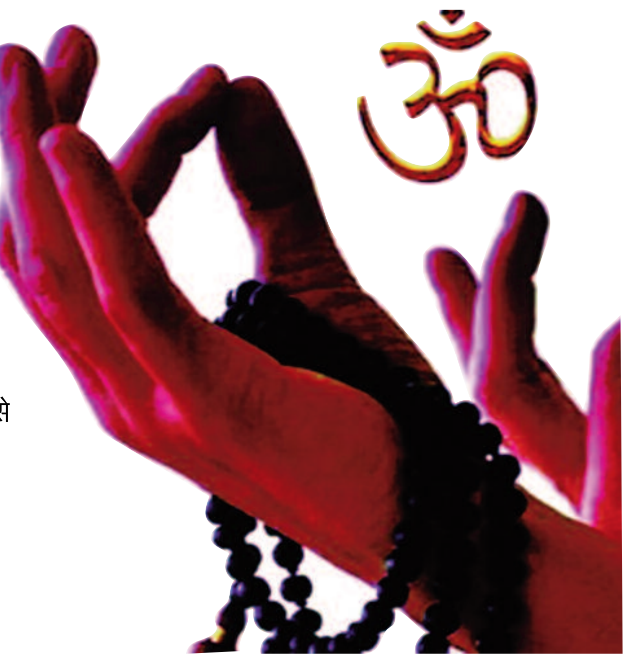

अब मुद्रा योजना के तहत मिल सकेगा 20 लाख तक का लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लोन की सीमा को बढ़ाकर 10 से 20 लाख कर दिया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024- 25 आम बजट में योजना के तहत मुद्रा लोन की सीमा को दोगुना करने की घोषणा की थी जिसे अब लागू कर दिया गया है। वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफसी) की तरफ से जानकारी दी गई कि मुद्रा योजना के तहत नई तरुण प्लस श्रेणी बनाई गई है। इस श्रेणी के तहत उन उद्यमियों को 20 लाख तक का लोन प्रदान किया जाएगा, जो तरुण श्रेणी का लोन अदा कर चुके हैं। सरकार का मानना है कि इससे उद्यमियों को अपने कारोबार को विस्तार देने में मदद मिलेगी। खासकर छोटे कारोबारी व उद्यमियों को इससे बड़ी मदद मिलने की संभावना है। अभी तक मुद्रा लोन में शिशु कैटगरी के तहत 50000 रुपये तक का लोन मिलता था। वहीं, किशेर में 50000 से 5 लाख रुपये और तरूण कैटेगरी के तहत 5 लाख से 10 लाख रुपये तक की राशि दी जाती थी। वित्त वर्ष 2024-2025 में अब तक 220662.40 करोड़ रुपये के कुल 22937661 पीएमएमवाय लोन मंजूर किए जा चुके है। इनमें से 214364.71 करोड़ रुपये का लोन दिया जा चुका है। ग्राहक अपनी शिकायतें डाक द्वारा निम्नलिखित पते पर या ईमेल के माध्यम से शिकायतकर्ता का पूरा विवरण और विवरण देकर और शिकायत के कारण के विशिष्ट उदाहरण देकर भी प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्लेटफॉर्म फीस की खबर पर जोमैटो बोला- यह अफवाह नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज द्वारा ऑनलाइन फ़ूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म से स्पष्टीकरण मांगे जाने के एक दिन बाद जोमैटो ने कहा कि प्लेटफॉर्म शुल्क में 10 रुपये की वृद्धि अफवाह नहीं है। बीएसई को संबोधित एक डॉक्यूमेंट में जोमैटो ने कहा कि प्लेटफॉर्म शुल्क में बढ़ोतरी के बारे में खबर अफवाह नहीं है और ये बदलाव एक नियमित व्यावसायिक मामला है। सबसे पहले, हम यह बताना चाहेंगे कि यह कोई अफवाह नहीं है, क्योंकि सूचना के स्रोत ने बताया है कि हमारे प्लेटफॉर्म शुल्क में परिवर्तन एक नियमित व्यावसायिक मामला है और समय-समय पर किया जाता है और यह शहर-दर-शहर अलग-अलग हो सकता है। आशा है कि उपरोक्त जानकारी आपके प्रश्नों का उत्तर देगी। हम आपके किसी भी अन्य प्रश्न का उत्तर देने के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि, जोमैटो ने उन शहरों का उल्लेख नहीं किया है जिनमें शुल्क वृद्धि लागू की गई है। टीओआई की खबर के मुताबिक जोमैटो और स्विगी ने त्योहारी सीजन के बीच कुछ शहरों में प्लेटफॉर्मशुल्क बढ़ा दिया है। दोनों ऑनलाइन फ़ूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म अब दिल्ली में पहले के 6 रुपये की तुलना में 10 रुपये प्लेटफॉर्म शुल्क ले रहे हैं।

सिगरेट, होटल नहीं, खेती-पाती की कमाई में सबसे ज्यादा उछाल... चौंकाने वाला है आईटीसी का रिजल्ट !

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटीसी लिमिटेड विविध कारोबार से जुड़ी प्रमुख कंपनी है। गुरुवार को इसने दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2024) के नतीजे घोषित किए। कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 2 प्रतिशत बढ़कर 4,993 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले साल की समान तिमाही में 4,898 करोड़ रुपये था। दिलचस्प यह है कि कंपनी की सबसे ज्यादा ग्रोथ किसी और सेगमेंट के मुकाबले एग्री बिजनेस में रही। एग्री बिजनेस सेगमेंट के रेवेन्यू में 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह ग्रोथ लीफ टोबैको और वैल्यू ऐडेड प्रोडक्टों के कारण हुई।

कंपनी ने बताया कि इस दौरान उसकी परिचालन से आय 15.6 प्रतिशत बढ़कर 22,282 करोड़ रुपये हो गई। यह उम्मीद से कहीं ज्यादा है।इटी नाउ पोल ने 18,068 करोड़ रुपये की आय का अनुमान लगाया था। कंपनी के बोर्ड ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रसेल क्रेडिट से इआइएच लिमिटेड के 1.52 करोड़

शेयर और एचएलवी लिमिटेड के 34.6 लाख शेयर खरीदने को मंजूरी दे दी है।

यह अधिग्रहण इआइएच और एचएलवी में कंपनी की हिस्सेदारी को मजबूत करने के लिए किया जा रहा है। जुलाई-सितंबर 2024 तिमाही में कंपनी का 6,335 करोड़ रुपये रहा, जबकि मार्जिन 32.8 प्रतिशत दर्ज किया गया।

विभिन्न व्यवसायों के प्रदर्शन की बात करें तो सिगरेट कारोबार से राजस्व 7 प्रतिशत बढ़कर 8,879 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले साल की समान तिमाही में 8,328 करोड़ रुपये था। सिगरेट व्यवसाय से कर पूर्व लाभ 5 प्रतिशत बढ़कर 5,242 करोड़ रुपये हो गया।

एफएमसीजी-अन्य व्यवसाय सेगमेंट ने 5,585 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 5,303 करोड़ रुपये था। इस सेगमेंट का पीबीटी मामूली बढ़कर 444 करोड़ रुपये हो गया। होटल व्यवसाय ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 789 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह पिछले वर्ष की समान तिमाही में 675 करोड़ रुपये था। हालांकि, इस व्यवसाय का पीबीटी घटकर 117 करोड़ रुपये रह गया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में 133 करोड़ रुपये था।

कृषि व्यवसाय के आंकड़े चौंकाने वाले

कृषि व्यवसाय ने 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 447 करोड़ रुपये का पीबीटी दर्ज किया। जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 359 करोड़ रुपये था। इस सेगमेंट का राजस्व 47 प्रतिशत बढ़कर 5,845 करोड़ रुपये हो गया। पेपरबोर्ड सेगमेंट के राजस्व में 2 प्रतिशत की मामूली वृद्धि देखी गई, जबकि पीबीटी में 25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 235 करोड़ रुपये रहा। गुरुवार को हस्थ्र पर आईटीसी का शेयर 2.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 470.7 रुपये पर बंद हुआ था।

एक मंच पर आए मुकेश अंबानी और जेंसन हुआंग

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के टॉप रईसों में शामिल मुकेश अंबानी और जेंसन हुआंग गुरुवार को मुंबई में एक मंच पर थे। हुआंग दुनिया का दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी एनवीडिया के सीईओ हैं। मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में एनवीडिया एआई समिट इंडिया चल रहा है। इस दौरान अंबानी और हुआंग ने एआई और भारत के बढ़ते टेक इन्फ्रास्ट्रक्चर समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। 18.5 एकड़ में फैला और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित जियो वर्ल्ड सेंटर मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी के दिमाग की उपज है। यह बिजनस, एंटरटेनमेंट, कल्चर और रिटेल का हब है। मुकेश अंबानी ने जब इस सेंटर के बारे में हुआंग तो बताया तो वहां मौजूद लोग अपनी हंसी को नहीं रोक पाए। हुआंग ने जब मुकेश अंबानी को स्टेज पर बुलाया तो उनका परिचय इंडस्ट्री के एक ऐसे अगुआ के रूप में कराया जिसने भारत के डिजिटलीकरण में मदद की। उन्होंने कहा, भारत को हाई टेक और डीप टेक इंडिया बनाने में सबसे ज्यादा योगदान मुकेश ने दिया है। इसका जवाब देते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि वह हुआंग का मुंबई और खासतौर पर जियो वर्ल्ड सेंटर में स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि इस सेंटर को उनकी पत्नी नीता अंबानी ने बनाया है। अंबानी ने कहा, जियो वर्ल्ड सेंटर को मेरी पत्नी ने बनाया है। अगर मैं यह न कहूं की इसे मेरी पत्नी ने बनाया है तो मुझे ऐसा कहने के लिए कहा गया है। इस पर वहां हंसी का ठहाका गूंज उठा। हुआंग ने कहा, आपकी पत्नी का घर आपसे भी बड़ा है। मैं सोचता था कि आपका घर बहुत बड़ा है। मुकेश के हाउस से मैं कैलिफोर्निया में अपना घर देख सकता हूं। उनकी इस बात पर मुकेश अंबानी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। जियो वर्ल्ड सेंटर में धीरूभाई अंबानी स्क्यावर, जियो वर्ल्ड कनवेंशन सेंटर, जियो वर्ल्ड ड्राइव और नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर मौजूद हैं। इसे कई चरणों में विकसित किया जा रहा है।

ईपीएफओ में बड़े बदलाव का प्लान, ज्यादा बचत की चाहत होगी पूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार कर्मचारियों को राहत देने की तैयारी में है। सरकार जल्द ही वॉलेंट्री प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ) में टैक्स-फ्री ब्याज के साथ कॉन्ट्रिब्यूशन की सीमा को बढ़ा सकती है। अभी यह सीमा 2.5 लाख रुपये है। इस सीमा से ज्यादा के निवेश पर मिलने वाला ब्याज टैक्सेबल होता है। श्रम और रोजगार मंत्रालय इस पर विचार कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में इस प्रस्ताव पर वित्त मंत्रालय से चर्चा की जा सकती है।

इस फैसले का मकसद मध्यम वर्ग के लोगों को ईपीएफओ के जरिए ज्यादा बचत करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इससे उन्हें अच्छा रिटायरमेंट फंड बनाने में मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में स्वैच्छिक योगदान पर 2.5 लाख रुपये की सीमा तय की गई थी। इस सीमा से ज्यादा मिलने वाले ब्याज पर टैक्स लगाया जाता है।

सरकार ने क्यों तय की थी सीमा

इससे पहले, ज्यादा कमाई करने वाले लोग इस सुविधा का इस्तेमाल करके बैंक या फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा टैक्स-फ्री ब्याज कमा रहे थे। सरकार ने इसे रोकने के लिए ये कदम उठाया था। आमतौर पर, वीपीएफ को टैक्स के मामले में पूरी तरह से छूट प्राप्त है। इसका मतलब है कि योगदान, ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली राशि, तीनों ही टैक्स-फ्री होते हैं।

ईपीएफओ वित्त वर्ष 1977-78 से 8 प्रतिशत से ज्यादा ब्याज दे रहा है। वित्त वर्ष 1989-90 में यह 12 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था और वित्त वर्ष 2000 तक 11 साल तक इसी स्तर पर बना रहा। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए पीएफ पर ब्याज दर 8.10 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 8.15 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत थी।

मौजूदा कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम के तहत पीएफ खाते में वीपीएफ योगदान की कोई सीमा नहीं है। यह मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 100 प्रतिशत तक हो सकता है। सरकार ने ज्यादा कमाई करने वालों की ओर से इसके दुरुपयोग को रोकने की कोशिश की थी। इसके लिए उसने टैक्स-फ्री ब्याज आय को प्रति वर्ष 2.5 लाख रुपये के स्वैच्छिक योगदान तक सीमित कर दिया था।

6 लाख महीने का मोह छोड़ा और आज 2 करोड़ मंथली कमाई, किसान के लाल ने किया कमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के एक किसान परिवार से आने वाले डॉक्टर अकरम अहमद ने अपनी मेहनत और लगन से 2 करोड़ रुपये महीने की कमाई करने वाला स्टार्टअप खड़ा किया है। डॉ. अहमद ने 6 लाख रुपये महीने की नौकरी छोड़कर एकेडमिकली ग्लोबल नाम के एडटेक प्लेटफॉर्म की शुरुआत की। यह मेडिकल प्रोफेशनल्स को विदेश में बेहतर नौकरियों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाओं की तैयारी कराता है। आइए, यहां डॉक्टर अकरम अहमद की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। डॉ. अहमद का सफर काफी संघर्षपूर्ण रहा है। उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव में जन्मे डॉ. अहमद हमेशा से ही फार्मासिस्ट बनकर एक मेडिकल स्टोर खोलना चाहते थे। उनके पिता ने उनकी पढ़ाई में पूरी मदद की और उन्होंने फार्मेसी

में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की। अपने विश्वविद्यालय में एक अमेरिकी वक्ता के साथ बातचीत के दौरान डॉ. अहमद को विदेश में चिकित्सा के क्षेत्र में मौजूद अवसरों के बारे में पता चला। इसके बाद उन्होंने विदेश में अवसर तलाशने शुरू कर दिए। जल्द ही उन्हें मलेशिया में फार्मेकोलॉजी लेक्चरर के रूप में अपनी पहली नौकरी मिल गई। डॉ. अहमद ने सिडनी और मलेशिया में काम करते हुए अच्छी कमाई की। सिडनी विश्वविद्यालय से पीएचडी के दौरान उन्होंने देखा कि भारत और अन्य देशों के कई मेडिकल प्रोफेशनल्स बेहतर नौकरी की तलाश में विदेश जाते हैं। लेकिन, लाइसेंसिंग परीक्षाओं और बेहतर करियर के रास्तों की जानकारी न होने के कारण उन्हें छोटी-मोटी नौकरियों में फंसना पड़ता है। सिडनी चिल्ड्रन हॉस्पिटल नेटवर्क में एक शोध प्रबंधक के रूप में काम करते हुए डॉ. अहमद ने यू ट्यूब पर विदेशी मेडिकल नौकरी के अवसरों के लिए परीक्षाओं के बारे में जानकारी साझा करनी शुरू की। इससे उन्हें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स मिले। 2022 में डॉ. अहमद ने अपनी 6 लाख रुपये महीने की नौकरी छोड़ दी और एकेडमिकली ग्लोबल की शुरुआत की। यह सिडनी और भारत में स्थित एक हेल्थकेयर एडटेक प्लेटफॉर्म है, जो मेडिकल प्रोफेशनल्स को विदेश में हाई-पेमेंट जॉब्स के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए कोर्स प्रदान करता है। लगभग 50,000 डॉलर के निवेश के साथ शुरू हुए एकेडमिकली ग्लोबल के आवेदकों में नाटकीय रूप से बढ़ोतरी देखी गई। आज यह एडटेक प्लेटफॉर्म 75 देशों के छात्रों को लाइसेंसिंग परीक्षाओं को पास करने में मदद करता है। यह एडटेक प्लेटफॉर्म स्टार्टअप हर महीने 2 करोड़ रुपये की कमाई भी कर रहा है। डॉ. अकरम अहमद यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं कि उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, प्रत्येक छात्र को सफल होने का अवसर मिलें।

दिवाली से पहले एलन मस्क पर लक्ष्मी मेहरबान! एक झटके में कमाए 33.5 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में गुरुवार को 33.5 अरब डॉलर यानी करीब 28,16,49,74,25,000 रुपये की उछाल आई। इसके साथ ही मस्क की नेटवर्थ 270 अरब डॉलर पहुंच गई है। इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में 22 फीसदी तेजी आई और यह 2013 के बाद उसका एक दिन में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा। तीसरी तिमाही के रिजल्ट के बाद कंपनी के शेयरों में तेजी आई। मस्क की इस कंपनी में 13 फीसदी हिस्सेदारी है। मस्क की नेटवर्थ में टेस्ला की हिस्सेदारी करीब तीन-चौथाई है। टेस्ला के अलावा उनकी स्पेसएक्स, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, एआई वेंचर ±ढ्ढ में भी हिस्सेदारी है। इस साल मस्क की नेटवर्थ में 41.2 अरब डॉलर की तेजी आई है।

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 209 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग (201 अरब डॉलर) इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 72.9 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में एनवीडिया के जेंसन हुआंग सबसे आगे हैं। उनकी नेटवर्थ इस साल 78.6 अरब डॉलर बढ़ी है। वह 123 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं।

अंबानी-अडानी का हाल

इस बीच भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी पर 100 अरब डॉलर क्लब से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। गुरुवार को उनकी नेटवर्थ में 13.2 करोड़ डॉलर की तेजी आई। वह 101 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर खिसक गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 4.90 अरब डॉलर की तेजी आई है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 93.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 18वें नंबर पर हैं। गुरुवार को उनकी नेटवर्थ में 76.3 करोड़ डॉलर की तेजी आई। इस साल उनकी नेटवर्थ 9.2 अरब डॉलर की तेजी आई है।

दिवाली तक गिफ्ट पर खर्च होंगे 1.85 लाख करोड़, दावा- ऑनलाइन खरीदारी में हो रही दोगुनी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में उपहारों का लेनदेन सर्वाधिक रहने की उम्मीद है। इसका असर बिक्री के आंकड़ों पर भी दिख रहा है। लोकलसर्किल्स के सर्वे के मुताबिक, दिवाली तक सिर्फ शहरी भारतीय चॉकलेट, बेकरी, मिठाइयों और अन्य उपहारों की खरीदारी 1.85 लाख करोड़ रुपये खर्च करेंगे। सितंबर से अब तक लोग 1.2 लाख करोड़ के उपहार खरीद चुके हैं। इसके साथ ही सर्वे में दावा किया गया है कि दुकान से उपहार खरीदने के साथऑनलाइन खरीदारी में भी तेजी दिख रही है। त्योहारी ऑफर की वजह से 36 फीसदी लोग ऑनलाइन उपहार खरीद रहे हैं। यह सर्वे 314 जिलों के 31,000 शहरी परिवारों से बातचीत पर आधारित है। उपहार खरीदने की आदतों पर सर्वे में कहा गया है कि 53 फीसदी शहरी लोग स्थानीय बाजारों में जाकर खुद जाकर गिफ्ट खरीदते हैं। वहीं, 21 फीसदी लोग ऑनलाइन खरीदारी करते हैं। हालांकि, दोनों अपने-अपने रिश्तेदारों या दोस्तों के घर खुद जाकर उपहार देना पसंद करते हैं। सिर्फ 15 फीसदी लोग ही ऑनलाइन खरीदारी कर रिश्तेदारों या दोस्तों के घर के पते पर डिलीवरी करा रहे हैं।

शापूरजी पलोनजी ग्रुप की कंपनी का खुला आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र की शापूरजी पलोंजी ग्रुप का नाम आपने अवश्य सुना होगा। इसकी प्रमुख कंपनी है एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड । इसका 5,434 करोड़ रुपये का आईपीओ आज बोली के लिए खुल रहा है। इसमें निवेशक आगामी 29 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। हम आपको बता रहे हैं इस इश्यू के बारे में सबकुछ।

आबूधाबी का मंदिर हो, कोलकाता का अंडरवाटर मेट्रो हो या दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल जम्मू-कश्मीर का चिनाब ब्रिज, सब इसी कंपनी ने बनाया है। कंपनी का जो आईपीओ आ रहा है, उसमें 10 रुपये के एक शेयर का प्राइस बैंड 440 से 463 रुपये तय किया गया है। इस आईपीओ में निवेशक एक लॉट में 32 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1,250 करोड़ रुपये के शेयरों के नए निर्गम और प्रमोटर गोस्वामी इंफ्राटेक द्वारा 4,180 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल हैं। इस समय एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रमोटर और प्रमोटर समूह की इकाइयों की 99 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

आईपीओ से प्राप्त राशि में से 80 करोड़ रुपये का उपयोग निर्माण उपकरण खरीदने, 320 करोड़ रुपये दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी के लिए, 600 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए होगा। देखा जाए तो एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के पास घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जटिल और चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स को एक्जीक्यूट करने का काफी अनुभव है। इसी को देखते हुए इसे काफी महत्वपूर्ण परियोजनाएं मिल रही हैं। इस राशि से कंपनी से विस्तार योजना में मदद मिलेगी।

क्या है जीएमपी

ग्रे मार्केट में एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों की फिलहाल मध्यम मांग है। शुक्रवार की सुबह आठ बजे के करीब इसके एक शेयर का भाव 523 रुपये बोला जा रहा था। यदि प्राइस बैंड के ऊपरी स्तर यानी 463 रुपये को इश्यू प्राइस माना जाए तो इस समय एक शेयर पर 60 रुपये या 12.96 फीसदी का प्रीमियम कोट किया जा रहा है।

शेयर बाजारा के अधिकतर विशेषज्ञ इस आईपीओ को बेहतर बता रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड शापूरजी पलोनजी ग्रुप की जानी-मानी कंपनी है। इसका एक प्रूवन ट्रैक रिकार्ड है। इसलिए दीर्घकाल के लिए इस आईपीओं में पैसे लगाए जा सकते हैं। यह कंपनी जटिल ईपीसी प्रोजेक्ट्स को भी सफलतापूर्वक एक्जीक्यूट कर रही है। इसके आर्डर बुक में अभी 31,747 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स हैं, जो 12 देशों में फैले हैं।

एंकर इनवेस्टर्स

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर आईपीओं में कल यानी गुरुवार का दिन एंकर इंवेस्टर्स के लिए था। इस दिन एंकर इंवेस्टर्स ने 1621 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। कंपनी की तरफ से शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार एंकर इंवेस्टर्स को 463 रुपये प्रति शेयर के भाव से 35,021,597 शेयर आवंटित किए गए हैं। इस हिस्से में कई विदेशी एवं घरेलू निवेशकों ने शेयर खरीदे हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार सृजन, अमेरिका में बोलीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका दौरे पर रोजगार सृजन को दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने विश्व बैंक से नौकरियां पैदा करने वाले उच्च प्राथमिकता के कौशल क्षेत्रों की पहचान करने की दिशा में देशों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।

सीतारमण 'विश्व बैंक को अपनी भविष्य की रणनीतिक दिशा कैसे तय करनी चाहिए तथा ग्राहकों को उभरते मेगाट्रेंड के साथ तालमेल रखने के लिए अधिक नौकरियों के सृजन में कैसे मदद करनी चाहिए' विषय पर एक चर्चा में अपनी बात रखी।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर लिखा, '' सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि निरंतर आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों को देखते हुए नौकरियां सबसे बड़ी वैश्विक समस्या बनी हैं, जो युवाओं के लिए नौकरी बाजार में प्रवेश करने के वास्ते आवश्यक कौशल को पुनर्परिभाषित कर रही हैं।''

उन्होंने गुरुवार को कहा कि विश्व बैंक ने इससे पहले क्षेत्रीय रुझानों तथा रोजगार पर उनके संभावित प्रभाव पर कई अध्ययन किए हैं। इनमें 'हरित नौकरियां', कृत्रिम मेधा के चलन में आने के बाद नौकरियां और बदलती जनसांख्यिकी के कारण बदलाव जैसे क्षेत्र आदि विषयों पर अध्ययन किए गए। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय की मांग है कि अधिक व्यापक, बहु-क्षेत्रीय विश्लेषण किया जाए। इसमें इस बात पर गौर किया जाए कि उभरते रुझान किस प्रकार परस्पर क्रिया करते हैं और कैसे नौकरी छूटने तथा नौकरी सृजन दोनों को प्रभावित करते हैं। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में विश्व बैंक से आग्रह किया कि वह डेटा, विश्लेषण तथा ज्ञान कार्य के आधार पर उच्च प्राथमिकता वाले कौशल क्षेत्रों की पहचान करने में देशों के साथ सहयोग करे, जिसमें रोजगार सृजन, कौशल मिलान और श्रम बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में हिस्सा लेने के लिए वर्तमान में अमेरिकी राजधानी में मौजूद सीतारमण ने बृहस्पतिवार को ब्रिटेन की चांसलर ऑफ एक्सचेकर रेचल रीव्स के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की।

टीम इंडिया ने क्या शानदार बदलाव किया, सुंदर के चयन पर गावस्कर का यू-टर्न!

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए कुलदीप यादव की जगह वॉशिंगटन सुंदर को शामिल करने के फैसले की शुरुआत में आलोचना की थी। हालांकि, सुंदर के सात विकेट लेने के बाद अब उन्होंने अपने बयान से यू-टर्न लिया है। बंगलूरू में पहले टेस्ट में हार के बाद वॉशिंगटन को भारतीय टीम में शामिल किया गया था और उन्हें प्लेइंग-11 में शामिल किए जाने के बाद गावस्कर ने कहा था कि यह घबराहट में लिया गया फैसला था।

गावस्कर ने की सुंदर की तारीफ

हालांकि, इस युवा ऑलराउंडर ने शानदार प्रदर्शन किया और सात विकेट लेकर भारत की मैच में वापसी कराई। यहां तक कि गावस्कर भी उनके प्रदर्शन से प्रभावित दिखे और कमेंट्री करते हुए कहा - क्या प्रेरित करने वाला चयन है। उन्हें प्लेइंग-11 में इसलिए चुना गया है क्योंकि वह थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं और थोड़ी गेंदबाजी कर सकते हैं।

भारतीय टीम का घबराहट भरा फैसला

इससे पहले गावस्कर भारत की प्लेइंग-11 में तीन बदलाव करने के फैसले से संतुष्ट नहीं थे। केएल राहुल, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को दूसरे टेस्ट के लिए बाहर कर दिया गया और उनकी जगह शुभमन गिल, वॉशिंगटन सुंदर और आकाश दीप ने प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाई। उन्होंने टॉस के बाद कहा था, यह भारतीय टीम का घबराहट भरा फैसला लगता है। आप अक्सर टीम में तीन बदलाव नहीं करते हैं।

गावस्कर ने कही थी यह बात

गावस्कर ने कहा, जब तक चोट की चिंता न हो, मैं बहुत सी टीमों को तीन बदलाव करते नहीं देखता। वॉशिंगटन सुंदर को शामिल करने से पता चलता है कि वे अपनी बल्लेबाजी को लेकर चिंतित हैं। उनकी गेंदबाजी से ज्यादा, उन्हें निचले क्रम में उनकी बल्लेबाजी की जरूरत है। हां, न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी इकाई में बाएं हाथ के बल्लेबाजों के बारे में काफी चर्चा हो रही है, लेकिन मैं कुलदीप यादव को चुनूंगा क्योंकि उनकी गेंद वामहस्त बल्लेबाजों के लिए बाहर की तरफ निकलती है।

चोटिल टेम्बा बावुमा बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर

ढाका। कोहनी की चोट से उबरने के कारण टेम्बा बावुमा बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बावुमा की अनुपस्थिति में एडेन मार्कराम सीरीज में टीम की अगुआई करते रहेंगे। बावुमा का लक्ष्य अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए फिट होना है। इस महीने की शुरुआत में आयरलैंड के खिलाफ वनडे मैच में रन पूरा करने के दौरान अजीब तरह से गिरने के कारण बावुमा की कोहनी में चोट लग गई थी। वह मैच में 35 रन पर रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर मैदान पर नहीं लौटे। यह वही कोहनी है जो 2022 में भारत के टी20 दौरे के दौरान चोटिल हुई थी।दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कोच शुकरी कॉनराड ने कहा, हमें लगता है कि वह चिकित्सकीय रूप से दूसरे टेस्ट के लिए तैयार नहीं हैं। हम (पुनर्वास) कार्यक्रम को कम करेंगे ताकि वह श्रीलंकाई सीरीज के लिए तैयार हो सकें।% बावुमा के इस सीरीज में आगे हिस्सा न लेने के कारण यह अभी भी अनिश्चित है कि वह ढाका में टीम के साथ रहेंगे या अपने पुनर्वास को जारी रखने और श्रीलंका सीरीज की तैयारी के लिए स्वदेश लौटेंगे। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू प्रथम श्रेणी सत्र बुधवार से शुरू हो रहा है, जिससे बावुमा को 27 नवंबर को किंग्समीड में श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले तीन मैचों में खेलने का मौका मिलेगा। कॉनराड ने कहा, मैं चाहता हूं कि वह (बांग्लादेश में) रहें, और मैंने उनसे इस बारे में बात की है। लेकिन मैं यह भी जानता हूं कि उनका एक छोटा परिवार है। लेकिन हां, मैं चाहूंगा कि वह रहें। वह अभी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह अभी भी उनकी टीम है। हम देखेंगे कि यह कैसे सामने आता है।

भारतीय हॉकी टीम शूटआउट में जर्मनी से सीरीज हारी

5-3 से जीता था आखिरी मुकाबला, कप्तान हरमनप्रीत ने 2 गोल दागे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम ने वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी के खिलाफ 2 मैचों ही सीरीज गंवा दी है। विजेता का फैसला शूटआउट के जरिए किया गया। जिसमें भारत 1- 3 से हार गया।कप्तान हरमनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह के 2-2 गोल की बदौलत भारत ने दूसरा मुकाबला 5-3 से जीता। टीम इंडिया की इस जीत से सीरीज 1-1 से बराबर हो गई थी, क्योंकि जर्मनी ने पहला मुकाबला 2-0 से जीता था।

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम पर दूसरे टेस्ट में जर्मनी के लिए एलियान माजकूर (7वें और 57वें मिनट में) ने दो और हेनरिक मर्टजेंस ने 60वें मिनट में एक गोल किया। वहीं, भारतीय टीम की ओर से दूसरे हाफ में सुखजीत सिंह (34वां और 48वां मिनट) , कप्तान हरमनप्रीत सिंह (42वां और 43वां) और अभिषेक (45वां मिनट) ने गोल दागे।

भारत शूटआउट में एक गोल ही कर सका सीरीज का फैसला करने के लिए हुए शूटआउट में भारतीय खिलाडी 5 प्रयास में एक गोल ही कर सके, जबकि जर्मन ने 3 गोल दागे। भारत के लिए डेब्यू कर रहे आदित्य अर्जुन लालगे ने गोल दागा, जबकि हरमनप्रीत, अभिषेक, मोहम्मद राहील नाकाम रहे। गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने 2 गोल बचाए, लेकिन टीम की हार को नहीं टाल सके।

पहले क्वार्टर में जर्मन डिफेंड को नहीं भेद सके भारतीय भारत ने मुकाबले में आक्रामक शुरुआत की। टीम ने शुरुआती मिनटों में कई मौके बनाए, लेकिन जर्मन डिफेंस को नहीं भेद सके। वहीं, जर्मनी के एलियान ने 7वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को ब?त पर ला दिया। उन्होंने दाहिने कॉर्नर से रिवर्स शॉट पर गोल दागा।2 मिनट बाद आदित्य गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन जरमनप्रीत सिंह से मिले पास पर उनका शॉट जर्मनी के गोलकीपर जोशुआ एन ओंयेकवू ने बचा लिया। जर्मनी को 12वें मिनट में मिले पहले पेनल्टी कॉर्नर पर लुकास विंडफेडर का शॉट बाहर से निकल गया।हाफ टाइम तक 0-1 से पीछे रहा भारत कुछ मिनटों बाद भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। जिस पर भारत ने वैरिएशन आजमाया और अपना 200वां मैच खेल रहे अमित रोहिदास ने हरमनप्रीत को गेंद सौंपी, लेकिन उनके शॉट को जर्मन गोलकीपर ने बचाया। जर्मनी को पलटवार पर मिला पेनल्टी कॉर्नर भारत ने नाकाम कर दिया ।

भारत को दो और पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन गोल नहीं हो सका। हाफटाइम से दो मिनट पहले जर्मनी को मिला पेनल्टी कॉर्नर बेकार गया। दूसरे हाफ के पहले 4 मिनट में ही भारत ने आक्रामक खेल दिखाते हुए तीन पेनल्टी कॉर्नर बनाए, लेकिन खाता नहीं खुल सका।हरमनप्रीत ने एक मिनट में दो गोल दागे हरमनप्रीत ने एक मिनट के भीतर 2 पेनल्टी कॉर्नर को तब्दील करके भारत को बढ़त दिलाई। सुखजीत ने 34वें मिनट में गोल दागा और अभिषेक ने भारत के लिए चौथा गोल किया।सुखजीत ने 48वें मिनट में लंबे पास पर जर्मन गोलकीपर को छकाते हुए डाइव लगाकर रिवर्स हिट पर गोल दागा। जर्मनी को 54वें मिनट में मिला पेनल्टी कॉर्नर बेकार गया। हूटर से तीन मिनट पहले हालांकि जर्मनी ने एलियान के गोल के दम पर अंतर को कम किया।

तस्मानिया के खिलाफ 53 रन पर सिमटी

ऑस्ट्रेलिया वनडे में 1 रन बनाने में 8 विकेट गंवाए वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के 6 बल्लेबाज शून्य पर आउट

ऑस्ट्रेलिया के डोमेस्टिक वन-डे कप टूर्नामेंट में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। टीम ने 1 रन बनाने में 8 विकेट गंवा दिए।वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया और तस्मानिया के बीच पर्थ के वाका ग्राउंड में खेले गए मैच में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की टीम एक समय 2 विकेट के नुकसान पर 52 रन बना चुकी थी, लेकिन 53 रन के स्कोर पर पूरी टीम सिमट गई। आखिरी के 7 बल्लेबाज खाता तक न खोल सके।

टीम के 6 बल्लेबाज शून्य पर आउट

इस मुकाबले में तस्मानिया की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अरोन हार्डी और डार्सी शॉर्ट ने पारी की शुरुआत की। टीम का पहला विकेट आरोन हार्डी 7 रन के रूप में 10 रन पर गिरा। इसके बाद कैमरून बैनक्रॉफ्ट और डार्सी शॉर्ट ने पारी को संभाला। लेकिन 22 के स्कोर पर शॉर्ट आउट हुए।

इस समय टीम का स्कोर 45 रन था। इसके बाद कैमरून बैंनक्रॉफ्ट 14 और विकेटकीपर जोश इंग्लिश 1 रन पर आउट हो गए।

स्कोर में 7 रन और जुड़े थे कि वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 52 रनों पर पहुंचने के बाद अपने 5 विकेट और गंवा दिए जिससे 52 के स्कोर तक टीम के 7 खिलाड़ी पवेलियन लौट गए थे।इस स्कोर में एक रन और जुने के बाद 53 के स्कोर पर पूरी वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की टीम पवेलियन लौट गई। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया टीम की पारी के आखिरी के 7 बल्लेबाज अपना खाता भी खोलने में कामयाब नहीं हो सके, जिसमें कप्तान एश्टन एगर और कूपर कोनोली का नाम भी शामिल है।वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया टीम की पारी को सिर्फ 53 के स्कोर पर समेटने में तस्मानिया टीम के गेंदबाज ब्यू वेबस्टर ने 6 ओवर्स में 2 मेडन फेंकने के साथ 17 रन दिए और छह विकेट अपने नाम किए।इसके अलावा बिली स्टेनलेक ने 3 जबकि टॉम रोजर्स ने 1 विकेट अपने नाम किया। वहीं तस्मानिया की टीम ने 54 रनों के टारगेट को सिर्फ 8.3 ओवर्स में तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। तस्मानिया की तरफ से मिचेल ओवेन ने 29 और मैथ्यू वेड ने 21 रन बनाए।

बड़े खेलों को हटाया जाना निराशाजनक, क्रिकेट-हॉकी को ग्लासगो खेलों से हटाए जाने पर बोलीं पीटी उषा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा का मानना है कि 2026 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों के कार्यक्रम से कुश्ती, हॉकी और बैडमिंटन जैसे पदक दिलाने वाले खेलों को बाहर करना देश के लिए 'निराशाजनक' है लेकिन लागत कम करने का दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करेगा कि भविष्य में इस प्रतियोगिता को मेजबान मिलते रहें। खेलों के 23वें सत्र का आयोजन 23 जुलाई से दो अगस्त तक आयोजित किया जाएगा जिससे स्कॉटलैंड की राजधानी की 12 साल बाद मेजबान के रूप में वापसी होगी।अधिकांश राष्ट्रीय खेल महासंघों ने हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट, निशानेबाजी, टेबल टेनिस और स्क्वाश को खेलों से बाहर करने के ग्लासगो के फैसले की आलोचना की है और इस कदम के बाद खेलों की प्रासंगिकता पर भी सवाल उठाए हैं, लेकिन उषा ने कहा कि इसके कारणों को पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उषा ने बुधवार को कहा, 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खेलों के कार्यक्रम में कटौती निराशाजनक है लेकिन मुझे यकीन है कि आप समझेंगे कि 2026 के खेल राष्ट्रमंडल खेलों के भविष्य के लिए एक पुल का काम करेंगे।

पुणे टेस्ट में न्यूजीलैंड की स्थिति मजबूत

पुणे (एजेंसी)। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे टेस्ट की पहली पारी में 156 रन पर ऑलआउट हो गई है। टीम पहली पारी के बाद 103 रन से पिछड़ गई। शुक्रवार को टीम इंडिया ने 16/1 के स्कोर से खेलना शुरू किया और 140 रन बनाने में आखिरी 9 विकेट गंवा दिए।फिलहाल, तीसरे सेशन का खेल जारी है। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 198 रन बना लिए हैं। टीम की कुल बढ़त 301 रन हो चुकी है। टॉम ब्लंडेल और ग्लेन फिलिप्स क्रीज पर हैं।टॉम लैथम 86 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें वॉशिंगटन सुंदर ने एलबी किया। उन्होंने डेरिल मिचेल (18 रन), रचिन रवींद्र (9 रन), डेवोन कॉन्वे (17 रन) को भी आउट किया। विल यंग (23 रन) अश्विन का शिकार बने।भारतीय पारी में रवींद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने 30-30 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर ने 7 विकेट झटके।

वॉर्नर की कप्तानी पर लगा लाइफटाइम बैन हटा-2018 में बॉल टेम्परिंग के दोषी पाए गए थे

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर पर की कप्तानी पर लगा लाइफटाइम बैन हटा दिया गया है। साल 2018 में वॉर्नर को ऑस्ट्रेलिया में किसी भी टीम की कप्तानी करने पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा जिंदगी भर के लिए बैन कर दिया गया था। अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कंडक्ट कमीशन ने फैसले की समीक्षा करते हुए वॉर्नर से बैन हटाने का फैसला किया है।

बैन के हटने से उनके अगले बिग बैश सीजन में सिडनी थंडर्स की कप्तानी करने के कयास लगाए जा रहे हैं। डेविड वॉर्नर पर ये बैन साल 2018 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में बॉल टेम्परिंग करने को लेकर लगा था। वॉर्नर के अलावा बॉल टेम्परिंग मामले में स्टीव स्मिथ और कैमरून बैनक्रॉफ्ट भी दोषी पाए गए थे, जिन्हें एक साल के लिए क्रिकेट से बैन कर दिया गया था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपना फैसला वापस लिया डेविड वॉर्नर पर बैन लगाए जाने के 6 साल बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपना फैसला वापस ले लिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से इसे लेकर एक प्रेस रिलीज जारी की गई, जिसमें बताया गया कि 25 अक्टूबर को कंडक्ट कमीशन के 3 सदस्यीय पैनल ने वॉर्नर पर लगे लाइफटाइम लीडरशिप बैन को हटाने का फैसला किया। पैनल ने पाया कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के कोड ऑफ कंडक्ट में साल 2022 में जो बदलाव किए गए हैं, उसके मुताबिक बैन हटाने के नियमों पर वॉर्नर खरे उतरते हैं।

2022 में कप्तानी करने की अपील की थी डेविड वॉर्नर ने 2018 में अपने खिलाफ लाइफटाइम लीडरशिप बैन लगने के बाद ही वॉर्नर ने इसे वापस लिए जाने की अपील की थी। 2022 में खुद पर लगे बैन से वॉर्नर इतने तंग आ चुके थे कि उन्होंने अपील को वापस ले लिया था। अब 6 सालों के इंतजार के बाद आखिरकार वॉर्नर पर कप्तानी करने से लगी रोक हटा दी गई है। वॉर्नर पर ये रोक सिर्फ ऑस्ट्रेलिया तक ही सीमित थी।

महान विश्वनाथन आनंद के बाद शतरंज में ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय बने अर्जुन एरिगैसी

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जुन एरिगैसी शतरंज की दुनिया में खूब नाम कमा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और इसका फायदा उन्हें रैंक में मिला है। 2003 में जन्मे अर्जुन ने पहले ही खुद को विश्व स्तर पर शीर्ष खिलाड़ियों में से एक के रूप में स्थापित कर लिया है और उनका वर्तमान फॉर्म उनके समर्पण, कौशल और निरंतर सुधार के बारे में बताता है।

हाल ही में अर्जुन ने भारत की ऐतिहासिक शतरंज ओलंपियाड जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हंगरी के बुडापेस्ट में अर्जुन का प्रदर्शन शानदार रहा था। भारत के लिए तीसरे बोर्ड पर खेलते हुए उन्होंने 11 राउंड में नौ जीत और दो ड्रॉ दिए, जिससे भारत की टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान मिला। 2968 एलो की उनकी प्रदर्शन रेटिंग टूर्नामेंट में सर्वोच्च में से एक थी और उन्होंने कुल 19.2 रेटिंग अंक अर्जित किए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ वह 2797.2 एलो की लाइव रेटिंग के साथ फैबियानो कारुआना को पछाड़ते हुए नंबर तीन की करियर-उच्च विश्व रैंकिंग पर पहुंच गए।

अर्जुन की शतरंज शैली पिछले कुछ वर्षों में काफी विकसित हुई है। उन्हें शुरू में एक स्थितिगत खिलाड़ी के रूप में जाना जाता था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपने खेल को समझा और कई सुधार किए और अब दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में उनका नाम आता है। अर्जुन के ग्रैंडमास्टर बनने का सफर बहुत कम उम्र में शुरू हो गया था। उन्होंने 2017 में अपना अंतरराष्ट्रीय मास्टर खिताब अर्जित किया था और एक साल बाद 14 साल की उम्र में अपना ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल किया। वह 14 साल की उम्र में विश्व युवा शतरंज चैंपियनशिप में अंडर -2017 डिवीजन में उपविजेता बने थे।

अपने करियर के शुरुआती वर्षों में अर्जुन क्लासिकल शतरंज में 2500 रेटिंग रेंज में बने रहे। उन्होंने सितंबर 2021 में पहली बार 2600 रेटिंग हासिल की और रैपिड, ब्लिट्ज और ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट में सफलता हासिल करना जारी रखा। टाटा स्टील इंडिया रैपिड टूर्नामेंट में उनकी जीत और टाटा स्टील इंडिया ब्लिट्ज में उनका दूसरा स्थान हासिल करना, जहां वह केवल आर्मगेडन टाई-ब्रेक में जीएम लेवोन एरोनियन से हार गए, ने विभिन्न प्रारूपों में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को उजागर किया।2022 अर्जुन के लिए एक ब्रेकआउट वर्ष था। उन्होंने वर्ष की शुरुआत शीर्ष -10 जूनियर के रूप में की और साल का अंत सुपर ग्रैंडमास्टर के रूप में किया। वह मार्च में भारत के शतरंज चैंपियन बने और जून में 2022 जूनियर स्पीड शतरंज चैंपियनशिप जीतकर निहाल सरीन का दो साल का सिलसिला खत्म किया। इन प्रदर्शनों ने विश्वनाथन आनंद, विदित गुजराती और हरिकृष्णा पेंटाला के बाद दुनिया के शीर्ष जूनियर और चौथे सबसे ऊंचे रैंक वाले भारतीय खिलाड़ी के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया।

सोनम कपूर

सोनम कपूर भी दिवाली पर पटाखे जलाने से बचती हैं। अभिनेत्री को भी पटाखे जलाना पसंद नहीं है।

अनुष्का शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा दिवाली पर पटाखे जलाने से बचती हैं। वह इस त्योहार को केवल दिए और मिठाईयों के साथ मनाना पसंद करती हैं।

आलिया भट्ट

इस लिस्ट में आलिया भट्ट का नाम भी शामिल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री खुद तो पटाखों से दूर रहती हैं, साथ ही वह औरों से भी अपील करती हैं कि वह पटाखों से दूरी बनाए रखें।

प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा को अस्थमा की बीमारी है, इसलिए वह पटाखों से कोसों दूर रहती हैं। साथ ही वह लोगों से भी अपील करती हैं कि वो पटाखे ना जलाए।

अनन्या पांडे

इस सूची में अनन्या पांडे का नाम भी शामिल है। अनन्या को भी पटाखे फोड़ना पसंद नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह दूसरों से भी ऐसा ना करने की अपील करती हैं।

इको-फ्रेंडली दिवाली मनाना पसंद करती हैं ये हसीनाएं

पटाखों से बनाकर रखती हैं दूरी

रोशनी के त्योहार दिवाली को बस कुछ दिन ही बचे हैं। ऐसे में चारों ओर दिवाली की धूम मची है। लोग दिवाली पर अपने घरों सजाने और पार्टी की तैयारियों में जुटे हैं। त्योहार कोई भी हो बॉलीवुड के सितारे इसे मनाने से बिल्कुल भी पीछे नहीं हटते। कई सितारे त्योहार को मनाने से पहले अपने घरों पर पार्टी का आयोजन करते हैं। अपने दोस्तों और करीबियों के साथ इसका जश्न मनाते हैं। हालांकि, कुछ ऐसे सितारें हैं जो पूरी तरह से इको-फ्रेंडली दिवाली मनाने में विश्वास रखते हैं। वह खुद को पटाखों से दूर रखते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इससे वायु और ध्वनि प्रदूषण का बढ़ावा मिलता है। आइए जानते हैं वो कौन-कौन सी अभिनेत्रियां हैं जो पटाखों से तौबा करती हैं।

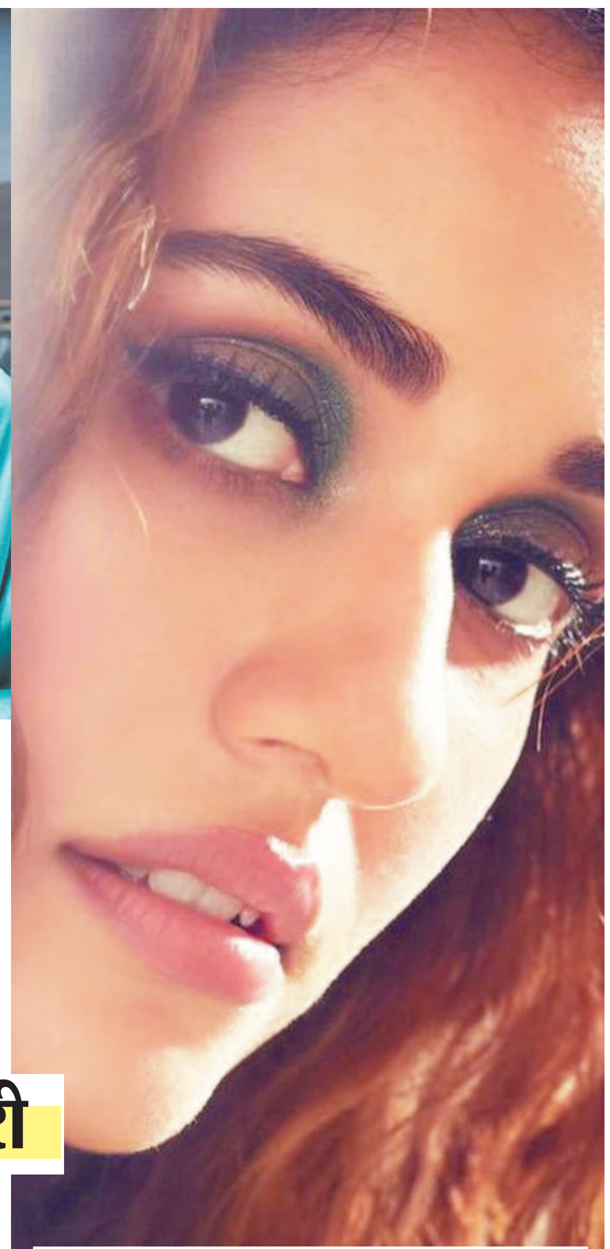

दिशा पटानी

दिशा पटानी भी पटाखों से दूरी बनाए रखती हैं। उन्हें भी पटाखे फोड़ना पसंद नहीं है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की कानूनी मुश्किलें बढ़ीं

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक बार फिर विवाद के घेरे में आ गए हैं। हाल ही में एक विज्ञापन के बाद से उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। विज्ञापन में अभिनेता महाराष्ट्र पुलिस अधिकारी की यूनिफॉर्म पहने नजर आ रहे हैं। नवाजुद्दीन लोगों को ऐप पर पोकर खेलने के लिए प्रोत्साहित करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, एक हिंदू संगठन का दावा है कि यह विज्ञापन महाराष्ट्र पुलिस को जुए से जोड़कर उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता नजर आ रहा है। हिंदू जनजागृति समिति ने मुंबई पुलिस आयुक्त और महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक को एक पत्र भेजकर सिद्दीकी और बिग कैश पोकर के मालिक अंकुर सिंह के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह किया है। सुराज्य अभियान के महाराष्ट्र राज्य समन्वयक अभिषेक मुरुकाटे ने मुंबई पुलिस आयुक्त और महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक को एक पत्र लिखकर इस मुद्दे को उठाया है। पत्र में महाराष्ट्र सिविल सेवा (अनुशासन और अपील) नियम 1979 और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम 1951 के तहत सिद्दीकी और सिंह दोनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

पत्र में कहा गया है यह चिंताजनक है क्योंकि यही पुलिस विभाग ऐसे लोगों के खिलाफ मामले दर्ज करता है और जुआरियों को गिरफ्तार करता है। हिंदू जनजागृति समिति का सुराज्य अभियान इसकी कड़ी निंदा करता है, क्योंकि यह महाराष्ट्र पुलिस की छवि को धूमिल करता है। इसे अनदेखा करने से पुलिस की वर्दी का उपयोग कर और अधिक अवैध और अनैतिक विज्ञापन हो सकते हैं।

महाराष्ट्र पुलिस को कड़ी मेहनत के साथ ट्रेनिंग दी जाती है। लेकिन यह विज्ञापन इशारा करता है कि ऑनलाइन जुआ उन्हें कुशल बनाता है। पत्र में कहा गया यह निराशाजनक है कि किसी भी पुलिस अधिकारी को इस आवेदन के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर नहीं किया गया है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दूसरों को शिकायत करनी पड़ रही है। हम यह भी चाहते हैं कि महाराष्ट्र के गृह मंत्री भी इस मामले का संज्ञान लें। हिंदू संगठन ने इस बात पर जोर दिया कि विज्ञापन कानून प्रवर्तन के लिए हानिकारक और अपमानजनक है।

सोशलाइजिंग से थक गई हैं अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अपनी सोशल लाइफ से थक गई हैं। सान्या ने कहा कि केवल दो दिनों में उन्होंने एक साल की सामाजिक गतिविधियां पूरी कर ली हैं। सान्या मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी समेत कई पार्टियों और समारोहों में शामिल होती रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इसमें वह अपनी कार की पिछली सीट पर काले रंग की ड्रेस पहने बैठी हैं। तस्वीर में अभिनेत्री थम्स अप करते मुस्कुराती दिखाई दे रही हैं। कैप्शन में सान्या ने लिखा, पूरे साल की सोशलाइजिंग दो दिनों में पूरी कर ली। उनके करियर पर नजर डालें तो अभिनेत्री वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और मनीष पॉल के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमार में काम कर रही हैं। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारीकथित तौर पर बद्रीनाथ की दुल्हनिया का सीक्वल है। इस फिल्म में वरुण और शशांक खेतान फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया में काम किया था। वह आरती कदव द्वारा निर्देशित मिसेज में भी नजर आएंगी। फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी है, जिसे कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वह अपनी राह पर चलने की कोशिश करती है।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी और मिसेज के अलावा सान्या के पास वरुण अभिनीत बेबी जॉन है। एक्शन थ्रिलर का निर्देशन कलीज ने किया है और जवान निर्माता एटली ने इसका निर्माण किया है। यह फिल्म एटली की 2016 की तमिल फिल्म थेरी की आधिकारिक रीमेक है। इसमें कीर्ति सुरेश भी हैं, जो वामिका गब्बी और जैकी श्रॉफ के साथ हिंदी फिल्मों में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।

अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 पर दिया बड़ा अपडेट

अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 पर बड़ा अपडेट साझा किया है। साथ ही बताया कि वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ अभिनीत इस फिल्म का फिल्मांकन कब शुरू होगा। सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान अभिनीत प्रतिष्ठित कॉमेडी फिल्म नो एंट्री ने साल 2005 में रिलीज होने के बाद से बॉलीवुड पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मूल फिल्म के प्रशंसक इसकी अगली कड़ी नो एंट्री 2 पर अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालिया अपडेट में, निर्देशक अनीस बज्मी ने पुष्टि की कि नो एंट्री 2 का फिल्मांकन अगले साल की शुरुआत में शुरू होने वाला है।

अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 पर दिया अपडेट

एक इंटरव्यू में अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को भूल भुलैया 3 की रिलीज के बाद वह अपना फोकस पूरी तरह से नो एंट्री 2 पर लगा देंगे। अनीस बज्मी ने कहा, एक बार जब भूल भुलैया 3 रिलीज हो जाएगी, तो मैं अपनी सारी ऊर्जा नो एंट्री में लगा दूंगा। अगर सब कुछ ठीक रहा तो हम अगले फरवरी-मार्च में इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे।

श्रद्धा कपूर ने एक्टिंग पर की खुलकर बात, बताया कैसे बनीं प्रशंसकों की पसंद

फिल्म जगत की खूबसूरत और टैलेंटेड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी हालिया रिलीज फिल्म स्त्री 2 की जबरदस्त सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच अभिनेत्री ने प्रोफेशनल और पर्सनल मुद्दों पर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि वह बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा स्टार्स में से एक क्यों हैं? हाल ही में लैक्मे फैशन वीक में कल्कि लेबल के लिए रनवे पर वॉक करने वाली अभिनेत्री ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा मेरा मानना है कि इंडस्ट्री में मेरी तरक्की के पीछे कई कारण हैं।

श्रद्धा ने कहा कि अलग-अलग तरह की भूमिकाएं चुनने से मुझे अपनी प्रतिभा दिखाने और दर्शकों से जुड़ने का मौका मिला है। अभिनेता शक्ति कपूर की बेटी ने कहा कि अपने प्रदर्शन से प्रशंसकों के साथ वास्तविक संबंध बनाने में मदद मिली है। इसके अलावा उन्होंने आत्म-सुधार के प्रति अपने लगन को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे इन बातों ने एक कलाकार के रूप में काफी कुछ सिखाया है। इस बीच स्त्री 2 की सफलता पर बात करें तो फिल्म ने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। 600 करोड़ बेंचमार्क, मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है और 2018 की ब्लॉकबस्टर स्त्री की अगली कड़ी है।

शाहरुख खान की प्रतिष्ठित फौजी श्रृंखला दूरदर्शन पर फिर से प्रसारित होगी- सभी 13 एपिसोड शुरू होंगे

फौजी 2 की बहुप्रतीक्षित रिलीज की रोमांचक तैयारी में, दूरदर्शन आज से शाहरुख खान के 1989 के प्रसिद्ध धारावाहिक फौजी के 13 एपिसोड प्रसारित करेगा। एपिसोड हर सोमवार से

गुरुवार तक डीडी नेशनल पर प्रसारित किया जाएगा, जिससे प्रशंसकों को उस प्रतिष्ठित शो को फिर से देखने का मौका मिलेगा जिसने शाहरुख खान के स्टारडम की शुरुआत की थी। इस पुरानी यादों के पुनरुद्धार के साथ-साथ, फौजी 2 का फिल्मांकन आधिकारिक तौर पर पुणे में शुरू हो गया है, जो प्रिय श्रृंखला पर नए सिरे से विचार करने का वादा करता है। फौजी 2 की घोषणा ने पहले ही प्रशंसकों के बीच हलचल पैदा कर दी है, जिससे वे इस प्रतिष्ठित कहानी की आधुनिक मोड़ के साथ वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

काजोल ने अभिषेक और ऐश्वर्या को शादी बचाने पर दी सलाह

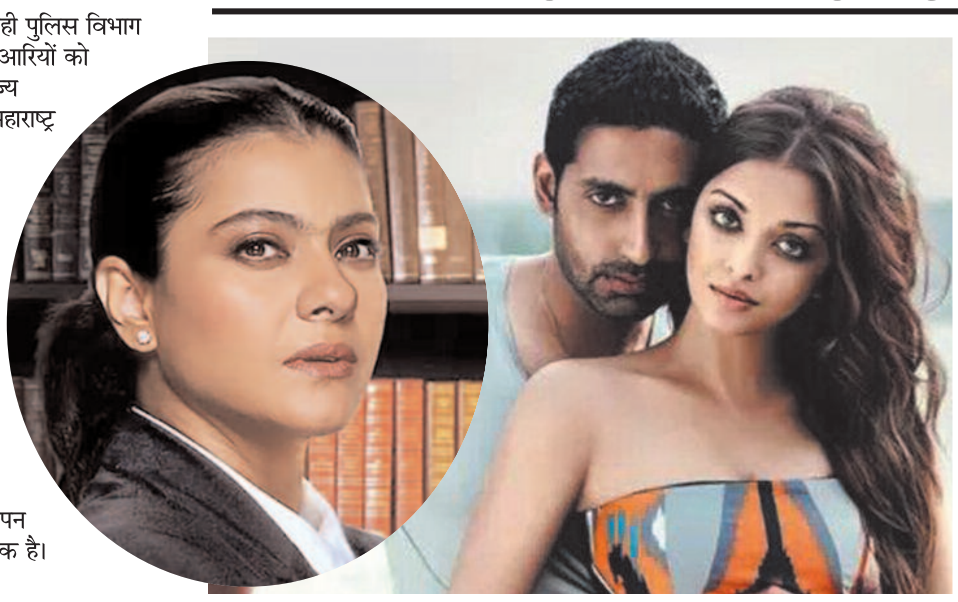

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। दोनों के अलगाव की खबरें जोरों पर हैं और अब इसका कारण एक्ट्रेस निमरत कौर को माना जा रहा है लेकिन इसकी पुष्टि नहीं है।

इन सबके बीच, काजोल ने अभिषेक और ऐश्वर्या को शादी बचाने के लिए सलाह दी है। अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन को 2006 में अपनी फिल्म उमराव जान की शूटिंग के दौरान एक-दूसरे से प्यार हो गया। 2007 में, दोनों ने शादी कर ली। दोनों अक्सर अपने रोमांस और प्रेम कहानी के साथ सुर्खियां बटोरते रहते है। लेकिन पिछले कुछ सालों में अभिषेक और ऐश्वर्या के बीच दरार की खबरों ने सबका ध्यान खींचा है। हालांकि उन्होंने कभी भी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हाल ही में, अभिषेक बच्चन के बारे में कुछ बातें सुर्खियों में छा गईं।

निमरत और अभिषेक के लिंकअप की खबरों ने लोगों का ध्यान खींचा और इसे लेकर कई सारी बातें हो रही हैं। एक्ट्रेस को ऐश्वर्या और अभिषेक के बीच दरार पैदा करने के लिए दोषी ठहराया गया है। हालांकि, अभिषेक और निमरत के लिंकअप की खबरों पर अब तक किसी का कोई रिएक्शन नहीं आया है।

अभिषेक बच्चन-ऐश्वर्या राय के बीच दिक्कत!

इन सबके बीच अभिषेक और ऐश्वर्या राय की शादी से जुड़े कई पुराने वीडियो वायरल हो रहे हैं। ऐसे ही एक पुराने वीडियो में ऐश्वर्या और अभिषेक की शादीशुदा जिंदगी के लिए बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल उन्हें सलाह देती नजर आ रही हैं। यह वीडियो कॉफी विद करण 2007 का था, जिसमें शाहरुख खान, काजोल और रानी मुखर्जी आए थे।

काजोल की अभिषेक-ऐश्वर्या को सलाह

रैपिड-फायर राउंड के दौरान काजोल से एक सलाह मांगी गई कि वह ऐश्वर्या और अभिषेक की शादी बचाने के लिए वो क्या सलाह देंगी। इस पर काजोल ने कहा कि वह नहीं चाहेंगी कि यह कपल फिल्म कभी अलविदा ना कहना ना देखे। उन्होंने कहा, ये फिल्म मत देखो।

-साभार एजेंसी